शुभ लाभ

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भाजपा-जेडीएस का मैसूरु चलो मार्च
सातवें दिन भी रहा जारी @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 10 अगस्त, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-222

बांग्लादेश की जेलों से भागे 739 आतंकी भारत में घुसेंगे!

योजना के तहत जेलों से भगाए गए आतंकवादी

आतंकियों के भारत में बैठे सरपरस्तों पर नजर

ढाका/कोलकाता, 09 अगस्त (एजेंसियां)।

बांग्लादेश की तीन जेलों से भागे या भगाए गए 739 कुख्यात आतंकियों को भारत में घुसाने की साजिश चल रही है। इनमें से कुछ आतंकियों के पश्चिम बंगाल में घुसने की आशंका है। पश्चिम बंगाल में बैठे कट्टर इस्लामिक सरपरस्त इन आतंकियों को भारत में प्रवेश कराने का कुचक्र कर रहे हैं। खुफिया एजेंसियों की सूचना पर राज्य और केंद्र की सुरक्षा इकाइयां सतर्कता बरत रही हैं। खुफिया एजेंसियों का कहना है कि बांग्लादेश की जेलों से आतंकी भागे नहीं, बल्कि उन्हें सुनियोजित प्लान के तहत जेलों से भगाया गया है।

बांग्लादेश में शेख हसीना को सत्ता से बेदखल करने के बाद बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा जारी है। हिंदुओं पर कहर बरपाने वाले आतंकी संगठन जमीयत-उल मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) के कई आतंकी जेल से बाहर भाग निकले हैं। इनमें कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी के भी कई कार्यकर्ता शामिल हैं। पड़ोसी देश में उथल-पुथल के बीच पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों में आतंकियों की संभावित घुसपैठ को देखते हुए सतर्कता बढ़ा दी गई है। ▶10पर

हिंदुओं पर हमला करने वाला सरकार का सलाहकार बना

मोदी के बांग्लादेश दौरे पर खालिद हुसैन ने कराया था दंगा

हिफाजत-ए-इस्लाम बांग्लादेश का प्रमुख है मो. खालिद हुसैन

ढाका, 09 अगस्त (एजेंसियां)।

पड़ोसी देश बांग्लादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना के तख्तापलट के बाद अब नई अंतरिम सरकार का गठन हो गया है। अंतरिम सरकार का मुखिया बांग्लादेश की ग्रामीण बैंक के संस्थापक मोहम्मद युनुस को बनाया गया है। अंतरिम सरकार की प्राथमिकता क्या रहेगी, यह इससे ही पता चलता है कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले कराने वाले मौलाना खालिद हुसैन को नई सरकार में सलाहकार नियुक्त किया गया है। इसी खालिद हुसैन ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बांग्लादेश दौरे के समय दंगा कराया था। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार में 16 अन्य सदस्यों को शामिल किया गया है, इनमें से कई खतरनाक इस्लामिक कट्टरपंथी शरीक हैं। बांग्लादेश की नई अंतरिम सरकार में शामिल किए जाने वाले 16 सदस्यों में पूर्व की जमात-ए-इस्लामी सरकार के करीबियों से लेकर कट्टरपंथी मौलानाओं को जगह दी गई है।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के गठन के पहले और वर्तमान में ▶10पर

बांग्लादेश में हिंदुओं पर बढ़ते अत्याचार के मद्देनजर

सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कमेटी गठित

बांग्लादेश शासन के साथ वार्ता करेगी कमेटी

नई दिल्ली, 09 अगस्त (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों पर लगातार हो रहे अत्याचार पर कारगर रोकथाम के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक कमेटी का गठन किया है। यह कमेटी बांग्लादेश में रहने वाले भारतीयों, हिंदुओं और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर वहां के गृह मंत्रालय के अधिकारियों के साथ संवाद करेगी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने और लगातार हो रही हिंसा के बाद भारत सरकार ने बड़ी पहल की है। कमेटी भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर सुरक्षा और मौजूदा स्थिति की भी समीक्षा करेगी।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बताया कि बांग्लादेश के मौजूदा हालात को देखते हुए मोदी सरकार ने कमेटी का गठन किया। कमेटी का अध्यक्ष सीमा सुरक्षा बल पूर्व क्षेत्र के एडीजी को बनाया गया है। इसके अलावा बीएसफ दक्षिण बंगाल के आईजी, आईजी बीएसफ त्रिपुरा, भारतीय भूमि पत्तन प्राधिकरण के योजना और विकास विभाग के सदस्य और सचिव कमेटी में सदस्य होंगे।

केंद्रीय गृह मंत्रालय बांग्लादेश में रह रहे भारतीय हिंदू समुदाय और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए भारत सरकार बांग्लादेश सरकार से वन टू वन बातचीत करेगी। गृह मंत्रालय की ओर से गठित कमेटी बांग्लादेश में हिंदुओं समेत अन्य अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार और मौजूदा हालात का तो जायजा लेगी ही, इसके साथ ही गृहमंत्री अमित शाह खुद बांग्लादेश सरकार के साथ बातचीत करके वहां के अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और उनकी सम्पत्ति का संरक्षण सुनिश्चित कराएंगे।

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, बांग्लादेश में जारी हालात के मद्देनजर मोदी सरकार ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर मौजूदा हालात पर नजर रखने के लिए एक ▶10पर

वक्फ संशोधन विधेयक संयुक्त संसदीय समिति के हवाले

वक्फ विधेयक पर विचार के लिए जेपीसी गठित

जेपीसी में लोकसभा से 21 और राज्यसभा 10 सदस्य शामिल

नई दिल्ली, 09 अगस्त (एजेंसियां)।

वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार करने के लिए लोकसभा अध्यक्ष ने शुक्रवार को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के लिए 31 सदस्यों को नामित कर दिया। जेपीसी में 11 सदस्य लोकसभा के और 10 सदस्य राज्यसभा से होंगे। इसे अगले संसद सत्र के पहले अपनी रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया गया है।

संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने प्रस्ताव पेश किया था कि वक्फ (संशोधन) विधेयक को लोकसभा के 21 सदस्यों और राज्यसभा के 10 सदस्यों वाली संयुक्त संसदीय समिति को भेजा जाए। विधेयक को गुरुवार को लोकसभा में पेश किया गया। इस पर चर्चा के बाद इसे जेपीसी को भेजा गया था। सरकार ने जोर देकर कहा कि प्रस्तावित कानून मस्जिदों के कामकाज में दखल का इरादा नहीं रखता है। वहीं, विपक्ष ने इस विधेयक के जरिए मुसलमानों का निशाना बनाने और संविधान पर हमला करने का आरोप लगाया।

जेपीसी में शामिल लोकसभा सदस्यों में जगदंबिका पाल, निशिकांत दुबे, तेजस्वी सूर्या, अपराजिता सारंगी, संजय जायसवाल, दिलीप सैकिया, अविजीत गंगोपाध्याय, डीके अरुणा, गौरव गोगोई, इमरान मसूद, मोहम्मद जावेद, मौलाना मोइबुल्ला, कल्याण बनर्जी, ए राजा, श्रीकृष्णा देवारायलू, दिनेश्वर कमायत, अरविंद सावंत, एम सुरेश गोपीनाथ, नरेश गणपत मास्के, अरुण भारती, असदुद्दीन ओवैसी शरीक हैं। जेपीसी में शामिल राज्यसभा सदस्यों में बृजलाल, डॉ. मेधा विसराम कुलकर्णी, गुलाम अली, डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल, सईद नासिर हुसैन, मोहम्मद नदीम उल हक, वी विजयसाई रेड्डी, एम मोहम्मद अब्दुल्ला, संजय सिंह और डॉ. डी वीरेंद्र हेगड़े हैं।

उल्लेखनीय है कि मोदी सरकार ने गुरुवार को वक्फ बोर्ड एक्ट में बदलाव के लिए संशोधन विधेयक लोकसभा में पेश किया था। सरकार पहले से ही जानती ▶10पर

दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में सुप्रीम कोर्ट से राहत

17 महीने बाद जेल से बाहर आएंगे सिसोदिया

नई दिल्ली, 09 अगस्त (एजेंसियां)।

दिल्ली आबकारी नीति घोटाला और धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) से जुड़े अहम मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को जमानत दे दी है। दो जजों की पीठ ने आज दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम की जमानत याचिका पर फैसला सुनाया। सर्वोच्च न्यायालय ने उन पर शर्त लगाते हुए निर्देश दिया कि वे अपना पासपोर्ट जमा कर दें। उन्हें हर सोमवार को थाने में गवाही देनी होगी। इसके साथ ही कोर्ट ने उनसे कहा कि वे गवाहों को प्रभावित करने की कोशिश न करें। कोर्ट ने उन्हें सचिवालय जाने की इजाजत दी है। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने सुनवाई के बाद छह अगस्त को फैसला सुरक्षित रख लिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सिसोदिया 17 महीने से हिरासत में हैं और अभी तक मुकदमा शुरू नहीं हुआ है, जिससे उन्हें त्वरित सुनवाई के अधिकार से वंचित होना पड़ रहा है। इन मामलों में जमानत मांगने के लिए उन्हें ट्रायल कोर्ट में भेजना न्याय का मखौल उड़ाना होगा। शीर्ष अदालत ने कहा कि अब समय आ गया है कि ट्रायल कोर्ट और हाईकोर्ट यह स्वीकार करें कि जमानत का सिद्धांत एक नियम है और जेल एक अपवाद है। इसके बाद कोर्ट ने निर्देश दिया कि सिसोदिया को 10 लाख ▶10पर

दिल्ली से पकड़ा गया आईएसआईएस आतंकी रिजवान अली

नई दिल्ली, 09 अगस्त (एजेंसियां)।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 15 अगस्त 2024 से पहले एक आईएस आतंकी को गिरफ्तार किया है। आतंकी का नाम रिजवान अली है। रिजवान दिल्ली के दरियागंज इलाके का रहने वाला है। पुलिस का कहना है कि रिजवान इस स्वतंत्रता दिवस से पहले किसी बड़ी आतंकी घटना को अंजाम देने की फिराक में था, लेकिन सही समय पर उसे पकड़ लिया गया।

जानकारी के मुताबिक, दिल्ली पुलिस लंबे समय से रिजवान की तलाश कर रही थी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने इसके और इसके साथियों के ऊपर तीन लाख रुपए का इनाम रखा हुआ था। स्पेशल सेल ने पुरानी दिल्ली दरियागंज के पास से इसे गिरफ्तार किया है और कुछ हथियार भी बरामद किया है, ▶10पर

जम्मू कश्मीर पहुंची चुनाव आयोग की टीम

प्रदेश में जल्द चुनाव कराने की तैयारी

श्रीनगर, 09 अगस्त (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर में पहले विधानसभा चुनाव की संभावनाएं तलाशने चुनाव आयोग का दल दो दिवसीय दौरे पर वीरवार को श्रीनगर पहुंचा। इस दौरान राष्ट्रीय तथा राज्य स्तरीय दलों ने आयोग से जल्द चुनाव कराने की मांग रखी।

आयोग ने सभी जिलों के निर्वाचन अधिकारियों और पुलिस प्रमुखों के अलावा मुख्य निर्वाचन अधिकारी तथा राज्य पुलिस नोडल अधिकारी के साथ अलग-अलग बैठकें कर चुनाव कराने के संबंध में फीडबैक लिया। टीम ने सभी 20 जिलों के डीसी, 23 पुलिस प्रमुखों, सीईओ और पुलिस नोडल अफसर से मंत्रणा की।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार तथा चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार व एसएस संधू के साथ पांच सदस्यीय आयोग का दल शुक्रवार को मुख्य सचिव और डीजीपी के साथ श्रीनगर में बैठक कर चुनाव प्रबंधों पर बात करेगा। इसके बाद दल जम्मू आकर सुरक्षा एजेंसियों के साथ बैठक कर चुनाव में सुरक्षा इंतजामों तथा सुरक्षा बलों की जरूरतों पर विचार करेगा।

श्रीनगर के एसकेआईसीसी में चुनाव आयोग के दल ने विभिन्न राजनीतिक दलों भाजपा, नेकां, ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0
न्यूनतम : 22^0

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमलों पर संयुक्त राष्ट्र नाराज

नस्लीय हिंसा तत्काल रोके बांग्लादेश सरकार

न्यूयॉर्क, 09 अगस्त (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों को निशाना बनाए जाने की घटनाओं की पूरी दुनिया में निंदा हो रही है। अब संयुक्त राष्ट्र ने भी इसकी आलोचना की है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि हम नस्लीय आधार पर होने वाले हमलों, हिंसा को बढ़ावा देने के खिलाफ हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से यह अपेक्षा रखती है कि वह बांग्लादेश में हो रही नस्लीय हिंसा पर तत्काल अंकुश लगाए।

एंटोनियो गुटेरेस के उप-प्रवक्ता फरहान हक से गुरुवार को बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर होने वाले हमलों पर सवाल किया गया था। इसके जवाब में फरहान हक ने कहा कि हमने पहले भी स्पष्ट किया है और हम एक बार फिर यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हाल के हफ्तों में बांग्लादेश में जो हिंसा हो रही है, उसे खत्म किया जाए। हम किसी भी नस्लीय आधार पर होने वाले हमलों या नस्लीय आधार पर होने वाली हिंसा को बढ़ावा देने के खिलाफ हैं। बांग्लादेश में शेख हसीना के इस्तीफे के बाद भी ▶10पर

बांग्लादेशी घुसपैठिए झारखंड में कर रहे अफीम की खेती

संथाल परगना, 09 अगस्त (एजेंसियां)।

झारखंड के संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठ का असर जनसांख्यिकी के अलावा कानून-व्यवस्था पर भी पड़ने लगा है। बांग्लादेशी घुसपैठिए इस इलाके में अफीम की खेती करवा रहे हैं। इसके लिए स्थानीय जनजातीय समुदाय को ढाल बनाया जा रहा है। इस अफीम की तस्करी भी हो रही है। बांग्लादेशी तस्कर झारखंड के संथाल परगना के उन इलाकों में आते हैं जहां ▶10पर

झारखंड हाईकोर्ट ने बांग्लादेशी घुसपैठ रोकने को कहा

रांची, 09 अगस्त (एजेंसियां)।

बांग्लादेश से अवैध तरीके से झारखंड में घुस रहे बांग्लादेशियों को लेकर उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को आगाह किया है। साथ ही अदालत ने संथाल परगना के जरिए राज्य में अवैध तरीके से घुसने वाले लोगों पर तुरंत कार्रवाई करने का निर्दश दिया है।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद और न्यायमूर्ति अरुण कुमार राय की ▶10पर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

परमात्मा का भव्य स्नात्र महोत्सव आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में पूज्य मुनिराज मलयप्रभ सागर जी एवं पूज्य साध्वी स्वर्णांजना श्री जी की निश्रा में परमात्मा नेमिनाथ जन्म कल्याणक दिवस के उपलक्ष्य में भव्यातिभव्य स्नात्र महोत्सव का आयोजन विमलनाथ जिनालय दादावाड़ी में हर्षोल्लास से किया गया। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी और महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने परमात्मा के जन्म कल्याणक दिवस की सकल संघ को हार्दिक शुभकामनाएं प्रदान की। मुनिराज मलयप्रभ सागर जी ने परमात्मा नेम और राजुल के भक्ति गीत एवं नेमिनाथ परमात्मा के जन्म कल्याणक से मोक्ष कल्याणक तक की भाव यात्रा एवं गिरनार तीर्थ का महामात्य संगीत की स्वर लहरियों के साथ आत्म स्पर्शी विवेचन प्रस्तुत कर उपस्थित जनमेदिनी को भाव विभोर कर दिया और कहा कि हम बहुत ही सौभाग्यशाली हैं कि हमें परमात्मा की अनुपस्थिति में उनके जिनबिम्ब का अभिषेक, पूजा करने का अवसर प्राप्त होता है। प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने कहा कि आज के दिन गिरनार की पावन भूमि जहां परमात्मा के दीक्षा, केवल ज्ञान और मोक्ष कल्याणक हुए हैं वहां पर पूरे देशभर से ज्ञद्धालु पहुंचकर नेमिजिन का अभिषेक करते हैं। ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने बताया कि आज परमात्मा विमलनाथ का सुगंधित औषधियों से अभिषेक और शांति कलश शाह जुगराज पारसमल सुजानी परिवार, चन्द्रप्रभ स्वामी भगवान का लक्ष्मीबाई दीपक छाजेड परिवार, मुनिसुव्रत स्वामी भगवान का अभिषेक और मंगल दीपक पन्ना लाल गौतमचंद कवाड परिवार, शान्तिनाथ भगवान का भंवरी देवी पारसमल भन्साली परिवार द्वारा किया गया। अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद् द्वारा संगीतमय विशेष नृत्य मुद्राओं से पढाई गई स्नात्र महोत्सव के पश्चात परमात्मा की आरती संघवी ललिता देवी पुखराज शाह पालरेचा परिवार द्वारा उतारी गई। श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल ने व्यवस्थाएं संभाली। इस अवसर पर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष रनजीत ललवानी, पारसमल पगारिया के साथ सैंकड़ों सदस्यों ने दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्यों के साथ अपनी उपस्थिति से परमात्मा का भव्य स्नात्र महोत्सव मनाया।

सम्यक दर्शन कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ सभा भवन में युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी सिद्ध प्रभा जी द्वारा अभातेयुप निर्देशित सम्यक दर्शन कार्यशाला तेयुप विजयनगर के अंतर्गत करवाई गई। कार्यक्रम की शुरुवात साध्वी द्वारा सामुहिक नवकार के मंगल मंत्रोच्चार से हुआ।

तेयुप विजयनगर अध्यक्ष कमलेश चोपडा ने सभी का स्वागत किया। साध्वी श्री सिद्ध प्रभा जी ने भगवान महावीर द्वारा प्रदत्त मुख्य तीन सिद्धांतों अहिंसा, अनेकांत और अपरिग्रह पर विस्तार से बताया। अभातेयुप एवं समण संस्कृति संकाय द्वारा आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी द्वारा रचित पुरुषोत्तम महावीर पर आधारित पुस्तक पर परीक्षा की तैयारी हेतु साध्वी ने सभी को अध्ययन एवं स्वाध्याय करने की प्रेरणा दी।

साध्वी ने आरंभी हिंसा, उद्य-ोगी हिंसा और विरोधी हिंसा के बारे में विवेचन किया।

साध्वी ने भगवान महावीर द्वारा प्रदत्त कठिन पर उपकारी सिद्धांत सब जीवों से मैत्री और शत्रुता का अभाव के बारे में बताते हुए इसे आज की जरूरत बताया। इस अवसर पर अभातेयुप परिवार, सभा अध्यक्ष मंगल कोचर, महिला मंडल अध्यक्षा मंजू गादिया, तेयुप उपाध्यक्ष विकास बांठिया, अशोक मारू, सहमंत्री पवन बैद, कमलेश दक, कोषाध्यक्ष अमित नाहटा, निवर्तमान अध्यक्ष राकेश पोखरणा, तेयुप विजयनगर पूर्व अध्यक्षों, कार्यकारिणी सदस्य, स्थानीय संघीय संस्थाओं के पदाधिकारी एवं श्रावक श्राविका की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का कुशल संचालन मंत्री संजय भटेवरा ने किया।

स्वार्थ के लिए जीवन जीने का कोई महत्व नहीं

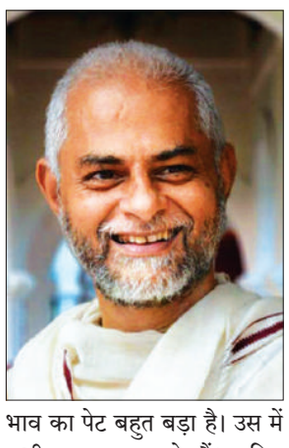

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री सीमंधर शान्ति सूरी जैन संघ वीवी पुरम में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्य श्री अरिहंतसागर सूरीश्वर जी ने कहा कि व्यक्ति दूसरों को समझाने के लिए प्रयत्न करता है, परंतु स्वयं को सुधारने के लिए नहीं करता है। हमारा मन हमारे साथ है जैसा सुधार चाहो वैसा ला सकते हो। आपके मन में क्या है? पता करना है। स्वार्थ को हटाकर मैत्री की स्थापना करनी है और कल्याण के मार्ग में धीरे-धीरे आगे बढ़ाना है। दिल में ऐसी भावना करनी है, ताकि सभी जीवों का भला हो। बुरा किसी का नहीं करना है। मैत्री भाव का पेट बहुत बड़ा है। उस में सभी गुण आ जाते हैं। पवित्र भावों का कोई मूल है तो वह मैत्री भाव है। स्वार्थ सभी दुर्गुणों को ले आता है। सभी अवगुणों का मूल स्वार्थ है। स्वार्थ के लिए जो जीता है उसके जीवन का कोई महत्व नहीं है। जो मैत्रीभाव, दूसरों की भलाई की भावना वाला है, उसको सब चाहेंगे। बाकी तो प्रवृत्ति अवसर आए तब करनी होती है, परंतु भाव 24 घंटे कर सकते हैं। सबसे पहले उपकारी के प्रति मैत्री भाव करना है। बाह्य परिस्थिति हम सुधार नहीं सकते परंतु अपने मन को सुधारना है। मैत्री भाव करना है। अपनी लालसा को पूर्ण करना वह स्वार्थ है और भलाई करना मैत्री भाव है। मैत्री भाव में दूसरों के हित की, दुसरों के भलाई की चिंता होती है।

समस्त लोक में ज्ञान के समान कोई भी पवित्र वस्तु नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में धर्मसभा को संबोधित करते हुए साध्वी श्री धर्मप्रभा जी ने कहा कि ज्ञान आत्मा का प्रकाश हैं। समस्त लोक में ज्ञान के समान कोई भी पवित्र वस्तु नहीं है। महाबीर प्रभु ने आत्म साधना के लिए सम्यक ज्ञान को परम आवश्यक माना है। ज्ञान आत्मा की ज्योति है। पहले ज्ञान फिर क्रिया- आचरण स्वयं वी-तराग तीर्थकर जिनेश्वर कैवल्य ज्ञान की प्राप्ति हो जाने के तत्पश्चात ही परोपकार की भावना से उपदेशामृत की वर्षा करते है। केवलज्ञान के प्रकाश को सूर्य के प्रकाश से भी अधिक प्रकाशवान बताया है। क्योंकि सूर्य तो सीमित क्षेत्र, मृत्युलोक को ही प्रकाशित करता है, किन्तु केवलज्ञान त्रिलोक को प्रकाशित करता है। सूर्य राहु के द्वारा ग्रस जाता है, बादलों के द्वारा ढक जाता है और सूर्य सुबह उदय होने के पश्चात शाम को अस्त हो जाता है। परन्तु केवलज्ञान को ग्रहण नहीं लगता, न बादल ढक सकते है नहीं अस्त होता है। ज्ञान से रहित किया गया कर्म अनैतिक होता है। उन्होंने कहा कि ज्ञान श्रद्धावान सरल व विनीत को ही प्राप्त होता है। साध्वी ने एक प्रेरक प्रसंग के माध्यम से बताया कि पूर्ण समर्पित होकर निरन्तर अभ्यास करने से मूर्ख भी विद्वान बन जाता हैं। विद्या भी विनय से शोभा पाती हैं। प्रारंभ में साध्वी स्नेहप्रभा जी ने कहा कि ज्ञान आत्मा का दर्पण हैं। जब हृदय में ज्ञान का दीपक जगमगाने लगता है तब हृदय से कषाय का अंधकार दूर हटने लगता है। मन परम शांति का अनुभव करने लगता है। जिस प्रकार फलदार वृक्ष फल आने पर झुक जाते हैं। वैसे ही आत्मा भी ज्ञान रूपी फल लगने पर विनम्र यानि अहंम भाव से रहित हो जाता है। ज्ञान का परम फल है विरति और विरति का सर्वोत्कृष्ट है मोक्ष धाम। संचालन सहमंत्री रमेश गुंदेचा ने किया।

चित्त समाधि शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा साध्वी श्री सिद्ध प्रभा जी के पावन सानिध्य में चित्त समाधि शिविर का आयोजन तेरापंथ भवन में किया गया। शिविर का शुभारंभ साध्वी के मुखारविंद से नमस्कार महामंत्र के द्वारा हुआ। तत्पश्चात वरिष्ठ बहनों द्वारा मंगलाचरण का संगान किया गया। अध्यक्ष मंजू गादिया ने वक्तव्य द्वारा सभी का स्वागत अभिनंदन किया। साध्वी सिद्ध प्रभा जी ने विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से विषय की प्रस्तुति देते हुए समाधि में रहने के विभिन्न सूत्र बताते हुए कहा कि व्यक्ति को अपनी सोच सकारात्मक रखनी चाहिए।

समय के साथ-साथ खानपान रहन-सहन में परिवर्तन लाते हुए शरीर को ढालना चाहिए। व्यक्ति सार्थक जीवन जीने का अभ्यास करते हुए संवेगों पर नियंत्रण करना सीखे तथा अनावश्यक चिंतन छोड़कर सहिष्णुता के गुण का विकास करें। साध्वी मलय यशा जी ने सामाजिक दायित्व का निर्माण करते हुए चित्र समाधि में कैसे रहे, इसके लिए सूत्र दिया कि पहले तोलो, फिर बोलो। साध्वी आस्था प्रभा जी ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि चित्त समाधि का अर्थ है हमारी चेतना समता में लीन रहे। इसके लिए उन्होंने मंगल भावना के साथ घ्यान का प्रयोग तथा योगाभ्यास एवं शारीरिक क्रियाओं का अभ्यास करवाया। शारीरिक ऊर्जा के विकास के लिए हंसने का प्रयोग करवाया। साध्वी दीक्षा प्रभा जी ने अपने वक्तव्य में कहा आज हर व्यक्ति को सभी चीजों में आनंद की अनुभूति चाहिए। वह आनंद बाहरी चीजों में खोज रहा हैं, जबकि वास्तविक आनंद वह स्वयं अपने भीतर समेटे हुए हैं। उसे खोजना है और इसके लिए हमें अपना दृष्टिकोण बदलना पड़ेगा।

अतीत में घटी बुरी घटनाओं से बाहर निकल कर वर्तमान में हमारे साथ जो अच्छा हो रहा है उसमें जीना है।

कार्यक्रम में विगत वर्ष तत्व ज्ञान एवं तेरापंथ दर्शन की परीक्षा देने वाले परीक्षार्थियों का सम्मान मंडल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मंत्री दीपिका गोखरू, पदाधिकारी एवं लगभग 45 बहनों की उपस्थिति रही।

संतों के संदेश को जीवन में उतारें: राजेशमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शांतिनगर स्थित लुणावत स्थानक भवन में राजेश मुनि ने प्रवचन में फरमाया कि संतों के मुंह से धर्म के बोल सुनकर हृदय में उतारने से जीवन को सफल बनाया जा सकता है। ज्ञान को सिर्फ सुनें नहीं, हृदय में उतारें। ज्ञान के माध्यम से मन को विकारों से मुक्त किया जा सकता है। श्रद्धा, भक्ति और समयकत्व के सहारे पाप के मैल को धोया जा सकता है। मुनि ने फरमाया कि इंद्रियों, कषायों और मन पर विजय पाए बिना कर्मों के बंधन से मुक्ति नहीं मिल सकती। विकारों से मुक्त हुए बिना जीव भव भ्रमण में भटकता रहेगा और आवागमन से मुक्त नहीं हो पाएगा। सिद्ध गति को पाने के लिए हमें अहंकार को जड़ से उखाड़ फेंकना होगा। आत्मज्ञान के सहारे ही मन को साफ सुथरा रखकर, विषय वासनाओं से बचाया जा सकता है। हमें अपनी असली पहचान की दिशा में पुरुषार्थ करना होगा। इसके पहले ऋषभ मुनि ने कहा कि भगवान करुणा के सागर, पापों से रहित और स्वयं आनंदित रहने वाले हैं। जिनके जीवन में राग द्वेष और विकारों का कोई स्थान नहीं, उन्हें किसी भी नाम से पुकारो, वे भगवान हैं। संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने धर्मसभा का संचालन किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक राज्य वोकल्लिंगा हित रक्षण परिषद बेंगलूरु एवं राज्य युवा चेतना युवा जन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में कब्बन पार्क स्थित एनजीओ सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत को सम्मानित किया गया। इस मौके पर परिषद के अध्यक्ष नंदी दुर्गा, बालू गौड़ा और अन्य सदस्य एवं विद्यार्थी मौजूद थे।

कोई भी कार्य विनय भाव से करो: डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ वरुणमुनि ने कहा कि जीवन में कोई भी कार्य करो विनय भाव से करो। अभिमान ऐसा पत्थर है जो जीवन की नौका को डूबो देता है। अभिमान को जीतने का एकमात्र उपाय है विनय भाव। विनम्रता भी चंदन की तरह है जिसके दो गुण होते है। एक सुगंध और दूसरा शीतलता। विनम्रता भी हमारे जीवन में सुगंध और शीतलता प्रदान करती है। जिस तरह चंदन और चंद्रमा किरणे शीतलता देती है शांति प्रदान करती है उसी तरह विनम्रता जिस व्यक्ति के जीवन में आ जाती है वह व्यक्ति लोकप्रिय सर्वप्रिय बन जाता है। उन्होंने कहा शिष्य दो प्रकार के होते है - विनीत और अविनीत। विनीत शिष्य विनयवान और अविनीत शिष्य अहंकारी होता है। अविनीत शिष्य अहंकारी और अभिमानी होते है। विनीत शिष्य विवेकवान और शांत स्वभावी होते है। जिनके जीवन में विनम्रता के गुण आ जाते है उनके जीवन में सारी सिद्धि प्राप्त हो जाती है। विनीत शिष्य हंस के समान होते है जो सार को लेकर असार को छोड़ देता है। विनीत शिष्य भी अच्छें को ग्रहण कर बुरे को छोड़ देते है। विनय के द्वारा प्राप्त किया गया ज्ञान फलदायी होता है और अभिमान से प्राप्त किया हुआ ज्ञान पतन की ओर ले जाता है। जीवन में विनम्रता का पानी बहता रहेगा तो ज्ञान की खेती फलती फूलती रहेगी। इसलिए नरक की ओर ले जाने वाले अभिमान का त्याग कर विनय को जीवन में अपनाना चाहिए। विनय से ही अहंकार का नाश किया जा सकता है। रूपेशमुनि ने गुरु स्तवन की प्रस्तुति दी और अंत में पंकजमुनि ने मंगलपाठ प्रदान किया। अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया ने आभार व्यक्त किया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

पानी-हवा- मिट्टी सभी में प्रदूषण बढता जा रहा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गणेश बाग में विराजित श्री शिविराचार्य विनय मुनि जी खींचन ने आवश्यक सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि जीवन में वैभवीकरण की रुचि रखने वालों में अनर्थ दण्ड रूपी अव्रत की सेवन बहुत ज्यादा होती है। पशुपक्षी मानव समाज जिसको जितनी जरूरत है, उतनी मात्रा के लिए पुरुषार्थ करते है, उसे अर्थ- प्रयोजन मानी गई है। जिस प्रकार जब जब साधनों का अभाव रहता है तब वह साधनों का सीमित और अर्थरूप ही प्रयोग लिये जाते है। वर्तमान के इस युग में भौतिक विकास के नाम पर साधनों की प्रचुरता भयानक रूप अति प्रयोग से बढ़ी है तभी तो पानी-हवा- मिट्टी सभी में प्रदूषण बढता जा रहा है। आगामी भावी में पानी के लिए देशों में लड़ाईयां होंगी, ऐसा दुनिया में कहा जा रहा है। अति प्रदूषण मय हवा पानी- जमीन खाद्य पदार्थों में रासायनिकता की मात्रा बढ़ी है। साधनों का अति प्रयोग इंसान कर रहा है, वह साधनों का गुलाम तो नहीं हो रहा है। विशेष रूप से रायचूर से राजेश कांकरिया सपरिवार और चेन्नई से प्रसन्न चंद छाजेड भी उपस्थित रहे। संघ महा मंत्री संपत राज मांडोत ने सभी का स्वागत किया।

43वां राष्ट्रीय व्यापारी दिवस मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक हौजरी एंड गारमेंट एसोसिएशन की कार्यकारिणी ने भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल दिल्ली के पदाधिकारियों पहाड़सिंह राज पुरोहित, राष्ट्रीय सलाहकार एवं अध्यक्ष कर्नाटक, सज्जन राज मेहता, राष्ट्रीय संगठन मंत्री, दिलीप कुमार जैन, राष्ट्रीय महासचिव की उपस्थिति में 43वां राष्ट्रीय व्यापारी दिवस मनाया। दिल्ली में भी यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। खागा के अध्यक्ष प्रकाश भोजाणी ने स्वागत किया और मंत्री कैलाश बालर ने सभा का संचालन किया।

कोषाध्यक्ष की अनुपस्थिति में उनकी तरफ से पूर्व कोषाध्यक्ष छगनलाल जैन ने हिसाब किताब प्रस्तुत किया। राजपुरोहित ने व्यापारियों को व्यापारी दिवस की शुभकामनाएं संप्रेषित कर मंडल की

गतिविधियों से अवगत कराया। मेहता ने खागा और व्यापार मण्डल के संयुक्त कार्यक्रम की जानकारी साझा की। उपाध्यक्ष पदमसिंह राजपुरोहित, उगमराज काँटेड, सहमंत्री जोगेश जैन, कार्यकारिणी सदस्य राजेश खेड़ा, विकास जैन, प्रकाश कुमार, राजू सिंह, गौरव शर्मा, चम्पालाल जैन, राजेश बंदामुथा ने भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल, दिल्ली के पदाधिकारियों का स्वागत किया। प्रकाश भोजाणी ने अक्टूबर में आमसभा और नूतन कार्यकारिणी के चुनाव की घोषणा की।

मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर

भाजपा-जेडीएस का मैसूरु चलो मार्च सातवें दिन भी रहा जारी

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।
संयुक्त विपक्षी दल भाजपा और जद(एस) ने शुक्रवार को मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) साइट आवंटन घोटाले को लेकर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस्तीफे की मांग करते हुए अपना विरोध मार्च जारी रखा। सप्ताह भर चलने वाले बेंगलूरु-मैसूरु पदयात्रा (पैदल मार्च) का उद्देश्य सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती सहित मुडा द्वारा भूमि खोने वालों को कथित धोखाधड़ी से साइट आवंटित करने के मामले को उजागर करना है।

मैसूरु चलो विरोध मार्च का सातवां दिन मांड्या जिले के श्रीरंगपटना से शुरू हुआ और 10 किलोमीटर की दूरी तय की। यह तब हो रहा है जब कांग्रेस ने सिद्धरामैया के समर्थन में और विपक्ष के आरोपों और उनके पैदल मार्च का मुकाबला करने के लिए मैसूरु के महाराजा कॉलेज ग्राउंड में एक विशाल जनांदोलन सम्मेलन आयोजित किया। भाजपा-जद(एस) शनिवार को मैसूरु पहुंचकर एक विशाल रैली आयोजित कर अपना विरोध मार्च समाप्त करने वाले हैं। मार्च के दोबारा शुरू होने पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी वाई विजयेंद्र, पूर्व उपमुख्यमंत्री सी एन अश्वथ नारायण, भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव और एमएलसी सीटी रवि, दोनों पार्टियों के कई विधायक, नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। दोनों पार्टियों के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और नेता ढोल-नगाड़ों की आवाज के बीच सिद्धरामैया और कांग्रेस सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए मार्च करते देखे गए। मार्च जिस जगह से गुजरा, वहां दोनों पार्टियों के झंडे, बैनर और कई जगहों पर प्रमुख नेताओं की तस्वीरें लगी हुई थीं। 3 अगस्त को बेंगलूरु के पास केंगेरी से शुरू हुआ यह मार्च पहले दिन बिदादी तक 16 किलोमीटर, दूसरे दिन केंगल तक 22 किलोमीटर, तीसरे दिन निदाघट्टा तक 20 किलोमीटर, चौथे दिन मांड्या शहर तक 20 किलोमीटर, पांचवें दिन टुबिनाकेरे तक 16 किलोमीटर और छठे दिन श्रीरंगपटना तक 17 किलोमीटर की दूरी तय की गई। मुडा घोटाले में यह आरोप लगाया गया है कि सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती को मैसूरु के एक पॉश इलाके में प्रतिपूरक भूखंड आवंटित किया गया था, जिसका संपत्ति मूल्य उनकी भूमि के स्थान की तुलना में अधिक था, जिसे मुडा द्वारा अधिग्रहित किया गया था।

विभिन्न मंदिरों में नाग पंचमी भक्तिपूर्वक मनाई गई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
नाग पंचमी के अवसर पर शुक्रवार को महिलाओं और बच्चों सहित सभी ने श्रद्धापूर्वक नाग देवता को दूध छिड़ककर नाग पंचमी मनाई। कुक्के सुब्रमण्येश्वर मंदिर, डोड्डाबल्लापुर में घाटी सुब्रमण्य, केंगेरी में मुक्तिनाग मंदिर सहित विभिन्न नागा मंदिरों में नाग पंचमी भक्तिपूर्वक मनाई गई। श्रावण माह में नागपंचमी पर कुक्केसुब्रमण्य में विशेष पूजा की जाती है। नाग पूजा और मंडला पूजा में देशभर से श्रद्धालु शामिल हुए। राजधानी बेंगलूरु के कई मंदिरों में भी नागराधना का आयोजन किया गया। नागपंचमी के अवसर पर कडु मल्लेश्वर मंदिर परिसर में महिलाओं ने नागदेव की पूजा-अर्चना की। राज्य के अधिकांश हिस्सों में यह त्यौहार बहुत ही अनोखे ढंग से मनाया जाता है। इनमें उत्तरी कर्नाटक में नाग पंचमी का विशेष महत्व है। कई स्थानों पर जाकर मंदिरों में नागरकल्लू और खेतों में हुट्टा की पूजा-अर्चना कर नाग पंचमी मनाई गई। बेंगलूरु, मैसूरु, चिकबल्लापुर, हावेरी, हुब्बल्ली-धारवाड़, कलबुर्गी, रायचूर में नाग पंचमी बड़े उत्साह से मनाई गई। नाग देवता को विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया गया। भारी बारिश के बावजूद महिलाएं मंदिरों में गईं और पूजा की। उत्तरी कर्नाटक में नाग पंचमी तीन दिनों तक मनाई जाती है। पहले दो दिन घर पर पंचमी मनाई जाती है और तीसरे दिन मंदिरों में जाकर विशेष पूजा की जाती है। कलियुग में भगवान मानव आंखों से दिखाई नहीं देते, उनकी पूजा मूर्तियों, प्रतिमाओं, छवियों के रूप में की जाती है। लेकिन नागदेव हमारी आंखों को छवि, प्रतिबिम्ब के रूप में ही दिखाई देते हैं। इसलिए प्रत्यक्ष देव की पूजा को पहली प्राथमिकता दी जाती है।

केआरएस का किया दौरा

शिवकुमार ने प्रस्तावित मनोरंजन पार्क और माईशुगर फैक्ट्री का किया निरीक्षण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने केआरएस में वृंदावन गार्डन में प्रस्तावित मनोरंजन पार्क और माईशुगर फैक्ट्री के मुद्दे पर अधिकारियों के साथ चर्चा की। मांड्या जिले के प्रभारी मंत्री एन चेलुवरायस्वामी और कावेरी नीरावरी निगम के अधिकारियों के साथ डीसीएम ने शुक्रवार को श्रीरंगपटना तालुक में कृष्णराज सागर (केआरएस) बांध का दौरा किया और वृंदावन गार्डन के पास मनोरंजन पार्क की स्थापना के लिए परिसर का निरीक्षण किया। बाद में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए शिवकुमार ने कहा कि अधिकारियों के साथ इस बात पर चर्चा हुई कि मांड्या में मौजूदा माईशुगर फैक्ट्री को बनाए रखा जाए या नई फैक्ट्री स्थापित की जाए। स्थानीय विधायकों ने मौजूदा फैक्ट्री के लिए आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने के सुझाव दिए हैं। इस संबंध में निर्णय लिया जाएगा। गन्ने की पेराई क्षमता बढ़ाकर 5,000 टन की जाएगी। तकनीकी टीम ने इसके लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने का सुझाव दिया है। डिस्टिलरी के विकास और

अन्य पर बाद में निर्णय लिया जाएगा। वाराणसी में गंगा आरती की तर्ज पर कावेरी आरती के बारे में बताते हुए शिवकुमार ने कहा कि निर्वाचित प्रतिनिधियों और अधिकारियों की एक टीम अध्ययन यात्रा करेगी और बाद में इसे लागू करेगी। वृंदावन गार्डन के पास कावेरी मनोरंजन पार्क के बारे में उन्होंने कहा कि हमारी विरासत के अनुसार उपलब्ध 200 एकड़ जमीन पर पार्क विकसित किया जाएगा। इसकी घोषणा बजट में की गई है। इस पर 2,000 करोड़ रुपये का अनुमान है। कुछ किसान संगठनों द्वारा विरोध किए जाने वाले प्रोजेक्ट पर शिवकुमार ने कहा कि वे इस पर उनके सुझाव लेंगे। तमिलनाडु को छोड़े गए कावेरी जल पर टिप्पणी करते हुए शिवकुमार ने कहा हमें 50 टीएमसी-फीट पानी छोड़ना था, लेकिन 96 टीएमसी-फीट अतिरिक्त पानी छोड़ा गया है। तमिलनाडु में पहले ही 140 टीएमसी-फीट से अधिक पानी बह चुका है। ऐसी जानकारी है कि तमिलनाडु में मेट्टूर बांध से समुद्र में अतिरिक्त पानी छोड़ा जा रहा है। मैंने जिले में झीलों और तालाबों को भरने का निर्देश दिया है और यह काम प्रगति पर है। केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, जिसमें उन्होंने कांग्रेस नेताओं से तमिलनाडु सरकार को मेकेदातु परियोजना के लिए मनाने के लिए कहा था, उन्होंने कहा हमें परियोजना के लिए अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं है। हम कानून के अनुसार लड़ेंगे और मंजूरी लेंगे। मैंने इस संबंध में केंद्रीय कृषि मंत्री से मुलाकात की है और उनसे बैठक बुलाने का अनुरोध किया है।

जनांदोलन में भाजपा-जेडीएस के खिलाफ गरजे कांग्रेस नेता

मुडा घोटाले में मेरी कोई भूमिका नहीं, मै झूठे आरोपों से नहीं डरता : सीएम सिद्धरामैया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी ने विपक्षी दलों को मैसूरु में आयोजित विशाल जनांदोलन सम्मेलन में शक्ति प्रदर्शन की धमकी देते हुए भाजपा-जेडीएस गठबंधन दलों को चेतावनी दी है कि वे घोटालों को उजागर करेंगे और उन्हें दंडित करेंगे। दावणगेरे में आयोजित मुख्यमंत्री सिद्धरामैया-75 की तर्ज पर मैसूरु के महाराजा कॉलेज मैदान में आयोजित कांग्रेस जन आंदोलन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और विधायकों समेत कई नेताओं ने विपक्षी भाजपा-जेडीएस की आलोचना की। सीएम सिद्धरामैया के परिवार के खिलाफ सुनाई दे रहे मुडा कांड को लेकर वे बेंगलूरु से मैसूरु तक मार्च कर रहे हैं। शनिवार को मैसूरु में एक बड़ा सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। वैकल्पिक तौर पर शुक्रवार को मैसूरु में सीएम सिद्धरामैया का शक्ति प्रदर्शन हुआ।

सिद्धरामैया ने अपने ऊपर लगे गंभीर आरोपों का करारा जवाब दिया और भाजपा-जेडीएस के कार्यकाल में हुए घोटालों का पर्दाफाश करने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा मुडा घोटाले में मेरी कोई भूमिका नहीं है। मैं विपक्ष के झूठे आरोपों से नहीं डरता। हम सरकार को अस्थिर करने की कोशिश करने से नहीं हिचकिचाएंगे। उन्होंने गरजते हुए कहा कि हम जनसमर्थन की लड़ाई के साथ-साथ कानून की लड़ाई

भी लड़ेंगे। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने दोनों पार्टियों पर जमकर निशाना साधा। विपक्ष चाहे कितनी भी कोशिश कर ले, वह हमारी मजबूत सरकार को हिला नहीं सकता। उन्होंने कहा कि हमारी पूरी कैबिनेट सीएम के समर्थन में चट्टान की तरह खड़ी रहेगी। कांग्रेस के पास 136 विधायक हैं। आप इस भ्रम में हैं कि हम दस महीने में इस सरकार को हिला देंगे। 10 साल भी हिला नहीं सकते। उन्होंने कहा कि आपकी पाप तीर्थयात्रा से हमें ताकत मिली है। एस.एम.कृष्णा ने कावेरी के लिए ट्रैकिंग की थी। हम मेकेदातु योजना की ओर बढ़े। राहुल गांधी ने भारत जोड़ों कार्यक्रम में हिस्सा लिया और लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने सवाल किया कि आपकी पदयात्रा क्यों चल रही है। डीके शिवकुमार ने गरजते हुए कहा कि मुडा कांड, जो हुआ ही नहीं, उस पर सीएम से इस्तीफा मांगने का आपका खेल नहीं चलेगा। इससे पहले समाज कल्याण मंत्री एससी महादेवप्पा ने कहा कि संविधान की इच्छाओं को नहीं जानने वाली भाजपा-जेडीएस राज्य सरकार के खिलाफ एक राजनीतिक साजिश रची है, जिसकी हम कड़ी निंदा करते हैं। जब आप सरकार में थे तो जमीन के बदले जमीन दी गयी। जमीन आवंटन के मामले में मुडा ने जरूर कुछ गलत किया है, इसमें मुख्यमंत्री की कोई गलती नहीं है। उन्होंने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि सिद्धरामैया जो एक लोकप्रिय कार्यकर्ता हैं, उनके बारे में झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली ने कहा कि मुडा मामले में मुख्यमंत्री के खिलाफ भाजपा-जेडीएस पर आरोप लगाकर सरकार ने कांग्रेस पार्टी और सिद्धरामैया को ताकत दी है। इस सम्मेलन से 20 साल पुराने मामले को अनावश्यक रूप से सामने लाने और प्रशासन में परेशानी पैदा करने को और बल मिला है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि वह विपक्षी दल के पद को भी जवाबदेह नहीं ठहरा रहे हैं। ऊर्जा मंत्री केजे जॉर्ज ने कहा कि सिद्धरामैया, जो एक वफादार और बेदाग शासक हैं, उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों में कोई सच्चाई नहीं है।

बहन को जमीन दान देना कैसे गैरकानूनी

उन्होंने सवाल किया कि अपनी बहन को जमीन दान देना कैसे गैरकानूनी होगा। पशुपालन मंत्री के. वेंकटेश ने कहा कि वे हमारी सरकार को गिराने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम इसके खिलाफ एकजुट होकर लड़ेंगे। मंच पर मंत्री, विधायक, विधान परिषद सदस्य, जिला कांग्रेस अध्यक्ष, निगम अध्यक्ष समेत 300 से ज्यादा नेता थे। इसी अवसर पर मुख्यमंत्री के खिलाफ आरोपों पर मुख्यमंत्री के कानूनी सलाहकार और विधायक पोन्नना द्वारा लिखित सत्यशोधन रिपोर्ट जारी की गई। केपीसीसी द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में मैसूरु और आसपास के क्षेत्रों और राज्य के विभिन्न हिस्सों से हजारों कार्यकर्ता शामिल हुए।

मोदी कल कर्नाटक में विकसित नारियल और कोको की दो नई किस्में करेंगे जारी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को आईसीएआर-केंद्रीय रोपण फसल अनुसंधान संस्थान (सीप-ीसीआरआई), कासरगोड द्वारा विकसित नारियल और कोको की दो नई किस्मों को जारी करेंगे। इसका अनावरण नई दिल्ली में भारत रत्न सी सुब्रमण्यम ऑडिटोरियम, एनएएससी कॉम्प्लेक्स में होगा। ये किस्में आईसीएआर द्वारा विकसित 109 फसल किस्मों का हिस्सा होंगी, जिन्हें प्रधानमंत्री जारी करेंगे। जारी की जाने वाली किस्मों में नारियल की किस्में- कल्पा सुवर्णा और कल्पा शताब्दी, और दो कोको की किस्में वीटीएल सीएच1 और वीटीएल सीएच2 शामिल हैं।

सीपीसीआरआई, कासरगोड की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि कल्पा सुवर्णा एक बौनी, उच्च उपज देने वाली, दो-हरे उद्देश्य वाली नारियल की किस्म है, जिसके फल हरे रंग के, आयताकार होते हैं, जिसमें मीठा कोमल नारियल पानी और अच्छी गुणवत्ता वाला खोपरा होता है। यह जल्दी फूलने वाली किस्म है (रोपण के 30-36 महीने बाद), जो कोमल नारियल पानी और खोपरा उत्पादन के लिए प्रसंस्करण के लिए उपयुक्त है। अच्छे प्रबंधन के तहत यह किस्म 108-130 नट/ताड़/वर्ष पैदा करती है और इसे केरल और कर्नाटक में खेती के लिए अनुशंसित किया जाता है। कल्प शताब्दी एक लंबी, दोहरे उद्देश्य वाली नारियल की किस्म है, जिसके फल बड़े होते हैं, यह खोपरा और कोमल अखरोट उत्पादन के लिए उपयुक्त है। यह हरे-पीले रंग के फलों के साथ अधिक मात्रा (612 एमएल) में अच्छी गुणवत्ता वाले कोमल अखरोट के पानी को पैदा करता है। इसमें उच्च खोपरा सामग्री (273 ग्राम) होती है। यह किस्म अच्छे प्रबंधन के तहत 105-148 नट/ताड़/वर्ष पैदा करती है और केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में खेती के लिए उपयुक्त है।

इस बीच, वीएलटीसीएच-1 एक जल्दी फल देने वाली, स्थिर, उच्च उपज देने वाली कोको हाइब्रिड है, जो मध्यम छतरी के साथ, सुपारी और नारियल दोनों छाया में, उच्च घनत्व वाले रोपण के लिए उपयुक्त है। 15-18 मीटर 2 छतरी में सूखी फलियों की उपज 1.5 - 2.5 किलोग्राम/पेड़/वर्ष है। 1-1.10 ग्राम वजन के साथ फलियाँ अंतर्राष्ट्रीय मानक की हैं, 13 प्रतिशत शेलिंग, 87 प्रतिशत निब रिकवरी और 50 प्रतिशत वसा के साथ चॉकलेट उद्योग के लिए प्रसंस्करण मूल्य है। इसमें 1 प्रतिशत मुक्त फैटी एसिड भी होता है तथा यह आयरन और जिंक से भरपूर होता है। यह काली फली सड़न और चाय मच्छर बग के संक्रमण को सहन कर सकता है, और कम नमी के तनाव को सहन कर सकता है और केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में खेती के लिए उपयुक्त है।

अपमानजनक फ्लेक्स बोर्ड के खिलाफ प्रदर्शन करने पर जेडीएस नेता गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पूर्व मंत्री एस.आर. महेश और पूर्व मेयर रविकुमार समेत जनता दल (सेक्युलर) के नेताओं को शुक्रवार को मैसूरु में पुलिस ने फ्लेक्स बोर्ड के प्रदर्शन के खिलाफ प्रदर्शन करने पर गिरफ्तार किया, जिसमें कथित तौर पर पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के परिवार को बदनाम किया गया था। एस.आर. महेश और रविकुमार के नेतृत्व में जेडी(एस) कार्यकर्ताओं का एक समूह मैसूरु में प्रचार सामग्री के प्रदर्शन के खिलाफ विरोध करने के लिए मेट्रोपोल सर्किल पर एकत्र हुआ। जेडी(एस) नेता उन फ्लेक्स बोर्ड का जिक्र कर रहे थे, जो मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस्तीफे की मांग को लेकर भाजपा

और जेडी(एस) गठबंधन की बेंगलूरु से मैसूरु तक पदयात्रा का मुकाबला करने के लिए सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी की जनांदोलन रैली के सिलसिले में मैसूरु में लगाए गए थे। पुलिस जेडी(एस) नेताओं और उनके समर्थकों को मेट्रोपोल सर्किल से सीएआर ग्राउंड ले गई। विधानसभा में जेडीएस के नेता सुरेश बाबू और टी. नरसीपुरा के पूर्व विधायक अश्विन कुमार अपने पार्टी सहयोगियों की गिरफ्तारी का विरोध करने के लिए सीएआर मैदान में गए। उन्होंने पुलिस से उनकी गिरफ्तारी के लिए स्पष्टीकरण मांगा। पुलिस ने बताया कि शांति और व्यवस्था को खतरा होने के कारण उन्होंने प्रदर्शनकारियों को वहां से हटाया।

मुख्यमंत्री के घर जाने का समय करीब: येदियुरप्पा

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने सीएम सिद्धरामैया पर हमला बोलते हुए कहा कि कौन संन्यास लेगा और आगे क्या होगा यह समय ही बताएगा। भाजपा और जेडीएस की पदयात्रा में हिस्सा लेने मैसूरु पहुंचे येदियुरप्पा ने चामुंडेश्वरी का दौरा किया और फिर पत्रकारों से बात की। सिद्धरामैया ने मेरे रिटायरमेंट की बात कही है, बाद में क्या होगा पता चलेगा। जब वह रिटायर होते हैं तो दूसरे के बारे में बात करना उनके लिए स्वाभाविक है। वे अब अंधाधुंध बातें कर रहे हैं। हमारे महासम्मेलन में तीन लाख से अधिक लोग भाग लेंगे। इस पदयात्रा को लोगों का अच्छा प्रतिसाद मिला है। हम भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए मार्च कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोग सरकार के खिलाफ आक्रोश व्यक्त कर रहे हैं। पॉक्सो मामले में जब कोर्ट का फैसला आएगा तो सब कुछ सामने आ जाएगा। तब तक मैं कुछ नहीं कहूंगा। उसके बाद सिद्धरामैया को जवाब मिलेगा। उन्होंने कहा कि लोग तय करेंगे कि वह हताश मूड में हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है लेकिन उन्होंने अपनी पत्नी

को बहुमूल्य साइटें दी हैं। इससे पहले सत्य की जीत होगी, इस बात पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने विश्वास व्यक्त किया था कि राज्यपाल थावर चंद गहलोत मुडा घोटाले पर उनके द्वारा जारी किए गए कारण बताओ नोटिस के कांग्रेस सरकार के जवाब को स्वीकार करेंगे। सिद्धरामैया ने दावा किया कि सरकार ने कथित मुडा घोटाले पर पूरी तरह से कानून के अनुसार काम किया है और यह स्पष्ट किया कि उन्होंने मुडा साइटों के वितरण में किसी भी तरह से हस्तक्षेप नहीं किया है। उन्होंने स्पष्ट किया मेरी पत्नी को 2021 में ही कानून और नियमों के अनुसार साइटें आवंटित की गई थीं, जब राज्य में भाजपा सत्ता में थी और मेरे द्वारा किसी भी तरह का दबाव डालने का कोई सवाल ही नहीं है। मुख्यमंत्री ने बताया कि उनकी पत्नी ने 2014 में मुडा के लिए वैकल्पिक साइटों के लिए आवेदन किया था, जब वह मुख्यमंत्री थे, क्योंकि उनकी संपत्ति मुडा द्वारा अवैध रूप से अधिग्रहित की गई थी। उन्होंने कहा मैंने तब इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार को अस्थिर करने की रणनीति के तहत भाजपा और जेडीएस ने उन पर आरोप लगाना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा ऑपरेशन कमल के जरिए सरकार गिराने की उनकी कोशिशें सफल नहीं होने से भाजपा-जेडीएस हताश हैं।

पॉस्को मामले में आरोपी बनाया जाना शर्मनाक

उन्होंने भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा पर आरोप लगाया कि वे बुढ़ापे में पॉस्को मामले में फंसकर सार्वजनिक जीवन से संन्यास ले रहे हैं। उन्होंने कहा 82 साल की उम्र में पॉस्को मामले में आरोपी बनाया जाना शर्मनाक है। उन्हें मेरे खिलाफ बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है और अगर उनमें कोई नैतिकता है तो उन्हें सार्वजनिक जीवन से संन्यास ले लेना चाहिए। सिद्धरामैया ने कहा कि येदियुरप्पा के खिलाफ 20 से अधिक मामले हैं और उन्होंने जल्द ही इसका ब्योरा देने का वादा किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि येदियुरप्पा ने सत्ता में रहते हुए चेक के जरिए रिश्वत ली थी और अवैध रूप से जमीनों को गैर-अधिसूचित किया था। उन्होंने कहा हमने ऐसी कोई अनियमितता नहीं की है। विपक्षी दल लगातार झूठे आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा आखिरकार सत्य की जीत होगी। वे (भाजपा-जेडीएस) सच को झूठ में नहीं बदल सकते।

भाजपा-जेडीएस की पदयात्रा आज मैसूरू में होगी खत्म

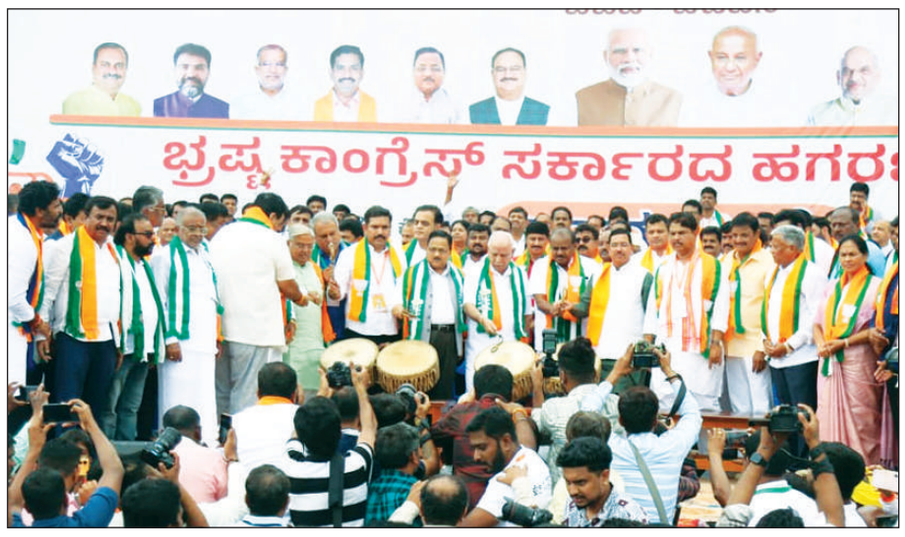

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) भूमि आवंटन घोटाले के लिए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस्तीफे की मांग को लेकर मैसूरु चलो पदयात्रा, जिसमें एनडीए सहयोगी भाजपा और जेडीएस शामिल हुए हैं, शनिवार को समाप्त होगी।

मुडा घोटाले और वाल्मीकि विकास निगम के धन के अवैध हस्तांतरण सहित राज्य कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ 3 अगस्त को भाजपा और जेडीएस ने बेंगलूरु से संयुक्त मार्च शुरू किया था। बेंगलूरु से श्रीरंगपटना तक 100 किलोमीटर की पैदल यात्रा पूरी कर ली है। शनिवार को मैसूरु के महाराजा कॉलेज मैदान में पद यात्रा का भव्य समापन समारोह आयोजित करने की तैयारी की गई है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र, विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक, जेडीएस प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी, जेडीएस युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी और दोनों दलों के नेतृत्व ने पदयात्रा शुरू की। पूरे मार्च के दौरान दोनों दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और घोटालों का आरोप लगाते हुए नारेबाजी की। आए दिन होने वाली खुली बैठकों में दोनों दलों के नेता मुख्यमंत्री और राज्य सरकार पर जमकर बरसे। उन्होंने मुख्यमंत्री से इस्तीफा देने पर जोर देकर संघर्ष तेज कर दिया है। यात्रा को भारी समर्थन मिला है और सहयोगी दलों ने समापन समारोह को मैसूरु में बड़े पैमाने पर आयोजित करने की योजना बनाई है।

गुणानुवाद सभा आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ चिकपेट में शुक्रवार को परम पूज्य गच्छाधिपति आचार्य श्री हेमप्रभसूरीश्वरजी के शिष्यरत्न, वर्तमान गच्छाधिपति आ. श्रीमद विजय श्री विज्ञानप्रभसूरीश्वरजी के आज्ञानुवर्ती श्री निर्मोहप्रभविजयजी और पूज्य साध्वीजी अरिहंतप्रभाश्रीजी की निश्रा में लब्धि की महेर से महकती बेंगलूरु की धन्यधरा पर जैनरत्न व्याख्यान वाचस्पति आचार्य श्रीमद् विजय लब्धिसूरीश्वरजी महाराजा की 63वीं पुण्यतिथि निमित्त गुणानुवाद सभा आयोजित की गई। 96 वर्ष पूर्व दक्षिण की धन्यधरा पर पू. लब्धिसूरि दादा के प्रथम शिष्य मुनि गंभीरविजयजी का पदार्पण बेंगलूरु नगर की भूमि पर हुआ और बेंगलूरु के भाग्य द्वार खुल गए। चिकपेट श्रीसंघ में श्री लब्धिसूरि जैन धार्मिक पाठशाला उसी समय स्थापित हुई थी। उसके बाद अविरत लब्धिसमुदाय के श्रमण श्रमणी संघ के 150 से अधिक चातुर्मास दक्षिण में मिले। यह पाठशाला अभी भी चालू है जिसे 100 वर्ष होने में कुछ ही समय बाकी है। पूज्यश्री की पुण्यतिथि निमित्त चातुर्मास में विराजित गुरुभगवंतों द्वारा पूज्यश्री को याद किया गया, उनके ऋण स्मरण से सभा को भाव विभोर किया। संघ के अध्यक्ष गौतम सोलंकी ने पूज्यश्री के उपकारों का स्मरण करते हुए कहा कि अगर ये गुरुभगवंत न होते तो बेंगलूरु में शायद आज जो हम जिनधर्म देख रहें है वो नहीं देखते।

केंद्र सरकार की सूर्य घर परियोजना में उपभोक्ताओं की कम रुचि

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिलों में घरेलू बिजली उपभोक्ताओं ने प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना में बहुत कम रुचि दिखाई है, जो बिजली के उपयोग में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार की पहल है। दोनों जिलों के 10,26,853 उपभोक्ताओं में से केवल 2,063 ने इस योजना में रुचि दिखाई है। केंद्र सरकार ने इस वर्ष के अपने बजट में 10,000 करोड़ रुपये के अनुदान के साथ एक करोड़ घरों की छतों पर सौर पैनल लगाने की योजना पेश की। इस परियोजना का लक्ष्य हर महीने घरों को 300 यूनिट मुफ्त बिजली प्रदान करना है। दक्षिण कन्नड़, उडुपी, चिकमगलूरु और शिवमोग्गा जिलों को कवर करने वाली मेसकॉम सीमा के भीतर 2,717 आवेदन प्राप्त हुए हैं,

जिनमें से 2,329 को मंजूरी दी गई है। इससे 1,344.33 किलोवाट की संयुक्त क्षमता वाली 317 परियोजनाओं का क्रियान्वयन संभव हो सकेगा। दक्षिण कन्नड़ जिले में 1,314 आवेदनों में से 1,138 को मंजूरी मिल गई है, तथा 198 घरों में सौर पैनल लगाने का काम पूरा हो गया है। उडुपी जिले में 749 आवेदनों में से 658 को मंजूरी मिल गई है, तथा 108 घरों में स्थापना का काम पूरा हो गया है। रूफटॉप सोलर सिस्टम को ग्रिड से जोड़कर उपभोक्ता 25 साल तक बिजली बिल का भुगतान करने से बच सकते हैं। सिस्टम को किसी अतिरिक्त जगह की आवश्यकता नहीं होती है क्योंकि इसे छत पर लगाया जाता है और इसके रखरखाव का खर्च भी न्यूनतम होता है।

गडकरी ने देवेगौड़ा को दिया आश्वासन

अगर कर्नाटक वन भूमि देता है तो शिरडी घाट रोड किया जाएगा विकसित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व प्रधानमंत्री और जेडीएस सुप्रीमो एच डी देवेगौड़ा ने केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की और कर्नाटक में लंबित सड़क परियोजनाओं पर चर्चा की, जिसमें शिरडी घाट रोड का विकास भी शामिल है, जो बेंगलूरु, हासन को तटीय मेंगलूरु से जोड़ने वाली प्रमुख पहुंच सड़कों में से एक है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किए गए एक संदेश में गौड़ा ने कहा मेरी मुलाकात बहुत ही फलदायी रही और शिरडी घाट पर उनका आश्वासन उत्साहजनक था। जेडीएस सुप्रीमो ने कहा कि नितिन गडकरी ने उन्हें बताया था कि राज्य सरकार थोड़ी सी वन भूमि देने को तैयार है। गौड़ा ने कहा उन्होंने (गडकरी ने) मुझे आश्वासन दिया है कि उनका विभाग शिरडी घाट रोड के विकास के लिए कुछ हजार करोड़ रुपये का निवेश करने पर विचार करेगा, जिसमें सुरंग प्रौद्योगिकी भी शामिल होगी। उन्होंने कहा मुझे उम्मीद है कि राज्य सरकार इसे आगे बढ़ाएगी।

क्रूर हत्या के बाद, बीबीएमपी ने पीजी आवास के नियम कड़े किए

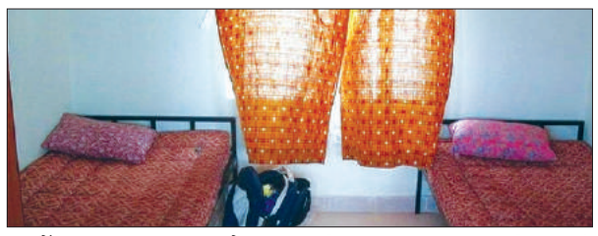

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु में पेइंग गेस्ट (पीजी) आवास के अंदर एक महिला की हत्या के कुछ दिनों बाद, बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) ने अपने अधिकार क्षेत्र में पीजी सुविधाओं के लिए ट्रेड लाइसेंस जारी करने और नवीनीकरण के लिए कड़े दिशा-निर्देश जारी किए हैं। बीबीएमपी अधिनियम 2020 के अनुसार, सभी पीजी को अपने ट्रेड लाइसेंस प्राप्त करने या नवीनीकृत करने के लिए अनिवार्य मानदंडों का पालन करना होगा।

इसमें सभी प्रवेश और निकास बिंदुओं के साथ-साथ गलियारों को कवर करने वाली अनिवार्य सीसीटीवी निगरानी शामिल है, जिसमें 90 दिनों के लिए फुटेज संग्रहीत करने की आवश्यकता है। दिशा-निर्देशों में यह भी अनिवार्य किया गया है कि प्रत्येक रहने वाले को कम से कम 70 वर्ग फीट जगह प्रदान की जानी चाहिए।

अन्य आवश्यकताओं में स्वच्छ शौचालयों का रखरखाव, पर्याप्त पेयजल का प्रावधान और परिसर में 24/7 सुरक्षा गार्ड की उपस्थिति शामिल है। इसके अलावा, लाइसेंस दिए जाने से पहले सुविधाओं को अग्नि सुरक्षा मंजूरी प्राप्त करनी होगी और आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर प्रमुखता से प्रदर्शित करने होंगे। दिशा-निर्देशों में यह भी कहा गया है कि सुविधाओं को अपने अपशिष्ट निपटान के लिए ठोस अपशिष्ट पृथक्करण का पालन करना होगा।

ज्ञातव्य है कि 23 जुलाई को एक 24 वर्षीय महिला की उसके पेइंग गेस्ट (पीजी) आवास में बेरहमी से हत्या कर दी गई। पीजी आवास के सीसीटीवी फुटेज में एक व्यक्ति द्वारा महिला की हत्या करते हुए दिखाया गया है।

बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो: राव

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

विश्व हिंदू परिषद उत्तर प्रांत के उपाध्यक्ष गोवर्धन राव ने कहा कि पड़ोसी बांग्लादेश हिंसा और अराजकता से ग्रसित है। निर्वाचित प्रधानमंत्री के त्यागपत्र देने और देश छोड़ने के बाद अराजक तत्व हावी हो गए हैं और कानून व्यवस्था सर्वथा निष्प्रभावी हो चुकी है। इस अराजक स्थिति में वहाँ के अतिवादी जिहादी तत्वों ने हिंदू समाज का बड़े पैमाने पर उत्पीड़न शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में पिछले कई दिनों से हिन्दू अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थलों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और घरों को नुकसान पहुंचाया गया है। पूरे बांग्लादेश में हर जिले में यह वीभत्स कृत्य होने की सूचना है। कट्टरपंथियों के निशाने से शमशान तक नहीं बचे हैं। मंदिरों को भारी क्षति पहुंचाई गई है। बांग्लादेश में शायद ही कोई जिला बचा हो जो उनकी हिंसा व आतंक का निशाना न बना हो। समय समय पर निरंतर अंतराल पर होने वाले ऐसे दंगों का ही परिणाम है कि बांग्लादेश में हिंदू जो विभाजन के समय 32 प्रतिशत थे, अब 8 प्रतिशत से भी कम बचे हैं और वे भी लगातार जिहादी उत्पीड़न के शिकार हैं।

विहिप उत्तर कर्नाटक प्रांत सह कार्यदर्शी विनायक तलगेरी ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं के घर, मकान, दुकान, ऑफिस, व्यवसायिक प्रतिष्ठान व महिलाएं, बच्चे व उनकी आस्था व विश्वास के केंद्र मन्दिर तक सुरक्षित नहीं हैं।

वहां पीड़ित अल्पसंख्यक हिन्दुओं की हालत बद से भी बदतर होती जा रही है। यह स्थिति अत्यंत चिंतनीय है। उन्होंने कहा कि विश्व समुदाय की यह जिम्मेदारी है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा व उनके मानवाधिकारों की रक्षा के लिए प्रभावी कार्यवाही करें। विहिप हुब्बल्ली महानगर कार्यदर्शी रघु यलकनावर ने कहा कि निश्चय ही भारत इस परिस्थिति में आंखे मूँद कर नहीं रह सकता। भारत ने परंपरा से ही विश्वभर के उत्पीड़ित विस्थापितों की सहायता की है। विश्व हिन्दू परिषद ने भारत सरकार से यह आग्रह किया है कि वह बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठाए। विकट परिस्थिति का लाभ उठा कर जिहादियों द्वारा सीमा पार से घुसपैठ का एक बड़ा प्रयत्न किया जा सकता है। इससे सतर्क रहना होगा। इसलिए हमारे सुरक्षाबलों के लिए यह आवश्यक है कि सीमा पर कड़ी चौकसी बरतें और किसी भी तरह के अतिक्रमण को न होने दें। विहिप हुब्बल्ली महानगर सेवा प्रमुख सुभाष चंद्रा डंक ने कहा कि हमारी कामना है कि बांग्लादेश में शीघ्रातिशीघ्र लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्ष सरकार पुनः स्थापित हो। वहाँ के अल्पसंख्यक समाज को मानवाधिकार मिले और बांग्लादेश की निरंतर हो रही आर्थिक प्रगति में कोई बाधा न आये। भारत का हिंदू समाज और सरकार इस विषय में निरंतर बांग्लादेश के सहयोगी बने रहेंगे। इस दौरान संयुक्त सचिव चेतन राव और सचिन पाटिल सहित अन्य उपस्थित थे।

गलत जानकारी देने पर राजस्व मंत्री ने चन्नपटना तहसीलदार को लगाई फटकार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने चन्नपटना तहसीलदार के कार्यालय का औचक निरीक्षण किया और गलत जानकारी देने वाले तहसीलदार को मौके पर ही फटकार लगाई।

एक साल बीत जाने के बाद भी चन्नपटना के तहसीलदार कार्यालय में ई-ऑफिस लागू नहीं होने से मंत्री नाराज हैं और उन्होंने तहसीलदार नरसिम्हा मूर्ति को आड़े हाथों लिया। ई-ऑफिस के बजाय लोगों की समस्याएं लेजर बुक में दर्ज की जाती हैं। यह बात सामने आई है कि आम लोगों की समस्याओं की किसी भी अपील का निराकरण तहसीलदार कार्यालय में नहीं हुआ है।

हालांकि, तहसीलदार ने गलत जानकारी दी है कि लोगों का आवेदन ई-ऑफिस के माध्यम से भेजा गया है। मंत्री ने तुरंत बही-खाता चेक किया और मौके पर ही तहसीलदार को ई-ऑफिस शुरू करने की बात कही।

एससी-एसटी आरक्षण मुद्दे पर भाजपा के 100 सांसदों ने की पीएम मोदी से मुलाकात

नई दिल्ली, 09 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) से संबंधित लगभग 100 सांसदों ने शुक्रवार को संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस बैठक का उद्देश्य सुप्रीम कोर्ट द्वारा एससी/एसटी कोटे के भीतर क्रीमी लेयर लागू करने के संबंध में दिए गए फैसले पर चर्चा करना था। सांसदों ने प्रधानमंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की कि यह फैसला लागू नहीं किया जाना चाहिए।

सांसदों ने स्पष्ट किया कि उनका विरोध उपवर्गीकरण के खिलाफ नहीं है, बल्कि एससी/एसटी समुदाय के लिए क्रीमी लेयर के प्रावधान के खिलाफ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर कर इस मुलाकात की जानकारी दी और आश्वासन दिया कि एससी/एसटी समुदाय के लिए क्रीमी लेयर का प्रावधान लागू नहीं किया जाएगा।

ज्ञात हो कि सुप्रीम कोर्ट ने बीते हफ्ते एससी/एसटी वर्ग के कोटे में उपवर्गीकरण को मंजूरी दी थी। कोर्ट ने कहा था कि एससी/एसटी कैटेगरी के भीतर नई उपश्रेणियां बनाई जा सकती हैं और इसके तहत अत्यंत पिछड़े तबके को अलग से आरक्षण दिया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा था कि राज्य सरकारें कोटे के भीतर कोटे की अनुमति दे सकती हैं, लेकिन उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि यह निर्णय राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के आधार पर न लिया जाए। यदि ऐसा होता है, तो निर्णय की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर कोई राज्य सरकार किसी जाति को कोटे के अंदर कोटा देती है, तो उस राज्य सरकार को यह साबित करना होगा कि यह पिछड़ेपन के आधार पर ही किया गया है। यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि एससी/एसटी के कुल आरक्षण का 100 प्रतिशत हिस्सा किसी एक वर्ग को न दिया जाए। प्रधानमंत्री के साथ बैठक में शामिल सांसदों ने जोर देकर कहा कि एससी/एसटी समुदाय के लिए आरक्षण का उद्देश्य सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन को दूर करना है। यदि क्रीमी लेयर का प्रावधान लागू किया जाता है, तो यह उन लोगों के लिए नुकसानदायक होगा, जो अभी भी समाज के हाशिए पर हैं। सांसदों ने इस बात पर भी जोर दिया कि एससी/एसटी समुदाय के लिए आरक्षण का उपयोग उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए किया जाना चाहिए, न कि उन्हें और विभाजित करने के लिए। इस मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एससी/एसटी समुदाय के हितों की रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की और आश्वासन दिया कि उनकी सरकार इस मुद्दे पर ध्यान देगी। उन्होंने कहा कि सरकार एससी/एसटी समुदाय के साथ खड़ी है और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाएगी। यह आश्वासन सांसदों और एससी/एसटी समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जो उनके हितों की रक्षा की दिशा में आगे बढ़ने का संकेत है।

राज्यसभा को लोकतंत्र को अस्थिर करने का मंच नहीं बनने दिया जाएगा: धनखड़

नई दिल्ली, 09 अगस्त (एजेंसियां)।

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को कहा कि संसद के उच्च सदन को लोकतंत्र को अस्थिर करने का मंच नहीं बनने दिया जाएगा।

श्री धनखड़ ने राज्य सभा के 265वें सत्र के समापन पर कहा कि वह हर सदस्य का बहुत सम्मान करते हैं और किसी के साथ कोई व्यक्तिगत मुद्दा नहीं है। उन्होंने कहा, यह सुनिश्चित करने के लिए हमारा संकल्प है कि राज्य सभा के पवित्र परिसर को लोकतंत्र को अस्थिर करने की जमीन नहीं बनने दिया जाएगा, यह सभी सदस्यों द्वारा व्यक्त किया गया है, स्वागत योग्य है।

श्री धनखड़ ने सदन में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और भारतीय जनता पार्टी के घनश्याम तिवाड़ी के प्रकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि भोजनावकाश के पश्चात सदन की कार्यवाही तीन बार स्थगित की गई। श्री खड़गे और श्री तिवाड़ी की उपस्थिति में पूरा मामला सौहार्दपूर्ण

ढंग से सुलझा लिया गया था।

उन्होंने कहा, मैंने स्पष्ट रूप से यह विचार मन में रखा कि इस मुद्दे को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल कर दिया गया है और अब इस पर और अधिक विचार करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के सदस्यों ने इस मुद्दे पर फिर बहिर्गमन किया है, जो परेशान करने वाला है। सभापति ने इन सदस्यों से आत्मचिंतन करने, राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य के बारे में सोचने, संविधान के तहत अपनी शपथ पर विचार करने तथा आगामी सत्रों में रचनात्मक तरीके से जोरदार भागीदारी के लिए तैयार होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि श्री तिवाड़ी के साथ इस मुद्दे पर अलग से कोई चर्चा नहीं की गयी है।

उन्होंने कहा कि कर्तव्य का पालन किसी भी व्यक्तिगत चोट या भावनाओं से ऊपर है। सदन में कुछ मुद्दों पर, राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर, दलीय हितों से ऊपर उठकर, द्विदलीय होकर, देश और दुनिया को यह संदेश दें कि यह देश लोकतंत्र की जननी है और सबसे पुराना तथा सबसे बड़ा लोकतंत्र है।

सभापति ने कहा, मैं सदस्यों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए काम करना जारी रखूंगा, ताकि उन्हें अवसर मिले, वे अपना संवैधानिक कर्तव्य निभा सकें और अपनी ऊर्जा, विशेषज्ञता और अनुभव का उपयोग भारत के कल्याण के लिए व्यापक जन सेवा में कर सकें। उन्होंने कहा कि सदन से बहिर्गमन करने वाले सदस्य उच्च सदन, सदन की गौरवशाली परंपरा को ध्यान में रखते हुए तथा सदन के सदस्यों से लोगों की अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए, राष्ट्र के विकास के लिए किस प्रकार कार्य करना चाहिए, इस पर गहन आत्मचिंतन करें तथा अपने भीतर आत्मंथन करें।

ऑनलाइन गेम में गंवाए 28 लाख अब किडनी बेच कर चुकाएंगे

जम्मू, 09 अगस्त (ब्यूरो)।

कश्मीर वादी के कुपवाड़ा जिले में एक दुखद घटना में, एक स्थानीय व्यक्ति ने ऑनलाइन गेमिंग के कारण लगभग 28 लाख गंवा दिए, जिससे वह इतनी आर्थिक तंगी में आ गया कि अब वह अपने कर्ज को चुकाने के लिए अपनी किडनी बेचने पर विचार कर रहा है।

नाम न बताने की शर्त पर इस व्यक्ति ने खुलासा किया कि वह एक समय में एक सफल दुकान चलाता था और अपने परिवार का भरण-पोषण आराम से कर पाता था। हालांकि, ऑनलाइन गेमिंग की खोज के बाद उसके जीवन में एक दुखद मोड़ आया। शुरुआत में उसे कुछ सफलता मिली, लेकिन जल्द ही उसकी लत ने उसे 28 लाख रुपए बर्बाद करने पर मजबूर कर दिया। यह मामला एक बढ़ती हुई समस्या को उजागर करता है, क्योंकि अधिक से अधिक लोग ऑनलाइन गेमिंग के लालच में फंस रहे हैं। एक साइबर पुलिस अधिकारी ने चेतावनी दी कि ये गेम अक्सर जल्दी पैसे कमाने का वादा करते हैं, लेकिन गंभीर वित्तीय नुकसान का कारण बनते हैं। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए कोई शॉर्टकट नहीं है और माता-पिता से मोबाइल फोन पर

अपने बच्चों की गतिविधियों पर बारीकी से नज़र रखने का आग्रह किया।

जब पूछा गया कि साइबर पुलिस को ऐसे कितने मामले रिपोर्ट किए गए हैं, तो कार्यालय ने कहा कि लोग आमतौर पर अन्य प्रकार के साइबर अपराधों की रिपोर्ट करते हैं और गेमिंग से होने वाले नुकसान की रिपोर्ट नहीं करते हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि पैसे उनकी अपनी गलतियों के कारण खो गए हैं। कुपवाड़ा के एक सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ता नूर शाहबाज ने इस घटना की निंदा करते हुए इसे बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने ऑनलाइन गेमिंग के खतरों के बारे में व्यापक शिक्षा का आह्वान किया और इसकी तुलना नशीली दवाओं की लत के विनाशकारी प्रभाव से की।

शाहबाज ने स्कूलों, पुलिस और प्रशासन से इस बढ़ते खतरे से निपटने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कई लोगों ने शुरुआती जीत के रोमांच और महत्वपूर्ण नुकसान की पीड़ा दोनों का अनुभव किया है। शाहबाज ने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग का बढ़ता चलन और परिवारों पर इसके हानिकारक प्रभाव कश्मीर घाटी में भावी पीढ़ियों की सुरक्षा के लिए तत्काल सामुदायिक और संस्थागत हस्तक्षेप की मांग करते हैं।

छात्र दानिश फैयाज ने कहा कि कश्मीर घाटी में अधिकांश लोग ऑनलाइन गेमिंग में शामिल हैं। उन्होंने बताया कि कैसे हाल ही में एक दोस्त इस जाल में फंस गया और कुछ ही समय में हजारों रुपये गंवा दिए। फैयाज ने इस बात पर जोर दिया कि माता-पिता को अपने बच्चों की मोबाइल फोन पर गतिविधियों के प्रति सतर्क रहना चाहिए।

हिजाब पर प्रतिबंध लगाने संबंधी मुंबई के कॉलेज के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

नई दिल्ली, 09 अगस्त (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने मुंबई के एक कॉलेज में विद्यार्थियों के हिजाब, नकाब, टोपी या धार्मिक बैज के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने वाले परिपत्र के जरिए जारी आदेश पर शुक्रवार को रोक लगा दी। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कॉलेज की ओर से इस तरह का परिपत्र जारी करने पर हैरानी जताई और इसे जारी करने वाले अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कई सवाल पूछे।

पीठ ने कॉलेज प्रशासन से यह भी पूछा कि आजादी के इतने सालों बाद अचानक यह परिपत्र जारी करने का फैसला क्यों किया गया? इस पर कॉलेज की ओर से पेश अधिवक्ता ने कहा कि कॉलेज की स्थापना 2008 में की गई थी। शीर्ष अदालत ने परिपत्र पर अंतरिम रोक लगाते हुए कहा कि वह इस मामले में अगली सुनवाई 18 नवंबर 2024 को करेगी। पीठ ने हालांकि, स्पष्ट किया कि कक्षाओं में बुर्का की अनुमति नहीं दी जा सकती। इसके साथ ही पीठ ने कहा, हमें उम्मीद है कि इस आदेश का कोई भी दुरुपयोग नहीं करेगा।

सुनवाई शुरू होते ही पीठ ने कॉलेज की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता माधवी दीवान से पूछा, यह निर्देश क्या है? ऐसा कुछ भी न पहनें जिससे धार्मिक पहचान का पता चले। क्या नाम से धार्मिक पहचान का पता नहीं चलेगा? इस पर अधिवक्ता ने कहा कि ये बातचीत में बाधाएं हैं। कॉलेज सह-शिक्षा वाला निजी गैर-सहायता प्राप्त संस्थान है, जिसकी स्वायत्तता नहीं छीनी जा सकती। छात्राएं हमेशा से इसे नहीं पहनती रही हैं। उन्होंने कहा कि केवल तीन लड़कियों को इससे समस्या है। पीठ ने अधिवक्ता से पूछा, क्या यह लड़की पर निर्भर नहीं करता कि वह क्या पहनना चाहती है। क्या आप कह सकते हैं कि तिलक लगाने वाले को अनुमति नहीं दी जानी चाहिए? इन दलीलों के बाद पीठ ने कहा कि वह परिपत्र पर रोक लगाएगी।

शीर्ष अदालत के समक्ष पीड़ित छात्राओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कॉलिन गोंजाल्विस पेश हुए। कॉलेज की छात्राओं ने बॉम्बे उच्च न्यायालय के उस फैसले को चुनौती दी, जिसमें मुंबई के एक निजी कॉलेज द्वारा अपने परिसर में छात्राओं द्वारा हिजाब, नकाब, बुर्का, टोपी आदि पहनने पर लगाए गए प्रतिबंध को बरकरार रखा गया था। मुंबई में एन जी आचार्य और डी के मराठे कॉलेज के अधिकारियों ने एक ड्रेस कोड निर्धारित किया था, जिसके तहत उनके विद्यार्थियों को परिसर में हिजाब, नकाब, बुर्का, स्टोल, टोपी आदि पहनने से रोका गया था। नौ छात्राओं ने इस ड्रेस कोड को बॉम्बे उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी, जहां न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर राजेश एस पाटिल की पीठ ने 26 जून को याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया था। उच्च न्यायालय ने कहा था कि ड्रेस कोड का पालन करने का आग्रह कॉलेज परिसर के भीतर है और याचिकाकर्ताओं की पसंद और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अन्यथा कोई असर नहीं पड़ता है। उच्च न्यायालय के इस रुख के बाद छात्राओं ने शीर्ष अदालत में अपील दायर की थी। याचिकाकर्ताओं ने अपनी याचिका में कहा कि ड्रेस कोड और परिसर में हिजाब, नकाब, बुर्का आदि पर प्रतिबंध उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। छात्राओं ने तर्क दिया कि ड्रेस कोड मनमाना और भेदभावपूर्ण है। कॉलेज का ड्रेस कोड लागू करने का आदेश गलत है। उन्होंने कहा, यह कोड उनके पहनावे को चुनने के अधिकार अनुच्छेद 19(1) (ए) के तहत उनकी निजता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार और संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत उनकी धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन करता है।

सुप्रीम कोर्ट ने नीट पीजी परीक्षा स्थगित करने की याचिका की खारिज

नई दिल्ली, 09 अगस्त (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने मेडिकल स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए 11 अगस्त को आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-पीजी) 2024 कुछ व्यवहारिक परेशानियों का हवाला देते हुए स्थगित या पुर्निर्धारित करने की मांग वाली याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ , न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने विशाल सोरेन और अन्य के याचिका पर संबंधित पक्षों के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद कहा कि वह परीक्षा आयोजित होने से कुछ दिन पहले उसे स्थगित करने का आदेश नहीं दे सकती। श्री सोरेन और अन्य द्वारा दायर याचिका दलील दी गई थी कि अभ्यर्थियों को एन वक्त पर ऐसे शहरों में परीक्षा केंद्र आवंटित किए गए हैं, जहां पहुंचना उनके लिए बेहद मुश्किल हो रहा है। उन्हें अपने परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। याचिका दायर करते समय में कहा गया था कि परीक्षा शहरों का आवंटन 31 जुलाई को किया गया और परीक्षा केंद्रों की घोषणा आठ अगस्त को की जानी है।

चुनाव आयोग के दौरे के साथ ही भाजपा ने प्रत्याशी चयन प्रक्रिया शुरू की

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 09 अगस्त।

भारतीय चुनाव की टीम के जम्मू कश्मीर के दो दिवसीय दौरे के साथ ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जम्मू कश्मीर में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों की शॉर्टलिस्टिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी है। भारतीय चुनाव आयोग की टीम गुरुवार को केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) पहुंची थी और उसने राजनीतिक दलों के अतिरिक्त पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों के साथ चुनाव करवाए जाने की संभावनाओं पर चर्चा की।

इस चर्चा के उपरांत भाजपा ने ऐसे इच्छुक उम्मीदवारों से बायोडाटा आमंत्रित किया है, जिनके पास काम करने का अनुभव है और जिन्होंने पार्टी और समाज में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रतिक्रिया बेहद सकारात्मक रही है, कई उम्मीदवारों ने पहले ही अपना बायोडाटा जमा कर दिया है। प्राप्त बायोडाटा को भाजपा द्वारा शॉर्टलिस्ट किया जाएगा और फिर सूची पार्टी के आलाकमान को भेजी जाएगी। वर्ष 2015 के बाद यह पहली बार है जब जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं, तब भाजपा ने जम्मू क्षेत्र में रिकॉर्ड 25 सीटें जीती थीं। 2015 के विधानसभा चुनावों में भाजपा और पीडीपी द्वारा बनाई गई गठबंधन सरकार एजेंडा फॉर अलायंस पर आधारित थी। हालांकि, सरकार केवल तीन साल तक चली और फिर भाजपा ने पीडीपी से अपना समर्थन वापस ले लिया।

अब कहा यही जा रहा है कि आगामी चुनाव महत्वपूर्ण होंगे क्योंकि वे अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण और परिसीमन के बाद होंगे। परिसीमन के बाद, विधानसभा सीटों की कुल संख्या 83 से बढ़कर 90 हो गई है। जम्मू क्षेत्र में अब 43 सीटें हैं, जबकि कश्मीर में 47 सीटें हैं।

भाजपा जम्मू क्षेत्र में बढ़ी हुई सीटों पर नज़र गड़ाए हुए है, जहाँ परिसीमन से पहले 37 सीटें थीं। इस बीच जम्मू कश्मीर में चुनावी तैयारियों को तेजी देने के अभियान के तहत प्रदेश भाजपा ने प्रदेश चुनाव प्रबंधन समिति गठित कर दी है। पार्टी ने सांसद जुगल किशोर शर्मा को चुनाव प्रचार समिति का अध्यक्ष बनाया है। पार्टी हाइकमान के निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रविन्द्र रैना ने चुनाव प्रबंधन समिति की घोषणा कर दी। उन्होंने यह फैसला राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री व जम्मू-कश्मीर भाजपा के चुनाव प्रभारी जी किशन रेड्डी, राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी तरुण चुग को विश्वास में लेकर किया। प्रदेश चुनाव प्रबंधन समिति तत्काल प्रभाव से चुनावी तैयारियों को तेजी देने का अभियान छेड़ देगी।

भाजपा से लड़ेंगे दो-दो मोहनलाल

जम्मू, 09 अगस्त (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर में 9 साल बाद होने जा रहे विधानसभा चुनावों की सुगबुगाहट में भाजपा की ओर से एसएसपी रैंक के उन दो अफसरों को मैदान में उतारने की भी तैयारी कर ली गई है जिन्होंने पुलिस सेवा से इस्तीफा दे दिया है। संयोग से दोनों के नाम मोहनलाल हैं। जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। विभिन्न दल भी चुनाव लड़ने के लिए रणनीति तैयार कर रहे हैं। इस बीच जम्मू कश्मीर के दो वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली। दोनों अफसर एसएसपी रैंक के अधिकारी हैं। एक ने इस्तीफा दे दिया है तो दूसरे ने वीआरएस के लिए अपने कागज विभाग में जमा कर दिए हैं। दोनों अफसरों के भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने की चर्चा है।कश्मीर पुलिस सेवा (केपीएस) के 2003 बैच के वरिष्ठ अधिकारी एसएसपी मोहनलाल कैथ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। वे कश्मीर में सुरक्षा विंग की चौथी बटालियन का नेतृत्व कर रहे थे। उनके करीबी लोगों ने मामले में जानकारी देते हुए कहा कि मोहनलाल के इस्तीफे की फाइल को पुलिस विभाग ने मंजूरी दे दी है और अब गृह विभाग में स्वीकृति का इंतजार है। 59 वर्षीय कैथ आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा के टिकट से चुनाव लड़ेंगे। कैथ के मढ़ (अनुसूचित जाति) विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने की चर्चा है। एक अन्य एसएसपी रैंक अधिकारी मोहनलाल (58 वर्ष) हैं। उन्होंने भी अपनी स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए पुलिस विभाग में अपने कागजात जमा कर दिए हैं। उनके घरवालों का कहना है कि मोहन लाल ने अनिवार्य सेवा पूरी कर ली है और स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना का विकल्प चुना है। वह अखनूर विधानसभा क्षेत्र से आगामी विधानसभा चुनाव भी लड़ने जा रहे हैं। यह सीट एससी समुदाय के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है। उनके इस्तीफे की फाइल को भी गृह विभाग की स्वीकृति का इंतजार है।

राज्यसभा के सभापति के अपमान पर माफी मांगें विपक्ष: चौहान

नई दिल्ली, 09 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ का अपमान करने के लिए विपक्ष को माफी मांगनी चाहिए। श्री चौहान ने सदन में प्रश्नकाल के दौरान कहा कि ये सदन केवल ईंट और गारे का भवन नहीं है बल्कि ये लोकतंत्र का पवित्र मंदिर है। उन्होंने कहा कि ये सिद्ध हो गया है कि गैर जिम्मेदार विपक्ष देश को अराजकता में झोंकने का प्रयास कर रहा है।

उन्होंने कहा, हम लोग उत्तर के लिए आते हैं। तो केवल प्रश्नकर्ता का जवाब नहीं देते हैं, हम जवाब जनता के लिए भी देते हैं, लेकिन आज प्रश्नकाल में विपक्ष ने जो व्यवहार किया है, सचमुच में इसका कोई दूसरा उदाहरण नहीं मिलता। श्री चौहान ने कहा कि इसके लिए विपक्ष को माफी माँगनी चाहिए। विपक्ष ने सारे सदन और देश को शर्मसार किया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, मैं, छह बार लोकसभा और छह बार विधानसभा का सदस्य रहा हूँ। मैं या तो विधानसभा में या तो लोकसभा में आया हूँ, लेकिन अपने जीवन में मैंने विपक्ष का ऐसा अमर्यादित, अशोभनीय व्यवहार कभी नहीं देखा है। आज मन व्यथित है, वेदना से भरा हुआ है। ये केवल आसंदी का अपमान नहीं है, ये देश के लोकतान्त्रिक मूल्यों का अपमान है। ये लोकतंत्र का अपमान है, ये संविधान का अपमान है।

भारत को महाशक्ति बनने से कोई रोक नहीं सकता: मुख्यमंत्री

काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव का योगी ने किया उद्घाटन

काकोरी/लखनऊ, 09 अगस्त (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश की वीर भूमि काकोरी में शुक्रवार को काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्व के अंतर्गत वीरों के नमन कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम का उद्घाटन करने हुए डाक अनावरण व संस्कृत विभाग द्वारा निर्मित पुस्तिका का विमोचन किया और बच्चों के साथ काकोरी शहीद मंदिर के बाहर सेल्फी भी ली। सीएम योगी ने इस अवसर पर कहा कि अब भारत का समय आ गया है, दुनिया की कोई शक्ति हमें महाशक्ति बनने से रोक नहीं सकती। उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव में पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा जो पंच प्रण दिलाए गए हैं, उनको देश के हर नागरिक को आत्मसात करना होगा। यही हमारे अमर बलिदानियों और शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। अगर हम इन प्रण को आत्मसात करके अपने कार्यों को पूरा करते हैं तो कोई कारण नहीं है कि हमारा देश विश्वगुरु और दुनिया की सबसे बड़ी महाशक्ति न बने। इस

अवसर पर सीएम योगी ने जिला प्रशासन लखनऊ व संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित एक्शन शताब्दी महोत्सव के अंतर्गत वीरों को नमन कार्यक्रम में रोहित खत्री (रामकृष्ण खत्री के प्रपौत्र), राजीव कुमार सिंह व क्षिप्रा सिंह (प्रपौत्र व प्रपौत्री ठाकुर रौशन सिंह), अशफाक उल्लाह खान (पौत्र अशफाक उल्लाह खान) तथा मनमोहन पाण्डेय (कैप्टन मनोज पाण्डेय के भाई) समेत स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया। इस दौरान लघु फिल्म, नृत्य नाटिका, वीर गायन समेत विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन भी हुए।

सीएम योगी ने काकोरी ट्रेन एक्शन को याद करते हुए कहा कि देश से बाहर जा रहे राजस्व को देश सेवा में प्रयुक्त करने की मंशा से जो कार्य पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रौशन सिंह जैसे वीर सपूतों ने किया था उसने न केवल देश बल्कि पूरी दुनिया में सुर्खियां बटोरीं थी। प्रदेश भर में आयोजित कार्यक्रमों के जरिए यह मां भारती के वीर सपूतों, उन महान क्रांतिकारियों को जिन्होंने सर्वस्व बलिदान किया था, उन सभी ज्ञात-अज्ञात सेनानियों व शहीदों को नमन करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि आजादी एक दिन में प्राप्त नहीं हुई।

अलग-अलग कालखंड में हुए संघर्षों से इसकी नींव पड़ी। अब आजादी के अमृत काल के शुभारंभ के अवसर पर ही काकोरी एक्शन के शहीदों के प्रति कृतज्ञता प्राप्त करने का अवसर मिल रहा है। सीएम योगी ने कहा कि काकोरी ट्रेन एक्शन के दौरान क्रांतिकारियों ने रणनीति बनाकर भारत का पैसा जो ब्रिटेन ले जाया जा रहा था उसे रोककर भारत की क्रांति में धन का उपयोग किया था। तब जो रकम प्राप्त हुई थी वह मात्र 4,679 रुपए थी, जबकि अंग्रेजी हुकूमत ने 10 लाख रुपए केवल केस पर खर्च कर दिए।

घटना में बिना सुनवाई के ही वीरों को फांसी की सजा सुना दी गई थी और नियत दिन से एक दिन पहले ही फांसी दे कर उस समय की हुकूमत ने कायरता दिखाई थी। सीएम योगी ने कहा कि एक्शन में शामिल कुछ वीर सपूतों को फांसी हुई, जबकि कुछ को कालापानी की सजा हुई। इन सभी को अंग्रेजों ने तमाम प्रलोभन दिए मगर इनका एक ही जवाब था, जीवन पुष्प चढा चरणों पर, मांगे मातृभूमि से यह वर। तेरा वैभव अमर रहे मां, हम दिन चार रहें न रहें। इसी संकल्प के साथ खुद को बलिदान करना स्वीकार किया मगर हार नहीं मानी। आज आजादी इन्हीं शहीदों के बलिदान का परिणाम है।

सीएम योगी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत ने अपनी शानदार यात्रा को आगे बढ़ाया है। भारत अगले 2 वर्षों में देश की तीसरी सबसे बड़ी महाशक्ति बनने जा रहा है। सबके चेहरों पर खुशहाली होगी, मगर ये तभी हो सकता है जब हमारी प्राथमिकता हमारी जाति, मत, मजहब नहीं बल्कि राष्ट्र होगा। समतामूलक समाज की स्थापना के लिए वोकल फॉर लोकल जैसे मूल्यों पर आगे बढ़ना होगा। दुनिया की कोई ताकत भारत का रास्ता नहीं रोक सकती। यही समय है, सही समय है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने आजादी के अमृत महोत्सव पर पंच प्रण की शपथ दिलाई थी, ये हमारा सूत्र होना चाहिए। हम भारत को दुनिया में किस रूप से शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित कर सकते हैं इसका चिंतन करना होगा। आज हम अपने कर्तव्यों का पालन करते हैं तो कोई कारण नहीं कि भारत की उन्नति न हो।

सीएम योगी ने कहा कि 1942 में 9 अगस्त यानी आज ही के दिन महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आंदोलन का आगाज किया था। आज हर शहीद स्माकर पर राष्ट्र धुन के साथ विभिन्न बैंड की धुन बजेगी। हर घर तिरंगा अभियान चलेगा जिसमें हर घर तिरंगा फहराया जाएगा। उत्तर प्रदेश में साढ़े चार करोड़ तिरंगा हर घर फहराया जाएगा। एक वर्ष तक चलने वाले राष्ट्रभक्ति के विभिन्न कार्यक्रमों में हम सबकी सहभागिता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज नाग पंचमी भी है। नाग कुंडलिनी शक्ति का द्योतक है। उन्होंने कहा कि कल भारत को हॉकी और जैवलिन थ्रो में भी नीरज चोपड़ा को मेडल प्राप्त हुआ है, इन सभी खिलाड़ियों का अभिनंदन है, देश इनसे प्रेरणा ले रहा है।

कार्यक्रम में लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, सदस्य विधान परिषद लालजी प्रसाद निर्मल, अंबरीश कुमार, भाजपा जिला अध्यक्ष विनय प्रताप सिंह, लखनऊ पूर्व के विधायक ओपी श्रीवास्तव, बख्शी का तालाब के विधायक योगेश शुक्ल, मलिहाबाद की विधायक जया देवी कौशल, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश कुमार मेश्राम, लखनऊ के जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार समेत विभिन्न अधिकारी, नेता, अधिकारी व शहीदों के परिजन उपस्थित रहे।

रेलवे पेपर लीक कांड : सीबीआई ने 11 ठिकानों पर मारा छापा

लखनऊ, 09 अगस्त (एजेंसियां)।

प्रयागराज रेलवे भर्ती बोर्ड की डीजीसीई (जनरल डिपार्टमेंट कंपटीटिव एग्जाम) का पेपर लीक मामले में सीबीआई ने उत्तर प्रदेश और राजस्थान में 11 ठिकानों पर छापा मारा है।

सीबीआई की टीमों ने प्रयागराज, नोएडा, अलीगढ़, मथुरा, चित्रकूट व राजस्थान के जयपुर, भरतपुर, करौली, अलवर, सवाई माधोपुर में क साथ छापा मारकर दस्तावेज बरामद किए हैं।

रेलवे बोर्ड के उपनिदेशक विजिलेंस अनिल कुमार मीना की शिकायत पर सीबीआई लखनऊ, की एंटी करप्शन ब्रांच ने परीक्षा देने वाले और पेपर लीक कराने के बदले पैसा लेने वाले 11

रेलकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है, परीक्षा कराने वाली एजेंसी अपटेक लि. को भी आर-ोपी बनाया गया है।

रेलवे ने शिकायत में अपनी विजिलेंस जांच रिपोर्ट का हवाला दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक प्रयागराज के रेलवे भर्ती बोर्ड द्वारा 6 अगस्त 2021 को आयोजित डीजीसीई परीक्षा का पेपर लीक करके 50-60 अभ्यर्थियों को पढ़वाया गया था। ट्रैक मेंटेनर राजस्थान के भरतपुर के भूप सिंह, वेगराज, महावीर सिंह व प्रीतम सिंह, अलवर का जितेंद्र कुमार मीना, सवाई माधोपुर का प्रमोद कुमार मीना, टोंक का हंसराज मीना, अलीगढ़ का धर्म देव, करौली का प्रशांत कुमार मीना, जयपुर में उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य अभियंता कार्यालय का कार्यालय अधीक्षक मान सिंह के अलावा नोएडा का पार्सल पोर्टर मोहित भाटी शामिल है।

अयोध्या में पंचकोसी परिक्रमा से पहले तैयार हो जाएगा फोर लेन

अयोध्या, 09 अगस्त (एजेंसियां)।

अयोध्या में नवम्बर माह के दौरान आयोजित होने वाली पंचकोसी परिक्रमा से पहले योगी सरकार की ओर से बनाए जा रहे फोरलेन परिक्रमा मार्ग का निर्माण एवं सड़क चौड़ीकरण पूरा कर लिया जाएगा।

लोक निर्माण विभाग द्वारा अब तक 55 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया गया है। अयोध्या के विकास के लिए केंद्र व प्रदेश सरकार अरबों रुपये के बजट से विभिन्न परियोजनाएं चला रही है। अयोध्या की प्रसिद्ध पंचकोसी परिक्रमा में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु अयोध्या आकर परिक्रमा करते हैं। श्रद्धालुओं को परिक्रमा के लिए सुगम मार्ग उपलब्ध

कराने के लिए प्रदेश की योगी सरकार फोर लेन का निर्माण करा रही है।

पंचकोसी परिक्रमा मार्ग को फोरलेन करने व सड़क का चौड़ीकरण करने के लिए प्रदेश सरकार ने 473.22 करोड़ की लागत से फोर लेन का निर्माण प्रारम्भ कराया है। सड़क की लम्बाई 9.025 किलोमीटर है। पंचकोसी परिक्रमा का निर्माण 16 अक्टूबर 2023 से प्रारम्भ हुआ। अबतक लगभग 55 प्रतिशत सड़क निर्माण पूरा हो चुका है।

नव्य, भव्य राम मंदिर में 22 जनवरी को रामलला की मूर्ति स्थापित होने के बाद यह पहली पंचकोसी परिक्रमा होगी। ऐसे में यह माना जा रहा है कि अयोध्या की 14 कोसी परिक्रमा में तो श्रद्धालुओं की अपार भीड़ जुटेगी साथ ही पंचकोसी परिक्रमा में भी भारी भीड़ जुटने की संभावना है। ऐसे में फोरलेन का निर्माण करा रही निर्माण इकाई लोक निर्माण विभाग 26 नवम्बर 2024 तक पंचकोसी परिक्रमा मार्ग को फोर लेन के रूप में तैयार कर लेना चाहता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की समीक्षा बैठक में इस बात पर जोर दिया गया है कि पंचकोसी परिक्रमा से पहले हर हाल में पंचकोसी परिक्रमा मार्ग के निर्माण को पूरा कर लिया जाए।

कार्बन फाइनेंस के जरिए यूपी के 25 हजार किसानों की बढ़ेगी आय

लखनऊ, 09 अगस्त (एजेंसियां)।

भारत को 2070 तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन वाला देश बनाने का संकल्प प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लिया है। इसे पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में इस वर्ष 36 करोड़ से अधिक पौधे रोपकर कीर्तिमान रचा गया, तो वहीं आगामी पांच साल में 175 करोड़ से अधिक पौधे रोपने का लक्ष्य भी रखा गया है। 2017 से 2024 तक प्रदेश में अबतक दो सौ करोड़ से भी अधिक पौधे रोपे गये हैं। योगी सरकार अब प्रदेश के किसानों को भी इस महा अभियान से जोड़ रही है। सरकार का इरादा किसानों को कार्बन फाइनेंस योजना से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि करने का है। योजना का उद्देश्य किसानों को खेती-किसानी के साथ-साथ अपने खेतों में वृक्षारोपण करके अतिरिक्त आय अर्जित करने के लिए प्रोत्साहित करना है। प्रथम चरण में 25 हजार से अधिक किसानों को इस योजना से जोड़ा जा चुका है। द एनर्जी एंड रिसोर्स इंस्टीट्यूट (टेरी) और वीएनवी एडवाइजरी सर्विस के सहयोग से इस योजना के जरिए किसानों की आय में वृद्धि के प्रयास किये जा रहे हैं।

गोरखपुर में भी बसती हैं काकोरी की यादें

क्रांतिकारी बिस्मिल को गोरखपुर जेल में दी गई थी फांसी

लखनऊ, 09 अगस्त (एजेंसियां)।

1925 को काकोरी के पास ट्रेन से सरकारी खजाना लूटने के मामले में पंडित रामप्रसाद बिस्मिल, चंद्रशेखर आजाद, मन्मथ नाथ गुप्त, अशफाक उल्लाह खां, राजेंद्र लाहिड़ी, सचिंद्र नाथ सान्याल, केशव चक्रवर्ती, मुरारीलाल, मुकुंदीलाल और बनवारी लाल के साथ अभियुक्त बनाए गए थे। इस आरोप में पंडित राप्रसाद बिस्मिल गोरखपुर जेल में बंद थे। ट्रायल के बाद उनको 19 दिसंबर 1927 को फांसी दे दी गई। पंडित राम प्रसाद बिस्मिल के नाम पर जिला कारागार में एक खूबसूरत स्मारक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल से बना है। उनके जन्मदिन और शहादत के दिन बड़ी संख्या में पुष्पांजलि अर्पित करने लोग वहां जाते हैं।

अशफाक उल्ला खां भी काकोरी ट्रेन एक्शन के नायकों में से एक थे। उनको भी इसी केस में सजा-ए-मौत मिली थी। पंडित रामप्रसाद बिस्मिल से उनका बेहद याराना था। जेल से उन्होंने अशफाक को पत्र भी लिखा था। पत्र कुछ यूं था, प्रिय सखा अंतिम प्रणाम, मुझे इस बात का संतोष है कि तुमने संसार में मेरा

मुंह उज्जवल कर दिया। जैसे तुम शरीर से बलशाली थे वैसे ही मानसिक वीर और आत्मबल में भी श्रेष्ठ सिद्ध हुए।

अशफाक उल्ला खां की स्मृति में गोरखपुर चिड़ियाघर का नामकरण उनके नाम पर किया गया है। मुख्यमंत्री जब भी यहां आते हैं, बिस्मिल, अशफाक समेत काकोरी ट्रेन एक्शन के सभी नायकों का जिक्र जरूर करते हैं। पिछले साल मार्च में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वतंत्रता संग्राम के नायक सचिंद्रनाथ सान्याल की गोरखपुर से जुड़ी यादों को जीवंत रखने तथा वर्तमान व भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणा पुंज बनाने के लिए सान्याल स्मारक का शिलान्यास किया था। यह स्मारक बनकर तैयार है और जल्द ही सीएम योगी के हाथों इसका उद्घाटन भी होगा। सनद रहे कि काकोरी केस के नायकों में से एक सचिंद्र नाथ सान्याल को 10 साल की सजा हुई थी। बाद में उन्होंने गोरखपुर को ही अपना घर बना लिया। जीवन पर्यन्त यहीं रहे।

उल्लेखनीय है कि जिस तरह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर चौरी-चौरा शताब्दी वर्ष पर साल भर जंगे आजादी के शहीदों की याद में कार्यक्रम चले, उसी तरह काकोरी ट्रेन एक्शन की याद में भी साल भर कार्यक्रम चलेंगे। इस अवसर पर वहां आयोजित छह दिवसीय मेले का उद्घाटन 9 अगस्त को मुख्यमंत्री करेंगे। इन कार्यक्रमों के जरिये मुख्यमंत्री का प्रयास रहता है कि युवा पीढ़ी आजादी के इन नायकों के देश प्रेम के जज्बे, जोश और जुनून को जाने। यह भी जाने कि आजादी यूं ही प्लेट में सजाकर नहीं दी गई थी।

यूपी का शिक्षा मॉडल देखने पहुंचा गुजरात का शिक्षा विभाग

लखनऊ, 09 अगस्त (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे उल्लेखनीय कार्यों और प्रगति का दूसरे राज्य भी अनुसरण कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश ने विगत 7 वर्ष में शिक्षा का जो मॉडल तैयार किया है, उसकी सफलता को देखने और समझने के लिए राज्य अपने प्रतिनिधिमंडल उत्तर प्रदेश में भेज रहे हैं। इसी क्रम में गुजरात सरकार ने भी अपने शिक्षा विभाग का एक 6 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल उत्तर प्रदेश में भेजा है। इस प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश के तीन दिवसीय दौरे पर यहां निपुण भारत मिशन की सफलता की बारीकियों को जानने-समझने और उन्हें आत्मसात करने का प्रयास किया। प्रतिनिधिमंडल ने दो दिन में उत्तर प्रदेश के विद्यालयों, टीचर्स ट्रेनिंग सेंटर और विद्या समीक्षा केंद्रों का दौरा किया और टीएलएम सामग्रियों व लर्निंग एप्स का विश्लेषण भी किया। गुजराती प्रतिनिधिमंडल ने यूपी में निपुण भारत मिशन को लेकर अपनाई जा रही इंटीग्रेटेड एप्रोच की सराहना की और इसे अपने यहां लागू करने के लिए उत्साह दिखाया। प्रतिनिधिमंडल अब 10 अगस्त को अयोध्या स्थित श्रीराममंदिर जाएगा और रामलला का आशीर्वाद लेगा।

एएसपीडी, एसएसए गुजरात एमएम पटेल (आईएएस) की अगुवाई में लखनऊ आए प्रतिनिधि मंडल ने निपुण भारत मिशन में उत्तर प्रदेश की प्रगति को बारीकी से समझने का प्रयास किया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश की निपुण प्रगति को समझा और यहां छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए किए जा रहे प्रयासों को भी देखा। दौरे के पहले दिन प्रतिनिधिमंडल ने लखनऊ में दो विद्यालयों का दौरा किया, जिसमें प्राथमिक विद्यालय रामचौरा और कंपोजिट स्कूल पहाड़पुर सम्मिलत रहे। विद्यालय के दौरे पर प्रतिनिधिमंडल ने हेडमास्टर, शिक्षक एवं मेंटोर से बातचीत की। साथ ही, निपुण भारत मिशन की सभी टीएलएम सामग्रियों के बारे में जानने का प्रयास किया। इस दौरान टीम के सदस्यों को मेंटरिंग प्रॉसेस, रिव्यू, मॉनीटरिंग और ट्रेनिंग समेत सभी आवश्यक पहलुओं को समझाया गया। गुजरात से आए प्रतिनिधिमंडल ने कक्षा में बैठकर लाइव कक्षा शिक्षण भी देखा। उन्हें सहयोगात्मक पर्यवेक्षण का डेमो भी देखने का अवसर प्राप्त हुआ। यह सब देखकर न सिर्फ उनकी जिज्ञासाएं शांत हुईं, बल्कि आगामी योजना बनाने के टिप्स भी मिले।

यूपी के बेसिक शिक्षा विभाग के तकनीकी विशेषज्ञों ने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों को उत्तर प्रदेश में चलाए जा रहे विभिन्न टीचिंग एप्स से जुड़ी जानकारियां भी दीं। इनमें लर्निंग एप्स जैसे दीक्षा, निपुण लक्ष्य और गुणवत्ता एप संबंधी जानकारियां शामिल रहीं। भ्रमण के दूसरे दिन प्रतिनिधिमंडल ने सरोजनी नगर ब्लॉक, लखनऊ में स्थित टीचर्स ट्रेनिंग में चल रहे शिक्षकों और संदर्भदाताओं से बातचीत की। उन्होंने टीचर्स हैंडआउट, वीडियो और पीपीटी के माध्यम से इंटरैक्टिव व इंगेजिंग टीचर ट्रेनिंग को भी ध्यान से देखा। टीम ने एक शिक्षक संकुल बैठक में भी प्रतिभाग किया। यहां होने वाली पियर लर्निंग को सराहा। टीम ने विद्या समीक्षा केंद्र का भी दौरा किया और समझा कि यहां कैसे विभिन्न डेटा प्वॉइंट्स को एनालाइज कर जनपदों को पूरी जानकारी मुहैया कराई जा रही है। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने प्रमुख सचिव, बेसिक शिक्षा उत्तर प्रदेश से भी मुलाकात की और अपने दौरे में मिलीं जानकारियों को साझा किया और उन्हें लागू किए जाने सम्बन्धी व्यवहारिक टिप्स लिए।

गुजराती प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश में निपुण भारत मिशन को लेकर अपनाई जा रही इंटीग्रेटेड एप्रोच की सराहना की। उन्होंने टीएलएम सामग्रियों जैसे कार्य-पुस्तिका, पाठ्य पुस्तिका, शिक्षक संरक्षिका की विशेष रूप से प्रशंसा की। इन सभी के बीच एकीकरण का कार्य उन्हें पसंद आया। शिक्षक संरक्षिका में साप्ताहिक एवं दैनिक शिक्षण योजना के विवरण और इसके माध्यम से शिक्षकों के लिए सभी योजनाओं का पालन करने की आसान प्रक्रिया को भी उन्होंने सराहा। सहयोगात्माक पर्यवेक्षण की बारीकियों को समझने का भी मौका मिलने से वे काफी गदगद दिखे।

संपादकीय

अराजकता की आग में बांग्लादेश

बांग्लादेश में केवल तख्ता पलट ही नहीं हुआ है अपितु लोकतंत्र पर भी गहरी चोट हुई है। एक बार फिर साबित हो गया कि इस्लामिक कट्टरपंथी ताकतें लोकतंत्र को स्वीकार नहीं कर सकती हैं। बांग्लादेश से आ रहे दृश्य स्पष्टतौर पर रेखांकित कर रहे हैं कि यह देश कट्टरपंथी समूहों की साजिश का शिकार बन गया है। जिस तरह से बांग्लादेश के निर्माता शेख मुजीब उर रहमान की मूर्ति पर चढ़कर जिस प्रकार नाच रहे थे और उनकी प्रतिमा को क्षति पहुँचा रहे थे, उससे ही समझ आता है कि उपद्रव कर रही भीड़ की मानसिकता क्या रही होगी? जिस व्यक्ति ने पाकिस्तान के आतंक के खिलाफ खड़े होकर बांग्लादेशियों की रक्षा की, उन्हें दमन से मुक्ति दिलाई, स्वतंत्रता दिलाई, आज उनकी ही प्रतिमा को खंडित किया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों का विरोध बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से कहीं अधिक लोकतंत्र, संविधान और उदारता के प्रति है। प्रधानमंत्री शेख हसीना तो त्यागपत्र देकर वहाँ से अपनी जान बचाकर निकल आईं लेकिन उपद्रवी इतने पर संतुष्ट नहीं हुए। उन्होंने उसी प्रकार की लूटपाट की जैसी श्रीलंका में देखी गई थी। ये कैसे प्रदर्शनकारी थे जो जेहादियों की भाँति लूट के माल लिए टूट पड़े। महिलाओं के अंतःवस्त्र लूटकर उन्हें विजयी परचम की तरह लहराते प्रदर्शनकारी युवक कितने निर्लज्ज होंगे। भारत की तथाकथित सेकुलर जमात अब तक इसे छात्र आंदोलन कह रही थी और तानाशाही के विरुद्ध संघर्ष का नाम दिया जा रहा था, लेकिन जिस प्रकार की नग्नता और हिंसा का प्रदर्शन बांग्लादेश की सड़कों से प्रधानमंत्री आवास तक हुआ है, वह आंदोलन तो कहीं से प्रतीत नहीं होता। इसके पीछे सांप्रदायिक ताकतें हैं। यही कारण है कि उपद्रवियों ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं के घरों एवं उनके मंदिरों को निशाना बनाया है। बांग्लादेश का नाम ऊंचा करनेवाले हिन्दू क्रिकेटर लिटन दास का घर आग के हवाले कर दिया। हिन्दुओं को लक्षित करके उन पर हमला करने के पीछे क्या मानसिकता रही होगी? यदि शासन या प्रधानमंत्री शेख हसीना के विरोध में यह आंदोलन होता, तब हिन्दुओं को निशाना बनाने का क्या औचित्य है? जो इस आंदोलन को केवल छात्र आंदोलन और उनके मुद्दों तक जोड़कर देख रहे हैं, वे बहुत बड़े भ्रम का शिकार हैं। बांग्लादेश को अराजकता के मोड़ पर लाने में कट्टरवादी इस्लामिक ताकतें हैं। जिन्होंने धीरे-धीरे अपना आधार बढ़ाया है। बांग्लादेश में बनी अराजक स्थितियों के पीछे चीन और पाकिस्तान की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। बहरहाल, जिस प्रकार की स्थितियां बांग्लादेश में बन गई हैं, वे भारत के अनुकूल नहीं दिख रही हैं। चूँकि बांग्लादेश हमारा पड़ोसी देश है, इसलिए वहाँ चल रही उठापटक पर पैनी नजर बनाए रखना, भारत सरकार की जिम्मेदारी है। यदि बांग्लादेश पाकिस्तान और चीन के चंगुल में फंसता है, तब भारत के लिए चुनौती बढ़ जाएगी। यही कारण है कि शेख हसीना के तख्तापलट को भारत सरकार ने गंभीरता से लिया है। सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाकर भी अच्छा कदम उठाया है। संकट की इस घड़ी में हम सबको एकजुट दिखना ही चाहिए। हिन्दुओं पर हो रहे हमलों पर भी भारत सरकार ने संज्ञान लिया है। वहाँ रह रहे भारतीय नागरिकों, अल्पसंख्यक हिन्दुओं के साथ-साथ लोकतंत्र की रक्षा करने में भी भारत सरकार को अपनी भूमिका का निर्वहन करना चाहिए।

बांग्लादेश से आ रहे दृश्य स्पष्टतौर पर रेखांकित कर रहे हैं कि यह देश कट् टरपंथी समूहों की साजिश का शिकार बन गया है। जिस तरह से बांग्लादेश के निर्माता शेख मुजीब उर रहमान की मूर्ति पर चढ़कर जिस प्रकार नाच रहे थे और उनकी प्रतिमा को क्षति पहुँचा रहे थे, उससे ही समझ आता है कि उपद्रव कर रही भीड़ की मानसिकता क्या रही होगी? जिस व्यक्ति ने पाकिस्तान के आतंक के खिलाफ खड़े होकर बांग्लादेशियों की रक्षा की, उन्हें दमन से मुक्ति दिलाई, स्वतंत्रता दिलाई, आज उनकी ही प्रतिमा को खंडित किया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों का विरोध बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से कहीं अधिक लोकतंत्र, संविधान और उदारता के प्रति है। प्रधानमंत्री शेख हसीना तो त्यागपत्र देकर वहाँ से अपनी जान बचाकर निकल आईं लेकिन उपद्रवी इतने पर संतुष्ट नहीं हुए। उन्होंने उसी प्रकार की लूटपाट की जैसी श्रीलंका में देखी गई थी। ये कैसे प्रदर्शनकारी थे जो जेहादियों की भाँति लूट के माल लिए टूट पड़े। महिलाओं के अंत :वस्त्र लूटकर उन्हें विजयी परचम की तरह लहराते प्रदर्शनकारी युवक कितने निर्लज्ज होंगे। भारत की तथाकथित सेकुलर जमात अब तक इसे छात्र आंदोलन कह रही थी और तानाशाही के विरुद्ध संघर्ष का नाम दिया जा रहा था, लेकिन जिस प्रकार की नग्नता और हिंसा का प्रदर्शन बांग्लादेश की सड़कों से प्रधानमंत्री आवास तक हुआ है, वह आंदोलन तो कहीं से प्रतीत नहीं होता।

बजट के माध्यम से औद्योगिक क्लस्टर पर फोकस किया गया है

मैन्युफैक्चरिंग हब बनने का परिदृश्य

डा. जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में 30 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय उद्योग परिसंघ के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को जिस तरह सुविधाओं के साथ तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है, उससे दुनिया भर के निवेशक भारत आने के लिए उत्सुक हैं। ऐसे में देश के उद्योगों को भी इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाने में पीछे नहीं रहना चाहिए। उल्लेखनीय है कि इन दिनों प्रकाशित हो रही वैश्विक आर्थिक एवं वित्तीय संगठनों की रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि 23 जुलाई को वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा पेश किया गया वर्ष 2024-25 का बजट उद्योगों को समृद्ध करने का बजट है। इस बजट के माध्यम से जिस तरह मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को मजबूत करते हुए आयात घटाने व निर्यात बढ़ाने के अभूतपूर्व प्रावधान किए गए हैं, उनसे भारत के नए मैन्युफैक्चरिंग हब बनने का परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर देश से निर्यात और रोजगार सृजन दोनों में अहम योगदान देता है और इसके प्रोत्साहन के लिए इस बजट में खास ख्याल रखा गया है। इस बजट के माध्यम से औद्योगिक क्लस्टर पर फोकस किया गया है। औद्योगिक क्लस्टर उन्हें कहा जाता है, जहां पर एक ही जगह किसी आइटम के निर्माण से जुड़ी तमाम सुविधा उपलब्ध होती है, मैन्युफैक्चरिंग आसान हो जाती है और उसकी लागत भी कम हो जाती है। वित्तमंत्री ने बजट में देश के 100 शहरों में प्लग एंड प्ले वाले औद्योगिक पार्क बनाने की घोषणा की है। केंद्र, राज्य और निजी सेक्टर की आपसी सहभागिता से प्लग एंड प्ले सुविधा वाले औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे।

भारतीय उद्योग परिसंघ के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को जिस तरह सुविधाओं के साथ तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है, उससे दुनिया भर के निवेशक भारत आने के लिए उत्सुक हैं। ऐसे में देश के उद्योगों को भी इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाने में पीछे नहीं रहना चाहिए। उल्लेखनीय है कि इन दिनों प्रकाशित हो रही वैश्विक आर्थिक एवं वित्तीय संगठनों की रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि 23 जुलाई को वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा पेश किया गया वर्ष 2024-25 का बजट उद्योगों को समृद्ध करने का बजट है।

खास बात बात यह है कि उद्यमी को ऐसे औद्योगिक पार्क में जाकर सिर्फ उत्पादन शुरू करना होता है। मुख्य रूप से नए निर्यातकों तथा उद्यमियों को मैन्युफैक्चरिंग के प्रति आकर्षित करने के लिए प्लग एंड प्ले मॉडल लाया जाता है। उल्लेखनीय है कि निर्यात बढ़ाने के मद्देनजर चीन व अन्य देशों में वर्षों से प्लग एंड प्ले मॉडल पर मैन्युफैक्चरिंग हो रहा है और वहां कई

जगहों पर उद्यमी को मशीन तक लगाने की जरूरत नहीं होती है। नए बजट के प्रावधानों के तहत 100 शहरों में प्लग एंड प्ले वाले सुविधा वाले औद्योगिक क्लस्टर या पार्क के विकसित होने से कम से कम 100 प्रकार के आइटम का बड़े पैमाने पर उत्पादन हो सकता है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि एक औद्योगिक पार्क में एक आइटम से जुड़े उत्पादन की तमाम सुविधाएं दी जा सकती हैं। गौरतलब है कि वर्ष 2024-25 के बजट में वित्तमंत्री ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को निर्यात बढ़ाने के मद्देनजर सशक्त बनाया है। ज्ञातव्य है कि देश के जीडीपी और निर्यात दोनों में ही 40 प्रतिशत से अधिक का योगदान देने वाले एमएसएमई को सबसे अधिक कठिनाई कर्ज लेने में ही आती है। नए बजट में सरकार ने इस समस्या को दूर करने की कोशिश की है। नए बजट में मशीनरी की खरीददारी के लिए क्रेडिट गारंटी स्कीम लांच की गई है। इस स्कीम के तहत सेल्फ फाइनेंसिंग गारंटी फंड बनाया जाएगा जिसके तहत 100 करोड़ तक के लोन की गारंटी होगी। नए बजट के प्रावधानों के तहत कर्ज लेने वाले एमएसएमई को सिर्फ अपफ्रंट गारंटी फीस देनी होगी। खास बात यह भी है कि डिजिटल ट्रांजेक्शन के आधार पर भी एमएसएमई को लोन दिए जाएंगे। बजट की घोषणा के मुताबिक बैंक एमएसएमई को डिजिटल लेन-देन के मूल्यांकन के आधार पर लोन देगा। इस व्यवस्था से उद्यमियों को कारोबार बढ़ाने के लिए आसानी से लोन मिल सकेगा। यह पाया गया है कि कारोबारी परेशानी की वजह से एमएसएमई का कारोबार कई बार दिक्कत में आ जाता है और वे बैंक के कर्ज को नहीं चुका पाते हैं। एक से अधिक किस्त नहीं चुका पाने पर धीरे-धीरे वे एनपीए घोषित होने के कगार पर आ जाते हैं। एमएसएमई को इस परेशानी से बचाने के लिए अलग से फंड बनाने की घोषणा की गई है। निश्चित रूप से नए बजट के प्रावधानों के तहत एमएसएमई के उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ जाने पर उन्हें काफी फायदा हो सकता है।

इसे ध्यान में रखते हुए खाद्य आइटम से जुड़े एमएसएमई सेक्टर में उनकी गुणवत्ता जांच को लेकर 50 यूनिट खोलने के लिए वित्तीय सहायता दी जाएगी। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि नए बजट के तहत इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को विनिर्माण बेहतर करने और मेक इन इंडिया पहलों के तहत दो महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए पिछले वर्ष के 9509 करोड़ रुपए से बढ़ाकर कुल आवंटन 21085 करोड़ रुपए किया गया है। बहुप्रचारित उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं के अभूतपूर्व बजट प्रावधान हैं। खिलौना, जूते, चमड़े, उद्योगों के विकास के साथ सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले के विकास का संशोधित कार्यक्रम भी प्रोत्साहित किया गया है। इसके तहत कंपनियों को देश में सिलिकॉन और कंपाउंड फैबरिकेशन (फैब), डिस्प्ले फैब, असेम्बली, टेस्टिंग, मार्किंग व पैकेजिंग (एटीएमपी), आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेम्बली और टेस्ट व डिजाइन करने के लिए विशेष प्रोत्साहन दिए गए हैं। गौरतलब है कि वर्ष 2024-25 के बजट से भारत से निर्यात बढ़ाने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। पिछले वर्ष 2023 में जी-20 के सफल आयोजन के साथ दुनिया में यह बात उभरकर सामने आई है कि 'चीन प्लस वन' रणनीति के तहत भारत दुनिया के सक्षम व भरोसेमंद देश के रूप में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला वाले देश के रूप में नई भूमिका निभा सकता है। दुनिया का कोई दूसरा देश इस तरह के परिचालन के पैमाने और आकार की पेशकश नहीं कर सकता, जैसा भारत में उपलब्ध है।

दृष्टि कोण

उन्नत सड़क ही गांव को विकास से जोड़ेगा

हमारे देश के विकास में जिन क्षेत्रों का बहुत अहम योगदान है उसमें सड़कों की भी एक बड़ी भूमिका है। माना यह जाता है कि जिस क्षेत्र या गांव में सड़कें टूटी और जर्जर होंगी वहां विकास की कल्पना अधूरी होगी। यानि जिस क्षेत्र या गांव में सड़क की स्थिति बेहतर नहीं होगी वहां अन्य क्षेत्रों की अपेक्षा विकास की रफ़्तार धीमी रहेगी। निवेश, जो अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी रीढ़ कहलाती है, इसी उन्नत सड़क पर निर्भर है। इसके इसी महत्व को समझते हुए केंद्र और सभी राज्य सरकारों ने इस पर विशेष ध्यान दिया है। राष्ट्रीय राजमार्गों के साथ साथ प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत गांवों के सड़कों को भी बेहतर किया जा रहा है। लेकिन राजस्थान के राजपुरा हुडान गांव जैसे देश के कई ऐसे दूर दराज़ ग्रामीण क्षेत्र आज भी ऐसे हैं जो सड़क की खस्ताहाली के कारण विकास की दौड़ में पिछड़ रहे हैं।

इस संबंध में 45 वर्षीय तेवाराम कहते हैं कि राजपुरा हुडान में कच्ची सड़क होने के कारण परिवहन की कोई सुविधा नहीं है। इसके कारण राज्य परिवहन निगम की कोई बस गांव में नहीं आती है। लोगों को जिला मुख्यालय या अन्य शहर जाने के लिए गांव से तीन किमी दूर मुख्य सड़क तक पैदल जाना होता है। सड़क इतनी कच्ची और धूल से भरी हुई है कि यदि कोई निजी वाहन गांव में आता है तो आसपास का पूरा इलाका धूल से भर जाता है। अभी बारिश का मौसम शुरू हो चुका है। ऐसे में इस सड़क की क्या स्थिति होगी, इसका आंकलन कोई भी सहज कर सकता है। तेवाराम बताते हैं कि कच्ची सड़क होने से केवल गांव का आर्थिक विकास ही ठप्प नहीं हुआ है बल्कि यहां का सामाजिक वातावरण भी प्रभावित हो रहा है। इसके कारण कई लड़कों का रिश्ता केवल इस जर्जर सड़क के आधार पर टूट गया। लड़की वाले यह कहकर रिश्ता तोड़ देते हैं कि इस गांव में उनकी बेटी को कहीं भी आने जाने में असुविधा होगी। बारिश के दिनों में राजपुरा हुडान का संपर्क अन्य क्षेत्रों से लगभग कट जाता है क्योंकि कोई भी गाड़ी वाला इस दौरान यहां आने को तैयार नहीं होता है। वह कहते हैं कि बदलते समय के साथ यहां कई

मकान पक्के हो गए लेकिन सड़क आज तक कच्ची है।

राजपुरा हुडान जिला बीकानेर से 90 किमी और ब्लॉक लूणकरणसर से 18 किमी दूर है। 2011 की जनगणना के अनुसार इस गांव की आबादी लगभग 1863 है। अनुसूचित जाति बहुल इस गांव के अधिकतर पुरुष कृषि अथवा बीकानेर और उसके आसपास के शहरों में दैनिक मज़दूर के रूप में काम करते हैं। जिसके लिए उन्हें प्रतिदिन बस पकड़नी होती है। इस संबंध में 35 वर्षीय राजकंवर कहते हैं कि उन्हें प्रतिदिन काम के सिलसिले में बस पकड़नी होती है। जो पीछे के गांव से चलती है। वह बस हमेशा यात्रियों से खचाखच भरी होती है। जब वह बस कंडक्टर से राजपुरा से एक बस शहर के लिए चलाने के लिए कहते हैं तो उनका जवाब होता है "पहले गांव की सड़क बनवा लो, फिर बस चलाने की बात करना क्योंकि तुम्हारे गांव की सड़क इतनी जर्जर है कि वहां से जितने यात्री नहीं चढ़ेंगे उससे अधिक बस की मरम्मत कराने में पैसा लग जायेगा"। वहीं 30 वर्षीय चैतराम कहते हैं कि करीब दो हज़ार की आबादी वाले इस गांव में पक्की सड़क का न होना कठिनाई का सबसे बड़ा कारण है। लगभग 6 साल पहले इस सड़क को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत निर्मित किया गया था, लेकिन उसके बाद कभी भी इसकी मरम्मत नहीं की गई, जिसकी वजह से धीरे धीरे यह सड़क चलने के काबिल नहीं रह गई। गांव के एक 26 वर्षीय दिव्यांग बीणाराम कालो बताते हैं कि वह दोनों पैरों से पोलियो ग्रसित हैं। सरकार की ओर से उन्हें हाथ से चलाने वाला साईकिल तो मिल गया है लेकिन सड़क की जर्जर स्थिति के कारण वह कहीं आने जाने में इसका प्रयोग नहीं कर पाते हैं। बारिश के दिनों में वह घर में लगभग कैद होकर रह जाते हैं क्योंकि उन दिनों सड़क की हालत इतनी बुरी हो चुकी होती है कि उस पर उनका तो क्या, आम आदमी का चलना मुश्किल हो जाता है।

यहां की खस्ताहाल सड़क ने केवल विकास को ही नहीं बल्कि गांव की किशोरियों की शिक्षा और महिलाओं के स्वास्थ्य को भी प्रभावित किया है। 22 वर्षीय सुधा कहती है कि सड़क बेहतर नहीं होने के कारण अधिकतर लड़कियों की 12वीं के बाद पढ़ाई छूट जाती है क्योंकि कॉलेज जाने के लिए मुख्य सड़क तक पैदल जाना होता है। वहां तक अकेले जाने की अभिभावक परमिशन नहीं देते हैं। अगर गांव की सड़क बेहतर हो जाए तो परिवहन सुविधा की आसानी हो जाएगी और ट्रांसपोर्ट की बसें गांव के अंदर तक आ सकेंगी। वह बताती है कि गांव के जो घर आर्थिक रूप से संपन्न हैं उनके घर वाले लड़कियों को कॉलेज जाने और वापसी पर घर लाने के लिए मुख्य सड़क तक बाइक का इस्तेमाल करते हैं लेकिन हमारे लिए यह मुमकिन नहीं है।

कुछ अलग

बजट व पर्यावरण

हाल ही में केन्द्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने देश का 2024-25 का 48.21 लाख करोड़ रुपयों का बजट पेश किया था। बजट के जो नौ आधार कृषि, कौशल विकास, मानव संसाधन विकास, मेन्युफेक्चरिंग सेवाएं, इंफ्रास्ट्रक्चर, शहरी विकास, नवाचार, शोध व विकास, ऊर्जा सुरक्षा एवं आर्थिक सुधार बताए गए, उनमें पर्यावरण की समस्याएं एवं सुधार कहीं नजर नहीं आया। केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को दिया गया 3330.37 करोड़ रुपयों का आबंटन देश के बिगड़े पर्यावरण के हालात के मद्देनजर काफी कम है। संगठन 'आयक्यूएअर' ने इसी वर्ष के प्रारंभ में अपनी रिपोर्ट में बताया था कि विश्व के 10 सबसे प्रदूषित शहरों में 09 हमारे देश के हैं तथा सबसे ज्यादा प्रदूषित 10 देशों में हमारा देश तीसरे स्थान पर है। देश की 96 प्रतिशत आबादी प्रदूषित वायु में सांस ले रही है। वर्ष 2019 में देश के 138 शहरों में शुरू किए गए राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत तय किया गया था कि वर्ष 2024-25 तक वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआय) घटाकर 50 के लगभग लाया जाएगा। इसी संदर्भ में मार्च 2022 में संसदीय समिति की रिपोर्ट में कहा गया था कि ज्यादातर शहरों में वायु गुणवत्ता में सुधार काफी कम हुआ है, अतः बजट बढ़ाया जाए, कार्य में पारदर्शिता लाएं तथा समाज की भागीदारी बढ़ाई जाए। 30 लाख से ज्यादा आबादी वाले 14 शहरों को विकास हेतु 11.11 लाख करोड़ रुपए आबंटित किए गए हैं। ये शहर पर्यावरण को महत्व देकर वायु एवं जल प्रदूषण, नियंत्रण, जलस्त्रोतों के संरक्षण, हरियाली विस्तार एवं वर्षा-जल पुनर्भरण पर ध्यान दें तो आदर्श शहर बन सकते हैं। जलस्त्रोत एवं नदियों के विकास के तहत गंगा सफाई हेतु 30033.83 करोड़ रुपए आबंटित किए गए हैं। बजट में पैसे देने से गंगा साफ नहीं होगी, अपितु इसके प्रदूषण के मूलभूत कारणों को जानकर उन्हें समाप्त करने के प्रयास ईमानदारी से करने एवं करवाने होंगे। अभी हाल ही में उत्तरप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण मंडल की रिपोर्ट देखकर राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) की प्रधान खंडपीठ ने कहा है कि प्रयागराज में ही गंगा का पानी पीने एवं आचमन के योग्य नहीं है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अनुसार अध्ययन की गई 521 नदियों में से 351 प्रदूषित पाई गईं। इन नदियों के प्रदूषण स्तर की गणना कर उस हिसाब से बजट में पैसा दिया जाना था। एक करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती के संदर्भ में सिंचाई के लिए जल एवं भूमि की उर्वरता पर ध्यान देना होगा। प्राकृतिक खेती में यदि प्रदूषित पानी से सिंचाई की गई तो फिर वह कितनी प्राकृतिक रहेगी? राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी संस्थान (नीरी), नागपुर ने दो वर्ष पूर्व अध्ययन कर बताया था कि देश की लगभग 30 प्रतिशत भूमि में उत्पादकता समाप्त हो गई है। बाढ़ नियंत्रण एवं सिंचाई हेतु आबंटित 11.500 करोड़ रुपए भी कम ही लगते हैं, क्योंकि बाढ़ से हानि काफी अधिक होती है। शहर एवं बाहरी क्षेत्रों में बाढ़ नियंत्रण हेतु हरियाली, विशेषकर पेड़ बचाना जरूरी है, परंतु पेड़ शहर एवं जंगल दोनों जगह कम हो रहे हैं। शहरों में विकास के नाम पर तो जंगलों में विद्युत, रेल, सडक़, बांध एवं खनन कार्य की परियोजनाओं के नाम पर काटे जा रहे हैं। मध्यप्रदेश में रतलाम-खंडवा ब्राडगेज रेललाइन तथा उत्तरप्रदेश में कावडियों के एक मार्ग हेतु क्रमशः 80 हजार एवं 30 हजार पेड़ काटना प्रस्तावित है। कुछ अन्य कारणों से शहरों एवं जंगलों में पेड़ों की कमी से गर्मी एवं लू का प्रकोप बढ़ता जा रहा है जिसे वर्ष 2024 में अभी तक महसूस भी किया गया। सिक्किम में लू के दिनों की संख्या दहाई में हो गई है एवं उत्तराखंड की कई नदियां जून में ही उफन गई हैं।

देश दुनिया से

नानक दुखिया सब संसार

शहर की झोपड़पट्टी माने वाले इलाके का नाम इंद्र पुरी था। अपने नाम के उलट मुर्गी के दड़बों की तरह बेतरतीब बसी हुई इंद्रपुरी झोपड़पट्टी की एक झोपड़ी से निब्बर रोजगार पर जाने के लिये बाहर निकला। दरवाजे के पास एक लोहे के मजबूत पाए से बंधे जंजीर का ताला खोलकर उसने रिक्शा निकाला। रिक्शे को उसने झाड़ा- पोंछा, तेल – फुलेल डाला और भगवान का नाम लेकर चल पड़ा। बिस्तर पर पड़ी उसकी पत्नी रधिया उसे लाचारी से जाते हुए देखती रही। उसकी तबियत इतनी खराब थी कि उठकर चूल्हा भी न जला सकी थी। सुबह गली के नुक्कड़ पर जाकर निब्बर एक कप चाय और एक डबल रोटी ले आया था। निब्बर ने सिर्फ दो घूंट चाय पी और बाकी की चाय और डबलरोटी उसे खिला-पिला दी थी। निब्बर को भूखे पेट रिक्शा ले जाते हुए देखकर उसकी पत्नी रधिया का कलेजा मुंह को आ गया मगर मजबूरी जो न कराए। बीते कल में निब्बर को एक भी सवारी नसीब नहीं हुई थी और आज का दिन भी निब्बर का रामभरोसे ही था।

दरवाजे के पास एक लोहे के मजबूत पाए से बंधे जंजीर का ताला खोलकर उसने रिक्शा निकाला। रिक्शे को उसने झाड़ा- पोंछा, तेल – फुलेल डाला और भगवान का नाम लेकर चल पड़ा। बिस्तर पर पड़ी उसकी पत्नी रधिया उसे लाचारी से जाते हुए देखती रही। उसकी तबियत इतनी खराब थी कि उठकर चूल्हा भी न जला सकी थी। सुबह गली के नुक्कड़ पर जाकर निब्बर एक कप चाय और एक डबल रोटी ले आया था। निब्बर ने सिर्फ दो घूंट चाय पी और बाकी की चाय और डबलरोटी उसे खिला-पिला दी थी।

पूरी दोपहरी निब्बर इधर उधर रिक्शा दौड़ाता रहा मगर उसे एक भी सवारी नसीब नहीं हुई। हारकर उसने रिक्शे को सड़क किनारे खड़ा किया और पेड़ के नीचे सुस्ताने लगा। पेड़ की छांव में ही एक ठेले वाला समोसा बेच रहा था। लू से मौसम दहक रहा था मगर समोसे का आकर्षण ही ऐसा था कि लोग बाग गर्मी को नजर अंदाज करके समोसे खा रहे थे। छन कर निकलते हुए समोसों के लिये लाइन लगी थी।

सन्नाटे से भरी सड़क के किनारे लगी कुछ इंसानों की लाइन को परम ज्योति ने भी नोटिस किया। उसका दिमाग गर्मी और ऑटो वाले की बदतमीजी से भन्नाया हुआ था। इस गर्मी में वह माइग्रेशन सर्टिफिकेट लेने कालेज गई थी। वहाँ पहले आफिस वालों ने दोपहर तक उसे परेशान किया फिर दो दिन बाद आने को बुलाया। भन्नाई हुई वह बाहर आई तो सीधे उसके घर जाने के लिए कोई ऑटो वाला तैयार नहीं हुआ। तीस रुपये उसके घर का अधिकतम किराया लगता था मगर बमुश्किल साठ रुपये में एक ऑटो वाले ने जाने की हामी भरी। झुलसाती गर्मी और तपती लू में परम ज्योति के पास कोई विकल्प न था। मज़बूरन उसने तय कर लिया और ऑटो वाले की ज़िद मानते हुए किराया भी एडवांस दे लिया। आधे रास्ते में ही ऑटो वाले ने आगे जाने से मना कर दिया। ऑटोवाले ने यह कहते हुए कि "पेट्रोल खत्म हो गया है" ऑटो रोक दिया। परम ज्योति के घर के दो किमी पहले ही ऑटो वाले ने उसे उतार दिया।

उसने बहुत इसरार किया मगर न जाने क्यों ऑटो वाला आगे जाने को राजी न हुआ। उसने आधे रास्ते के तीस रुपये भी काट लिए और और तीस रुपये परम ज्योति को लौटाते हुए चलता बना। परम ज्योति गर्मी और क्रोध के अतिरेक से उबल गई। वह अंगारों पर लोटती हुई पैदल ही घर की तरफ चल दी। थोड़ी दूर चलने के बाद सड़क के किनारे उसे समोसे के ठेले के पास कुछ भीड़ दिखी और वहीं दिखा फटा – उजड़ा निब्बर का रिक्शा। वह रिक्शे के पास पहुंची। उसने रिक्शे की दुर्गति देखी। उसने नजर दौड़ाई तो रिक्शे वाला कहीं नजर नहीं आ रहा था। उसके मन में बहुत हिचकिचाहट हुई मगर फिर भी उसने रिक्शे की गद्दी पर हाथ रखा। अचानक समोसे के ठेले के पास लगी भीड़ में से कहीं से निब्बर निकल कर आया और उसके सामने खड़ा हो गया।

परम ज्योति ने पूछा –"मानसपुरी चलोगे, कितना लोगे?"

"जरूर चलेंगे, जो मन हो दे दीजियेगा" निब्बर ने कहा। परम ज्योति ने ऑटो वाले के लौटाए हुए पैसे हाथ में ही पकड़ रखे थे। उन पैसों को अभी हैंड बैग में नहीं रखा था। उसने झुंझलाते हुए कहा – "तीस रुपये दूंगी। इतने कम नहीं होते। इससे एक पैसा ज्यादा नहीं, चलना है तो चलो नहीं और कोई रिक्शा देखूं"।

"पैसों के कम ज्यादा होने की बात नहीं है बिटिया। ये पैसे आप मुझे एडवांस दे दीजिए तो कुछ खा लूं। सुबह से कुछ नहीं खाया। भूख के मारे इतनी गर्मी में खाली पेट रिक्शा खींचा नहीं जाएगा" निब्बर ने कातर स्वर में कहा।

परम ज्योति ये सुनकर हैरान हो गई। वो बस एकटक देखती रही निब्बर को। निब्बर जान गया कि एडवांस नहीं मिलेगा। फिर भी उसने रिक्शा परम ज्योति के आगे करते हुये लगा दिया और उसे बैठने का इशारा किया।

परम ज्योति ने कुछ सोचा और तीस रुपये निब्बर के हाथों पर रखते हुए कहा "ये लो बाबा, जाओ खा लो मगर जरा जल्दी करना"।

आप का नजरिया

गांव के पांव में शहरी कदम

पैसे की दरकार ने हिमाचल को शहरीकरण के दायरे और दायित्व समझा दिए हैं, वरना ग्रामीण योजनाओं की पलकों पर यह प्रदेश अपनी सोहबत की मजदूरी कर रहा था। पहला गंभीर प्रयास बतौर शहरी विकास मंत्री सुधीर शर्मा ने किया जब शिमला के बाद धर्मशाला के शहरी योजना क्षेत्र का विस्तार करते हुए दूसरे नगर निगम की स्थापना की गई। इससे पहले बीबीएन शहरी विकास प्राधिकरण का गठन करके औद्योगिक शहर के प्रारूप में सुधार करने की कोशिश की गई, लेकिन शहरीकरण की पहचान और केंद्रीय संसाधनों में कोई स्थान ग्रहण करने की नीयत से कुछ नहीं हुआ। नगर पंचायतें, नगर परिषदों और नगर निगमों की तादाद भले ही बढ़ी, लेकिन आबादी को शहरीकरण के विस्तार में नहीं देख गया, नतीजतन राष्ट्रीय योजनाओं के मानदंड से हिमाचल के कई शहर फिसल रहे हैं। ताजातरीन उदाहरण अमृत मिशन के तहत आए 258 करोड़ रुपए के अंतर्गत पेयजलापूर्ति का है, जहां आबंटन को लेकर मानदंड की अड़चनों ने सत्रह शहरों की प्यास बुझाने के लिए नीतिगत अवरोधक पैदा किए हैं। ऐसी कई अन्य परियोजनाएं भी हैं, जहां शहरी विकास के मद में राष्ट्रीय नीतियों को हम समझ नहीं पाए। विडंबना यह है कि राजनीतिक पसंद में गांव के पांव में शहर के कदम गिने जाते हैं, वरना पालमपुर जैसा शहर कल तक केवल साढ़े तीन हजार की आबादी को ही शहरी लाभ न दे रहा होता। यह एक बड़ा फैसला था जहां जयराम सरकार ने पालमपुर नगर निगम के तहत एक बड़ी शहरी हलचल को नया प्रारूप दिया। इसी तरह मंडी व सोलन भी नगर निगम बन गए, लेकिन मर्ज्ड एरिया अभी न तो पूर्ण शहरी खाके में आए हैं और न ही नागरिकों के उत्थान की लागत में कर मुकर्रर हुए हैं। धर्मशाला नगर निगम के गठन को एक दशक हो रहा है, लेकिन राजनीति के सिवाय हो कुछ नहीं रहा। नागरिक जवाबदेही के कुछ नैतिक आधार हैं जिनकी पालना के बिना हम हिमाचल के भविष्य को नजरअंदाज कर रहे हैं। मर्ज्ड एरिया या नए शहरी निकायों में नागरिक अधिकार तो ढूंढे जा रहे हैं, लेकिन कत्तर्व्यों की व्याख्या नहीं हो रही। हो यह रहा है कि हिमाचल का नागरिक समाज अपनी-अपनी जमीन पर साम्राज्य खड़ा करना तो चाहता है, लेकिन अपने लिए सामाजिक सुविधाओं के रूप में सरकार से ही सुविधाएं चाहता है। हम निर्माण तो कर रहे हैं, लेकिन अपना आधार पुख्ता नहीं कर पा रहे। यह इसलिए कि लगभग आधी सदी का टीसीपी एक्ट यहां कूड़ेदान की दीमक के हवाले है। हमारी रतीभर भी संवेदना होती तो नगर नियोजन की परिधि में शहर का भविष्य सुनिश्चित होता। मसलन घुमारवीं शहर अगर 'अमृत शहर' की कैटेगिरी में न आने से जलापूर्ति के 50 करोड़ से दूर हो रहा है, तो गलती तो अवधारणा की है। घुमारवीं की अगर एक पूर्ण शहरी विकास योजना टीसीपी एक्ट की अनुपालना में बनी होती, तो आबादी का एक बड़ा भाग केंद्रीय शहरी योजनाओं से लाभान्वित हो चुका होता। हम शहर को शहर की व्याख्या या टीसीपी की परिधि में इसलिए नहीं लाते, ताकि कहीं नागरिक करों से प्रभावित न हो जाएं। नागरिक को जब तक हम वोटर तसदीक करते रहेंगे, हम जवाबदेह समाज और प्रगतिशील राज्य नहीं बना सकते। राज्य की दो टांगों में से एक की जिम्मेदारी नागरिक समाज को उठानी पड़ेगी।

बांग्लादेश के बाद अब पाकिस्तान को सता रहा है हिंसा का डर

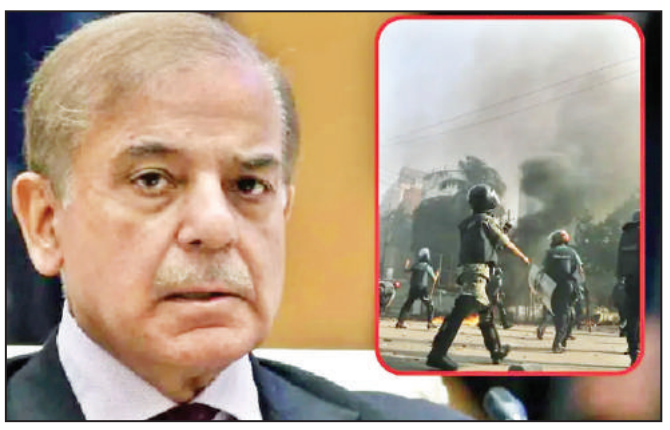

करांची, 09 अगस्त (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में हुई हिंसा को लेकर पाकिस्तान काफी खुश था लेकिन अब उसके भी होश उड़ने लगे हैं। बांग्लादेश के हालात से उछल रहे पाकिस्तान को अब अपनी चिंता सताने लगी है। पाकिस्तान में बांग्लादेश की तरह ही अब छात्र सड़क पर उतरने वाले हैं। पीटीआई के स्टूडेंट विंग ने पैदल मार्च का ऐलान किया है। इसकी वजह से पाकिस्तान की हुकूमत खौफ में आ गई है।

इस बाबत पाकिस्तान के नेशनल काउंटर टेरेरिजम अथॉरटी ने एक थ्रेट लेटर जारी किया है। नेशनल काउंटर टेररिजम अथॉरिटी ने पाकिस्तान सरकार को किसी भी अप्रिय घटनाओं से बचने के लिए अत्यधिक सतर्कता और सावधानी बरतने की सलाह दी है। थ्रेट लेटर यानी चेतावनी वाले खत में लिखा गया कि पीटीआई के कुछ शरारती तत्व अपने युवाओं को लामबंद कर छात्रों को आगे रखकर कानून व्यवस्था को खराब करने की कोशिश में हैं। सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की है कि ये आंदोलन होस्टाइल इंटेलिजेंस एजेंसियों की तरफ से फंडेड और गाइडेड है। थ्रेट लेटर के मुताबिक, रिंग लीडरों की सूची तैयार की गई है और संबंधित विभागों के साथ उनकी एक्शन के लिए साझा की गई है। सभी संबंधित पक्षों को अप्रिय घटनाओं से बचने के लिए अत्यधिक सतर्कता बरतने की सलाह दी जाती है। यह लेटर गिलगित बालटिस्तान और पीओके के चीफ सेक्रेटरी, पंजाब, सिंध, ख़ैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान के गृह सचिव, डीजी पाक रेंजर पंजाब, सिंध और सिंध के इंस्पेक्टर जनरल, फ्रंटियर फ़ोर्स ख़ैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान, चीफ कमिश्नर इस्लामाबाद, आईजी गिलगित बालटिस्तान और पीओके, ख़ैबर पख्तूनख्वा के कमंडेंट फ्रंटियर कांस्टैबयूलरी और पंजाब, सिंध, केपी और बलूचिस्तान के प्रोविंशियल पुलिस ऑफसिर को भेजी गई है।

दरअसल, इमरान खान ने 13 और 14 अगस्त को हर व्यक्ति को परचम-ए-हिलाल और परचम-ए-इंसाफ के साथ सड़कों पर उतरने आह्वान किया है। सूत्रों की मानें तो पाकिस्तान में एक लंबे मार्च की तैयारी है। पाकिस्तान की आजादी की रात भर जागने के लिए इमरान खान आह्वान किया है। कुछ समय पहले अदियाला से इमरान खान के 'नो सरेंडर' संदेश के आधार पर कार्रवाई का आह्वान किया गया। साथ ही पीटीआई के छात्र विंग की इस्लामाबाद से बांग्लादेश के छात्रों के साथ एकजुटता का संदेश देने की कोशिश होगी। अब शहबाज सरकार के लिए नई मुसीबत दिख रही है। अगर यह आंदोलन उग्र होता है तो शहबाज सरकार के लिए खतरे की घंटी होगी।

आतंकियों वाले हथियारों का उपयोग बांग्लादेश की हिंसा में हुआ

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय ने दावा करते हुए कहा कि बांग्लादेश को हिंसा की आग में झौंकने वाला कोई और नहीं बल्कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई है। घटना में जिन हथियारों का उपयोग हुआ है वे केवल विदेशी ताकतों या फिर आतंकी संगठनों द्वारा ही मुहैया कराई जा सकती हैं। उन्होंने बांग्लादेश में तनाव और हिंसा के लिए सीधे तौर पर पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की हिंसा और राजनीतिक उथल-पुथल में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ है।

न्यूज ब्रीफ

चिंता : ब्रिटेन में हो सकते है मुस्लिम और अप्रवासियों पर हमले, योजना तैयार

लंदन। ब्रिटेन के कई प्रमुख शहरों में बीते एक हफ्ते से हिंसा का दौर जारी है। मुस्लिम और अप्रवासी इस हिंसा का निशाना बन रहे हैं। लगातार हो रही हिंसा के बीच एक रिपोर्ट में दावा किया है कि दक्षिणपंथी गुट के लोग फेसबुक ग्रुप के द्वारा 11 और जगहों पर दंगे की योजना बना रहे हैं। पुलिस की पकड़ से बचने के लिए ये लोग फेसबुक ग्रुप का इस्तेमाल कर रहे हैं। इन लोगों ने बैलीमेना, न्यूकैसल, लिवरपूल, श्रेसबरी, सैलफोर्ड, टॉन्टन, बर्मिंघम, डोवर, बोर्नमाउथ और ग्लासगो में विरोध प्रदर्शन और हिंसा का प्लान बनाया है। ब्रिटेन में हिंसा का क्रम बढ़ाते हुए इन लोगों की योजना नए अंग्रेजी फुटबॉल सत्र के शुरुआती गेमवीक पर अराजकता फैलाने की है। वे शहर के फ्लावर शो के दौरान श्रेसबरी को निशाना बनाने का भी प्लान बना रहे हैं। इसकी शुरुआत शुक्रवार शाम उत्तरी आयरलैंड के बैलीमेना में इकट्ठा होकर प्रदर्शन से होगी। इसके बाद शनिवार को प्रदर्शनकारियों का लक्ष्य लिवरपूल, श्रेसबरी और सैलफोर्ड में इकट्ठा होना है। इसके बाद टॉन्टन, बर्मिंघम और डोवर में तथा उसके अगले दिन बोर्नमाउथ में विरोध प्रदर्शन की योजना है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्लासगो में सेंट जॉर्ज स्क्वायर और बर्मिंघम में बुलरिंग जैसे ऐतिहासिक स्थलों पर भी अधिक विरोध प्रदर्शन की योजना है। श्रेसबरी में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन इंग्लिश बॉर्डर फ्रंट के सदस्यों का प्लान है। एक सूत्र ने बताया है कि अभी तक इस विरोध प्रदर्शन को सोशल मीडिया से दूर रखा गया है ताकि पुलिस को पता न चले और उन्हें लगे कि श्रेसबरी में कुछ नहीं होने वाला है।

नेपाल में धूमधाम से मनायी गई नागपंचमी

काठमांडू। हर वर्ष श्रावण शुक्ल पंचमी को मनाई जाने वाली नाग पंचमी शुक्रवार को पूरे नेपाल में परंपरानुसार नाग की पूजा कर मनाई जा रही है। नागपंचमी के अवसर पर नागदह, नागस्थान आदि स्थानों पर पूजा करने की परंपरा है। इस प्रथा के अनुसार काठमांडू के भक्तपुर स्थित नागदाह में भी भक्तों का तांता लगा हुआ। श्रद्धालु नाग की तस्वीर या मूर्ति पर फूल, अक्षत, दूध चढ़ा रहे हैं और उसकी पूजा कर हैं। घर के मुख्य दरवाजे पर नाग देवता की तस्वीर भी लगाई गई हैं। धार्मिक मान्यता है कि ऐसा करने से सांप और बिच्छू जैसे जीव-जंतु नुकसान नहीं पहुंचाएंगे और आग, बादल तथा बिजली के भय से भी बचे रहेंगे। काठमांडू में नागपोखरी और टौदाह, भक्तपुर में सिद्धपोखरी और नागदाह सहित पूरे देश में रहे कुंड और नाग स्थानों की विशेष रूप से पूजा की जा रही है और गाय के दूध, अक्षत, दूब, खीर और रोटी का प्रसाद चढ़ाया जा रहा है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले रोकने के लिए मोहम्मद यूनुस को खुला पत्र

ढाका। बांग्लादेश हिंदू बौद्ध क्रिस्टान एक्य परिषद ने खुला पत्र लिखकर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रधान सलाहकार, डॉ. मोहम्मद यूनुस से देश में बढ़ती सांप्रदायिक हिंसा और उत्पीड़न के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। परिषद ने हाल ही में देश के विभिन्न हिस्सों में अल्पसंख्यक हिंदू समुदायों के खिलाफ हुई हिंसक घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि देश के विभिन्न हिस्सों में धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा और उत्पीड़न की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। विशेष रूप से छात्र-छात्राओं और महिलाओं के खिलाफ हमलों में वृद्धि हुई है, जिससे उनके जीवन पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। इस बढ़ती हिंसा के कारण अल्पसंख्यक समुदायों में भय और असुरक्षा का माहौल पैदा हो गया है। बांग्लादेश हिंदू बौद्ध क्रिस्टान एक्य परिषद के सचिव राणा दास गुप्ता और अध्यक्ष बासुदेव धर के हस्ताक्षर के साथ जारी की गई इस चिट्ठी में परिषद ने इस स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए अंतरिम सरकार से अपील की है कि वह तुरंत कदम उठाए और इस हिंसा को रोकने के लिए सख्त उपाय करे। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर इस स्थिति को नियंत्रित नहीं किया गया, तो यह स्थिति देश की स्थिरता और अंतर्राष्ट्रीय छवि को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है। पत्र के अंत में, परिषद ने देश के सभी धार्मिक और राजनीतिक नेताओं से शांति और सद्भाव बनाए रखने की अपील की है, ताकि सभी समुदायों के लोग सुरक्षित और शांतिपूर्ण वातावरण में जी सकें।

यमन के हूती विद्रोही ईराक के रास्ते सीरिया पहुंचे, अमेरिका भी रख रहा नजर

ईरान चारों तरफ से इज़राइल पर कभी भी कर सकता है हमला

तेहरान, 09 अगस्त (एजेंसियां)।

हमास चीफ की मौत के बाद ईरान और उसके सहयोगियों ने इजराइल पर हमले की चेतावनी दी है। इसको लेकर पूरी दुनिया सकते हैं कि कहीं यह जंग और ज्यादा ना फैल जाए लेकिन ईरान किस तरह से इजरायल पर हमला करेगा? कहां से करेगा? कैसे करेगा? क्या रणनीति होगी? क्योंकि निशाना है इजरायल जिसे अमेरिका का समर्थन मिला हुआ है।

अमेरिका ने अपने सबसे खतरनाक विमानवाहक युद्धपोत को इजरायल की सुरक्षा के लिए तैनात कर दिया है। अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस थियोडोर रूजवेल्ट से उड़ान भरता एफ-ए-18 ई सुपर हॉरनेट फाइटर जेट। ईरान-इजरायल की वजह से मिडिल-ईस्ट में किसी भी समय जंग का बिगुल फूंक सकता है। इस बात की पूरी दुनिया को चिंता है। दुनिया की सभी ताकतवर शक्तियों को भी यह एक क्षेत्रीय स्तर पर होने वाली भयानक जंग हो सकती है। आशंका है कि ईरान अपने समर्थक देशों के साथ मिलकर इजरायल पर चारों तरफ से हमला कर सकता है जहां वैश्विक कूटनीतिक समुदाय इस युद्ध को रोकने का प्रयास कर रहा है। वहीं, सवाल उठ रहा है कि छोटा सा देश इजरायल कैसे ईरान के गुस्से का सामना करेगा? क्योंकि उसके साथ सीरिया, ईराक, फिलिस्तीन और यमन में मौजूद आतंकी समूह भी हैं। ये भी ईरान के साथ मिलकर इजरायल पर हमला बालेंगे।

इजरायल और उसका सबसे बड़ा समर्थक देश अमेरिका बड़े पैमाने की जंग की तैयारी कर रहे हैं। इजरायल ने हमास के कई बड़े लीडर्स को मार दिया है। सबसे बड़ा लीडर पॉलिटिकल चीफ इस्माइल हानिया और हिजबुल्लाह कमांडर फौद शुक्र दस दिन के अंदर मारे गए हैं।

इसके पहले ईरान ने इजरायल पर 330 ड्रोन और मिसाइल हमला किया जिसमें 13 लोग मारे गए थे। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि अगला अटैक अप्रैल से ज्यादा खतरनाक होगा. डूम्स-डे नजदीक आ रहा है. ईरान तीन तरह से हमला करने की फिराक में है या कर सकता है इससे इजरायल पर घातक हमला तो होगा ही लेकिन अमेरिका से सीधे पंगा लेने की मुसीबत से भी ईरान बच जाएगा। ईरान अपने साथियों जैसे-लेबनान, सीरिया, यमन और ईराक से भी कहेगा कि हमला एक साथ हो ताकि इजरायल का एयर डिफेंस सिस्टम इतनी ज्यादा मात्रा में आने वाले हवाई हमले को संभाल न सके। इससे अमेरिका और इजरायल को वापसी हमला करने या बचाव का कम समय मिलेगा। हिजबुल्लाह के ड्रोन 15 मिनट में हाइफा और 40 मिनट में तेल अवीव पहुंच सकते हैं।

रक्षा एक्सपर्ट्स का मानना है कि ईरान के जो प्रमुख लोग सीरिया और ईराक में बैठे हैं, वो इजरायल के साथ-साथ अमेरिकी सेना पर भी घातक हमला करेंगे। यमन के हूती विद्रोही ईराक के रास्ते सीरिया पहुंच गए हैं। उन्हें पूर्वी और दक्षिणी सीरिया में तैनात किया गया है। इससे अमेरिकी सेना व्यस्त हो जाएगी और इजरायल को सुरक्षा नहीं दे पाएगी। इजरायली एयर डिफेंस सिस्टम हजारों ड्रोन्स और मिसाइलों का हमला नहीं रोक पाएगा।

इजराइली महिला सैनिक करती थीं कैदियों का यौन उत्पीड़न

तेल अवीव। गाजा में हमास और इजराइल के बीच जंग जारी है। इसी बीच इजराइल की हिरासत में फिलिस्तीनी पुरुष कैदियों के साथ यौन उत्पीड़न का विडियो सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है। यौन उत्पीड़न का आरोप इजराइली सैनिकों पर लगा है। सूत्रों ने बताया कि तेइमान हिरासत केंद्र में इजरायली रक्षा बल (आईडीएफ) के सैनिकों को एक फिलिस्तीनी कैदी के खिलाफ यौन हिंसा का जघन्य अपराध करते दिखाया गया है। इसके बाद कैदी को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। ये वीडियो दिल दहला देने वाला है। वीडियो सामने आने के बाद दुनिया भर में इसकी कड़ी निंदा हो रही है। बताया गया है कि केंद्र फिलिस्तीनी कैदियों को रोजाना प्रताड़ित किया जाता था। इजराइली हिरासत केंद्र से रिहा हुए इब्राहिम सलेम (36) ने अपने साथ हुए खौफनाक उत्पीड़न को साझा करते हुए बताया कि हिरासत केंद्र में कैदियों के साथ रेप, बिजली का झटका रात-दिन मारपीट की जाती थी। सलेम ने बताया कि अधिकांश कैदी यौन उत्पीड़न के साथ बाहर आते हैं। उन्होंने कहा कि बार-बार यौन उत्पीड़न के चलते उन्हें घाव हो जाते थे। अधिकांश कैदी यह स्वीकार करने से बचते हैं कि उनके साथ यौन उत्पीड़न हुआ था। वे एक दूसरे को बताते नहीं हैं। सलेम ने बताया कि महिला सैनिक उनके साथ सेक्स करती थीं। जब तक उनका दिल न भर जाए वह उन्हें नहीं छोड़ती थी। उन्होंने बताया कि वह उत्तरी गाजा के अस्पताल में आईसीयू में थे, जब दिसम्बर 2023 में इजरायली सेना ने वहां छापा मारा था। वह अस्पताल में अपने बच्चों के साथ थे, जो इजरायली हमले में घायल हो गए थे। इस हमले में उनके भाई-बहन अपने कई बच्चों के साथ मारे गए।

बीएनपी चाहती है जल्द हो देश में चुनाव

बांग्लादेश में अंतरिम सरकार बनते ही बीएनपी और छात्र नेताओं में मतभेद

ढाका, 09 अगस्त (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के गठन के बाद ही बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और आंदोलन करने वाले छात्र नेतृत्व के बीच मतभेद उभर सामने आ गए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान और छात्र नेतृत्व आम चुनावों को लेकर आमने-सामने हैं। रहमान बांग्लादेश में जल्दी चुनाव कराना चाहते हैं, जिससे हाल में बढ़ी बीएनपी और जमात समर्थक भावनाओं को भुनाया जा सके। हालांकि, छात्रों का इस मामले में नजरिया अलग है।

छात्रों के पास अभी कोई राजनीतिक ढांचा नहीं है और वे चुनाव लड़ने से पहले पार्टी बनाने के लिए समय चाहते हैं। शेख हसीना के इस्तीफा देने और देश छोड़कर भारत पहुंचने के बाद एक विडियो संदेश में रहमान ने कहा कि चुनाव तुरंत होने चाहिए और सत्ता निर्वाचित प्रतिनिधियों को सौंपी जानी चाहिए। वे ढाका में एक रैली में बोल रहे थे। रहमान ने कहा, देश की मौजूदा उपलब्धियों को कमजोर करने की साजिशें चल रही हैं। हमें सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए धर्म, जाति और पहचान की परवाह किए बिना लोगों की सुरक्षा करनी चाहिए। ढाल बनकर खड़े हो जाइए और सभी की सुरक्षा करके एक मिसाल कायम कीजिए, चाहे उनकी धार्मिक पहचान कुछ भी हो।

छात्रों के पास अभी कोई राजनीतिक ढांचा नहीं है और वे चुनाव लड़ने से पहले पार्टी बनाने के लिए समय चाहते हैं

बता दें अक्टूबर 2018 में तारिक रहमान को 2004 में शेख हसीना की हत्या की साजिश के मामले में कथित भूमिका के लिए बांग्लादेश की अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। अगस्त 2023 में एक अदालत ने आय से अधिक संपत्ति हासिल करने के लिए रहमान को नौ साल की जेल और उनकी पत्नी को तीन साल की सजा सुनाई थी।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव : डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस 10 सितंबर को चुनावी बहस में भाग लेने को तैयार

वाशिंगटन/पाम बीच, 09 अगस्त (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति पद के रिपब्लिकन उम्मीदवार एवं पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और वतर्मान उपराष्ट्रपति एवं डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस आगामी 10 सितंबर को चुनावी बहस के लिए तैयार हो गए हैं। इस बहस के अंतर्गत दोनों उम्मीदवारों का आमना-सामना होगा। अमेरिकी व्यापारिक टेलीविजन प्रसारण नेटवर्क 'अमेरिकन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी' (एबीसी) ने यह जानकारी दी।

इस घोषणा से कुछ देर पहले ही ट्रंप ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि उन्होंने तीन टेलीविजन नेटवर्क के समक्ष राष्ट्रपति पद के चुनाव की प्रक्रिया के तहत तीन बहसों का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा कि वे सितंबर में कुछ निश्चित तारीखों पर सहमत हैं। इस साल होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव की प्रक्रिया के तहत प्रथम बहस ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी के पूर्व उम्मीदवार जो बाइडन के बीच हुई थी। इस बहस में अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति बाइडन के खराब प्रदर्शन के बाद उन पर उम्मीदवारी छोड़ने के लिए चौतरफा दबाव था। बाद में बाइडन ने अपनी उम्मीदवारी छोड़ते हुए हैरिस का नाम इसके लिए प्रस्तावित किया था।

मुहम्मद यूनुस के मंत्रिमंडल में मंत्री की जगह 13 सलाहकार शामिल

ढाका, 09 अगस्त (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में तख्तापलट और शेख हसीना के त्यागपत्र व देश छोड़ने के बाद नोबेल विजेता मुहम्मद यूनुस ने देश के नए अंतरिम प्रधानमंत्री के तौर पर गुरुवार को शपथ ली। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। मुहम्मद यूनुस के कैबिनेट में फिलहाल 13 लोग शामिल हुए हैं। हालांकि कैबिनेट में शामिल सदस्यों को सलाहकार का ही दर्जा दिया गया है मंत्रियों का नहीं। बांग्लादेश अंतरिम सरकार का मंत्रिमंडल कुछ इस प्रकार है-

मुख्य सलाहकार - मुहम्मद यूनुस

अन्य 13 सलाहकार हैं - सैयदा रिजवाना हसन, फरीदा अख्तर, आदिलुर रहमान खान, खालिद हुसैन, नूरजहां बेगम, शर्मीन मुर्शिद, बीर प्रतीक फारुक-ए-आजम, नाहिद इस्लाम, आसिफ महमूद, सालेहुद्दीन अहमद, प्रोफेसर आसिफ नजरूल, एएफ हसन आरिफ, एम सखावत हुसैन, सुप्रदीप चकमा, प्रोफेसर बिधान रंजन रॉय, तौहीद हुसैन।

कैबिनेट सदस्यों में असंतुष्ट छात्रों के दल के शीर्ष नेता, नाहिद इस्लाम और आसिफ महमूद भी शामिल हैं। इन लोगों ने कई हफ्तों से देश में छात्र आंदोलन का नेतृत्व किया है।

कैबिनेट के दूसरे सदस्यों में पूर्व विदेश सचिव तौहिद हुसैन और पूर्व अटॉर्नी जनरल हसन आरिफ भी शामिल हैं। इनके अलावा पर्यावरण के मुद्दों पर काम करने वालीं वकील सैयदा रिजवाना हसन और कानून के प्रमुख प्रोफेसर आसिफ नजरूल भी कैबिनेट सदस्यों में हैं। इनके अलावा मानवाधिकार कार्यकर्ता अदिलुर रहमान खान को भी इसमें जगह मिली है। शेख हसीना सरकार में अदालत ने उन्हें दो साल के जेल की सजा सुनाई थी।

बता दें कि बांग्लादेश में 17 साल बाद किसी अंतरिम सरकार का गठन हुआ है। इसके बाद शेख हसीना ने 15 साल तक बांग्लादेश की सत्ता पर एकतरफा राज किया। अवामी लीग की नेता शेख हसीना को सोमवार को बड़े पैमाने पर विद्रोह के कारण इस्तीफा देना पड़ा और देश छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। इस मौके पर भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी सोशल मीडिया पर अंतरिम प्रधानमंत्री मुहम्मद यूनुस को बधाई और शुभकामनायें दी है। 'एक्स' अकाउंट पर पीएम मोदी ने लिखा, प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस को उनकी नई जिम्मेदारी संभालने पर मेरी शुभकामनाएं। हम उम्मीद करते हैं कि जल्द ही सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी, जिससे हिंदुओं और अन्य सभी अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। बांग्लादेश के साथ काम करने और शांति, सुरक्षा और विकास के लिए दोनों देशों के लोगों की साझा आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए भारत पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

उल्लेखनीय है कि कभी शेख हसीना के कटु आलोचक रहे, अब मिली सरकार की बागडोर शेख हसीना के शासनकाल के दौरान गबन के आरोप में उत्पीड़न का सामना करने वाले नोबेल पुरस्कार से सम्मानित प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस का जीवन पूरी तरह से बदल गया है। हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने और देश छोड़कर जाने के बाद अब यूनुस बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुखिया बन गए हैं। यूनुस को ''सबसे गरीब लोगों का बैंकर'' भी कहा जाता है। इसे लेकर उन्हें आलोचना का सामना भी करना पड़ा था और एक बार हसीना ने यूनुस को ''खून चूसने वाला'' कहा था।

पिछले एक हफ्ते से हिंदुओं के घरों और कारोबारों को लुटते और आगे के हवाले होते देखा जा रहा

बांग्लादेश में अभी भी हिंदुओं पर कट्टरपंथियों का हमला जारी

ढाका, 09 अगस्त (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना की सत्ता जाने के बाद सैकड़ों हिंदू भागकर भारत जाने की नाकाम कोशिशें कर रहे हैं। पिछले एक हफ्ते में बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के लोगों को अपने घरों और कारोबारों को लुटते और आगे के हवाले होते देखा गया। जैसे-तैसे अपनी जान बचाकर वह भारत से लगी सीमा पर ही जमा हो गए हैं।

बांग्लादेश हिंदू बुद्धिस्ट क्रिस्चियन यूनिटी काउंसिल का कहना है कि बांग्लादेश के कुल 64 जिलों में से 45 में पिछले कुछ दिनों में हिंदुओं के घरों, दुकानों या मंदिरों को निशाना बनाया गया है। एक स्कूल टीचर समेत कई लोगों की हत्या हुई और 45 अन्य घायल हैं। 17 करोड़ के मुस्लिम बहुल आबादी वाले बांग्लादेश में हिंदू केवल आठ प्रतिशत ही हैं। अल्पसंख्यक हिंदू सेक्युलर मानी जाने वाली शेख हसीना की आवामी लीग पार्टी का ही हमेशा से समर्थन करते आए हैं।

हसीना के इस्तीफे और देश छोड़ने के बाद से हिंसा बढ़ी है, भारतीय सीमा पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है, लेकिन बांग्लादेश की सीमा के पास रहने वाले हिंदू सीमा की ओर भागकर भारत सरकार से आश्रय देने की गुहार लगा रहे हैं। बांग्लादेश में सेना की शह पर जारी कट्टरपंथियों के उत्पात से हिंदू बेहद घबराए हुए हैं। बांग्लादेश के उत्तर-पश्चिमी जिले ठाकुरगांव में स्थानीय सरकारी अधिकारी मुहम्मद रकीबुल हसन ने बताया कि बुधवार की शाम को कुछ घरों को लूटे जाने के बाद करीब 700-800 हिंदू भारत भागने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन जब हमने उनकी रक्षा का जिम्मा उठाया तो वह वापस अपने घरों की ओर लौट गए। सीमा सुरक्षा बल क्षेत्र में गश्त कर रहा है। हिंसा के बाद अब सब ठीक है।

बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ हिंसा के विरोध में नेपाल में प्रदर्शन

काठमांडू। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और मठ-मंदिरों में तोड़फोड़ के खिलाफ हिंदू समाज ने बीरगंज में प्रदर्शन किया है। प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश सरकार से हिन्दू समुदाय की सुरक्षा की गारंटी और दोषियों के खिलाफ मुकदमा चलाने की मांग की है। प्रदर्शन बीरगंज के मुख्य चौक से शुरू होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए जिला प्रशासन कार्यालय के समक्ष नुक्कड़ सभा में तब्दील हो गया। हिंदू समाज के नेताओं ने बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हमले और मंदिरों में तोड़फोड़ को धार्मिक असहिष्णुता का उदाहरण बताते हुए कड़ी निंदा की।

पेरिस ओलंपिक : समापन समारोह में भारतीय दल के ध्वजवाहक होंगे मनु भाकर और पीआर श्रीजेश

नई दिल्ली, 09 अगस्त (एजेंसियां) । बुधवार को फ्रांस की राजधानी में स्पेन को 2-1 से हराकर कांस्य पदक के साथ अपना अभियान समाप्त करने वाली भारतीय हॉकी टीम के गोलकीपर पीआर श्रीजेश 11 अगस्त को पेरिस 2024 ओलंपिक के समापन समारोह के दौरान मनु भाकर के साथ भारत के ध्वजवाहक होंगे।

36 वर्षीय श्रीजेश 2021 में टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली टीम के भी सदस्य थे। आईओए ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) को पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों के समापन समारोह में पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर के साथ संयुक्त ध्वजवाहक के रूप में हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश के नामांकन की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है।'

आईओए अध्यक्ष डॉ पीटी उषा ने कहा कि श्रीजेश आईओए नेतृत्व के भीतर एक भावनात्मक और लोकप्रिय पसंद थे, जिसमें शेफ डी मिशन गगन नारंग और संपूर्ण भारतीय दल शामिल थे।

उन्होंने कहा, 'श्रीजेश ने दो दशकों से अधिक समय तक विशेष रूप से भारतीय हॉकी और सामान्य तौर पर भारतीय खेल की सराहनीय सेवा की है।'

डॉ. उषा ने कहा कि उन्होंने भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा से बात की है, जिन्होंने गुरुवार को रजत पदक जीतकर लगातार ओलंपिक खेलों में दूसरा पदक जीता है।

उन्होंने कहा, 'मैंने नीरज चोपड़ा से बात की और उस सहजता और शालीनता की सराहना की जिसके साथ वह इस बात पर सहमत हुए कि श्रीजेश को समापन समारोह में ध्वजवाहक होना चाहिए।'

उन्होंने मुझसे कहा, 'मैम, अगर आपने मुझसे नहीं भी पूछा होता तो भी मैं श्रीभाई का नाम सुझाता।'

बता दें कि कुछ दिन पहले ही मनु के नाम का ऐलान हुआ था। भारत की आजादी के बाद वह एक ही ओलंपिक खेलों में कई पदक जीतने वाली पहली एथलीट बनीं। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल महिला और 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम (सरबजोत सिंह के साथ) में कांस्य पदक जीता था।

न्यूज ब्रीफ

मैकलॉघलिन-लेवरोन ने विश्व रिकॉर्ड के साथ 400 मीटर बाधा दौड़ में जीता स्वर्ण

पेरिस। अमेरिकी खिलाड़ी सिडनी मैकलॉघलिन-लेवरोन ने गुरुवार देर रात 400 मीटर बाधा दौड़ में 50.37 सेकंड का समय लेकर अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया और अपना ओलंपिक खिताब बरकरार रखा। उन्होंने न केवल स्वर्ण पदक जीता, बल्कि छठी बार अपना ही विश्व रिकॉर्ड भी तोड़ दिया! उन्होंने 50.37 सेकंड में दौड़ पूरी की, और अपनी टीम की साथी, रजत पदक विजेता अन्ना कॉकरेल से 1.50 सेकंड आगे रहीं। डच महिला फेमके बोल ने कांस्य पदक जीता। जीत के बाद मैकलॉघलिन-लेवरोन ने कहा, ज़रूर, आपके आस-पास ऐसे प्रतियोगी होंगे जो कड़ी मेहनत करेंगे, लेकिन चाल यह है कि आप अपनी नज़र बाधाओं पर रखें और ध्यान केंद्रित रखें। मेरा लक्ष्य प्रत्येक बाधा को कुशलतापूर्वक पार करना और समय कम करना था।

ब्रिटेन में हिंसा के बीच श्रीलंका ने इंग्लैंड के साथ टेस्ट सीरीज पर सुरक्षा चिंता जताई

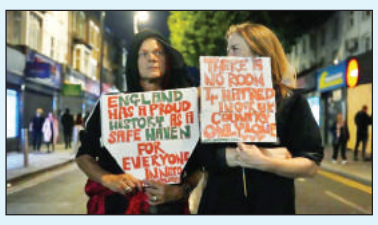

नई दिल्ली। श्रीलंका ने ब्रिटेन में चल रहे अप्रवासी विरोधी दंगों के बीच इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के समक्ष सुरक्षा संबंधी चिंता जताई है तथा खिलाड़ियों ने इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला से पहले सुरक्षा बढ़ाने का अनुरोध किया है। तीन मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले ट्रेनिंग के लिए इंग्लैंड में मौजूद श्रीलंकाई खिलाड़ियों ने अपने क्रिकेट बोर्ड से बेहतर व्यवस्था करने के लिए कहा है, क्योंकि रविवार को पूरी टेस्ट टीम के लंदन पहुंचने से पहले उनके पास सुरक्षा योजना नहीं है। इंग्लैंड में मौजूद एक श्रीलंकाई खिलाड़ी ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो से कहा, 'ज्यादातर मुद्दे हमारी मौजूदा स्थिति से अलग हैं, लेकिन फिर भी सभी थोड़े चिंतित हैं। हम डिनर के लिए बाहर नहीं जा सकते या ऐसा कुछ नहीं कर सकते। ज्यादातर हम होटल में ही रहते हैं। कोई भी परेशानी में नहीं पड़ना चाहता और न ही पिटना चाहता है।' खिलाड़ी ने कहा, 'हमने बोर्ड से कहा है कि मुख्य टीम के आने तक हमारे लिए कुछ सुरक्षा की मांग करें, लेकिन हमें अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है।' श्रीलंका टीम के मैनेजर महिंदा हलंगोडा ने कहा कि उन्होंने मैनचेस्टर में अशांति की रिपोर्ट पढ़ने के बाद ईसीबी के समक्ष सुरक्षा मुद्दे को उठाया, जहां पहला टेस्ट निर्धारित है। हलंगोडा ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो से कहा, 'मैंने उनके समक्ष मुद्दा उठाया और ईसीबी ने बहुत जल्दी जवाब दिया और हमें अपने व्यापक सुरक्षा इंतजाम भेजे। हम दौरे पर उनकी ओर से भी सुरक्षा संपर्क रखेंगे। '2022 में, श्रीलंका भी इंग्लैंड जैसी ही स्थिति में था, जब ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान ने द्विपक्षीय श्रृंखला के लिए संकटग्रस्त द्वीप राष्ट्र का दौरा करने पर नैतिक चिंता जताई थी।

हॉकी इंडिया ने कांस्य पर खुशी जताते हुए इनाम घोषित किया

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने पेरिस ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीतने पर खुशी जताते हुए कहा है कि टीम के सभी सदस्यों को 15-15 लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा। भारतीय टीम ने यहां तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में स्पेन को 2-1 से हराया। हॉकी इंडिया ने सोशल मीडिया में लिखा ,'' हॉकी इंडिया पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले प्रत्येक खिलाड़ी को 15 लाख रूपये जबकि सहयोगी स्टाफ को साढे सात लाख रूपये का पुरस्कार देगा। भारतीय टीम ने लगाता दूसरी बार कांस्य पदक जीता है। पिछले बार हुए टोक्यो ओलंपिक में भी भारतीय टीम ने कांस्य जीता था। इसी के साथ ही ओलंपिक में ये भारतीय हॉकी टीम का 13वां पदक है। भारतीय टीम ने ओलंपिक में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड को हराया था जबकि बेज्जियम से उसका मुकाबला बराबरी पर रहा था।

भारत की झोली में आया एक और पदक

पेरिस ओलंपिक में नीरज चोपड़ा ने रचा इतिहास, जीता सिल्वर मेडल

पेरिस, 09 अगस्त (एजेंसियां) । पाकिस्तान के अरशद नदीम ने गुरुवार देर रात रात ओलंपिक रिकॉर्ड बनाते हुए मेंस जैवलिन थ्रो का गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रच दिया। भारत के नीरज चोपड़ा ने दूसरे स्थान पर रहकर सिल्वर मेडल अपने नाम किया। इस तरह नीरज चोपड़ा ट्रैक एंड फील्ड इवेंट में दो पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट भी बन गए। पिछले ओलंपिक खेलों के गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने अपने दूसरे प्रयास में सर्वाधिक 89.45 मीटर दूर भाला फेंका जबकि अरशद नदीम ने 92.97 मीटर के साथ ओलंपिक रिकॉर्ड अपने नाम किया। आपको जानकर हैरानी होगी कि नीरज चोपड़ा ने 87.58 मीटर के के साथ तोक्यो ओलंपिक का स्वर्ण पदक जीता था जबकि उनका निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.94 मीटर है जो उन्होंने 2022 में स्टॉकहोम डाइमंड लीग में रजत पदक जीतने के दौरान किया था। मगर दो मीटर ज्यादा फेंकने के बावजूद उन्हें सिल्वर से ही संतोष करना पड़ा।

नीरज चोपड़ा पर कैसे भारी पड़े अरशद?

इससे पहले नीरज चोपड़ा ने क्वालीफिकेशन राउंड में 89.34 मीटर भाला फेंक कर अपने प्रतिद्वंदियों को कड़ा संदेश दिया था, लेकिन आज की शाम पाकिस्तान के अरशद नदीम के नाम थी। पाकिस्तान ने आजतक ट्रैक एंड फील्ड में कोई ओलंपिक पदक नहीं जीता था और अब आया भी तो सीधा गोल्ड मेडल। अपने पहले प्रयास में फाउल करने वाले अरशद नदीम ने दूसरी बार में 92.97 की दूरी निकाली जबकि नीरज चोपड़ा भी पहली कोशिश में असफल रहे और उनका भी दूसरा प्रयास ही सर्वाधिक रहा। अरशद से पहले सिर्फ दो खिलाड़ियों ने ही पाकिस्तान को व्यक्तिगत स्पर्धाओं में पदक जिताए थे। मोहम्मद बशीर ने 1960 में हुए रोम ओलंपिक में कुश्ती का कांस्य पदक जीता था तो हुसैन शाह ने 1988 में सिओल ओलंपिक में मुक्केबाज का कांसा अपने नाम किया था।

ओलंपिक इतिहास में खिलाब बरकरार रखने से चूके नीरज चोपड़ा

आठ साल से इंटरनेशनल सर्किट में दम दिखा रहे 26 वर्षीय नीरज चोपड़ा अगर गोल्ड मेडल जीत जाते तो ओलंपिक इतिहास में खिताब बरकरार रखने वाले पांचवें पुरुष भाला फेंक खिलाड़ी बनते। ओलंपिक की पुरुष भाला फेंक स्पर्धा में अभी तक एरिक लेमिंग (स्वीडन, 1908 और 1912), जोन्नी माइरा (फिनलैंड, 1920 और 1924), चोपड़ा के आदर्श जान जेलेंजी (चेक गणराज्य, 1992 और 1996) और आंद्रियास टी (नॉर्वे, 2004 और 2008) की ओलंपिक में भाला फेंक स्पर्धा में अपने खिताब का बचाव कर पाए हैं। दो मेडल जीतने वाले चौथे भारतीयभले ही नीरज चोपड़ा गोल्ड मेडल नहीं जीत पाए हो, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। दूसरे नंबर पर फिनिश करते ही वह स्वतंत्रता के बाद दो व्यक्तिगत ओलंपिक पदक जीतने वाले सिर्फ चौथे भारतीय खिलाड़ी बन गए। आजादी के बाद बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु (एक रजत और एक कांस्य), पहलवान सुशील कुमार (एक रजत और एक कांस्य) और निशानेबाज मनु भाकर (दो कांस्य) ही भारत के लिए दो ओलंपिक पदक जीत पाए हैं।

पेरिस ओलंपिक में सर्बिया को हराकर पुरुष बास्केटबॉल के फाइनल में पहुंचा अमेरिका

पेरिस, 09 अगस्त (एजेंसियां) । संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) ने 17 अंक से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए की कमी को शुक्रवार तड़के (भारतीय समयानुसार) सर्बिया को 95-91 से हराकर ओलंपिक पुरुष बास्केटबॉल के फाइनल में प्रवेश किया।

एनबीए के सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर लेब्रोन जेम्स के नेतृत्व वाली और लगातार पांचवें ओलंपिक खिताब की तलाश में लगी अमेरिकी टीम का सामना फाइनल में फ्रांस से होगा, जिसने दूसरे सेमीफाइनल में मौजूदा विश्व कप चैंपियन जर्मनी को 73-69 से हराया।

यूएसए के लिए गोल्डन स्टेट वॉरियर्स के स्टार स्टीफन करी ने 36 अंक बनाए और एनबीए स्कोरिंग लीडर लेब्रोन जेम्स ने 16 अंक, 12 रिबाउंड और 10 असिस्ट के साथ ट्रिपल-डबल बनाया।

वहीं, तीन बार के एनबीए मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर जोकिक ने सर्बिया के लिए 17 अंक और 11 असिस्ट के साथ समापन किया, जिन्होंने शानदार बोगदान बोगदानोविक से 20 अंक प्राप्त किए।

सर्बिया को हराने के लिए यूएसए को चौथे क्वार्टर में बहुत प्रयास करना पड़ा। सर्बिया ने अधिकांश समय बढ़त बनाए रखी और चौथे क्वार्टर में 76-63 से आगे हो गया, लेकिन इसके बाद केविन ड्यूरेंट और डेविन बुकर ने वापसी की शुरुआत करने के लिए बैक-टू-बैक थ्री-पॉइंटर्स लगाए।

जोएल एम्बीड ने तीन-पॉइंट प्ले के साथ स्टेट्स को चार के भीतर ला दिया और जेम्स ने 3:41 मिनट शेष रहते स्कोर 84-84 से बराबर कर दिया।

करी ने 2.24 मिनट शेष रहते थ्री-पॉइंटर लगाया और यूनाइटेड स्टेट्स को अपनी पहली बढ़त दिलाई। जेम्स ने ड्राइविंग लेअप के साथ पीछा किया, करी ने एक स्टील लिया और एक बास्केट के लिए ड्राइव किया जिसने यूएस की बढ़त को पांच तक पहुंचा दिया और अंततः यूएसए को फाइनल में पहुंचा दिया।

संयुक्त राज्य अमेरिका ने सर्बिया को 95-91 से हराया

बीसीबी ने विश्व कप के आयोजन के लिए सुरक्षा की मांग करते हुए सेना प्रमुख को लिखा पत्र

ढाका, 09 अगस्त (एजेंसियां) । देश की अंतरिम सरकार द्वारा आपातकाल लगाए जाने के बाद हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने आगामी आईसीसी महिला टी20 विश्व कप की मेज़बानी को लेकर आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ जनरल वाकर-उज-ज़मान को पत्र लिखा है। बीसीबी ने पत्र के जरिए टूर्नामेंट के आयोजन के लिए सुरक्षा आश्वासन मांगा है, जो वर्तमान में 27 सितंबर को अभ्यास मैचों के साथ शुरू होने वाला है।

इस बीच, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) बांग्लादेश की स्थिति पर बारीकी से नज़र रख रही है और उसने अन्य मेज़बान विकल्पों पर भी विचार किया है और टूर्नामेंट को स्थानांतरित किए जाने की स्थिति में, बांग्लादेश के समान समय क्षेत्र वाले देश को चुनने की संभावना है। भारत, यूएई और श्रीलंका इसकी ज़रूरतों को पूरा करते हैं।

गुरुवार को प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस, निर्वासित प्रधानमंत्री शेख हसीना की जगह लेने वाली अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार बन गए। देश से उनके जाने के बाद, बीसीबी के अध्यक्ष नजमुल हसन सहित कई बोर्ड निदेशक भी देश छोड़कर चले गए हैं, क्योंकि उन्हें हसीना की पार्टी अवामी लीग का समर्थन प्राप्त था। हालांकि, बोर्ड के कुछ अन्य निदेशक ढाका में ही रहते हैं और इस बड़े आयोजन की मेजबानी के संबंध में उम्मीद बनाए हुए हैं।

बीसीबी के अंपायर समिति के अध्यक्ष इफ्तिखार अहमद मिथु ने क्रिकबज से बातचीत में कहा, हम टूर्नामेंट की मेजबानी करने की कोशिश कर रहे हैं। ईमानदारी से कहूं तो देश में हमारे बीच बहुत अधिक लोग मौजूद नहीं हैं और गुरुवार (8 अगस्त) को हमने सेना प्रमुख को आईसीसी महिला टी20 विश्व कप की सुरक्षा के बारे में आश्वासन के लिए एक पत्र भेजा है, क्योंकि हमारे पास केवल दो महीने का समय बचा है।

उन्होंने कहा, आईसीसी ने दो दिन पहले हमसे संपर्क किया और हमने जवाब दिया कि हम जल्द ही उनसे संपर्क करेंगे। आज [अंतरिम] सरकार बनने के बाद भी हमें उन्हें सुरक्षा का आश्वासन देना है, क्योंकि यह बोर्ड या देश की कानून प्रवर्तन एजेंसी के अलावा किसी और द्वारा नहीं दिया जा सकता है और इसलिए हमने आज पत्र भेजा और उनसे [सेना] लिखित आश्वासन मिलने के बाद हम आईसीसी को सूचित करेंगे। विश्व कप के 18 दिनों में दस टीमों को 23 मैच खेलने हैं। ये मैच बांग्लादेश के दो स्थानों - ढाका में शेर-ए-बांग्ला राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम और सिलहट में सिलहट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम - पर 3 से 20 अक्टूबर तक खेले जाएंगे।

एडिलेड टेस्ट से पहले भारत खेलेगा दो दिवसीय डे-नाइट अभ्यास मैच

नई दिल्ली, 09 अगस्त। भारत, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड में होने वाले डे-नाइट टेस्ट से पहले दो दिवसीय पिंक बॉल वार्म-अप मैच खेलेगा, जब उसका सामना कैनबरा में प्रधानमंत्री एकादश से होगा। यह फ्लडलाइट मैच 30 नवंबर और 1 दिसंबर को मनुका ओवल में पहले और दूसरे टेस्ट के बीच के अंतराल में खेला जाएगा।

पिछले दो सत्रों में प्रधानमंत्री एकादश के मैच में चार दिवसीय मुकाबला होता था, जिसमें 2022 में वेस्टइंडीज (जो भी डे-नाइट मैच था) और 2023 में पाकिस्तान शामिल है, जो परंपरागत रूप से सीमित ओवरों का मैच रहा है, लेकिन भारत के मैच को केवल दो दिनों का कर दिया गया है।

2020-21 में ऑस्ट्रेलिया के अपने पिछले दौरे पर, भारत ने एडिलेड में दिन-रात्रि टेस्ट आठ विकेट से गंवा दिया था, जब वे दूसरी पारी में अपने सबसे कम टेस्ट स्कोर 36 पर ढेर हो गए थे, लेकिन ब्रिस्बेन में ऐतिहासिक प्रदर्शन के साथ भारतीय टीम ने 2-1 से श्रृंखला जीत ली थी। उस अवसर पर एडिलेड चार मैचों की श्रृंखला का पहला टेस्ट था - जो कोविड-19 सीमा बंद होने की चुनौतियों के बावजूद पूरा हुआ था - जबकि इस बार श्रृंखला पर्थ में शुरू होगी और इसमें पांच टेस्ट शामिल हैं।

कुल मिलाकर भारत ने सिर्फ चार दिन-रात्रि टेस्ट खेले हैं, जिसमें सबसे हालिया 2022 में बेंगलुरु में श्रीलंका के खिलाफ खेला गया था, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 12 (सभी घरेलू) मैच खेले हैं, जिसमें पिछले सीजन में ब्रिस्बेन में वेस्टइंडीज से आठ रन की हार शामिल है, जो गुलाबी गेंद के खिलाफ उनकी पहली हार थी।

हाल के सीज़न में प्रधानमंत्री की एकादश एक मजबूत टीम रही है जो प्रभावी रूप से ऑस्ट्रेलिया ए टीम रही है। मैट रेनशॉ ने पिछले दो मैचों में विशेष रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है, जिसमें उन्होंने वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के खिलाफ क्रमशः 81, 101 और नाबाद 136 रन बनाए हैं।

हालांकि, पिछले सीजन में मनुका ओवल की पिच की पाकिस्तान ने आलोचना की थी, क्योंकि यह बहुत धीमी और नीची थी और पर्थ में टेस्ट के लिए आदर्श तैयारी नहीं थी, हालांकि खराब मौसम ने ग्राउंडस्टाफ के लिए जीवन को मुश्किल बना दिया था। रात भर आए तूफान और कवर्स के फटने के बाद खेल का अंतिम दिन रद्द कर दिया गया।

भारत को 22 नवंबर को होने वाले पहले टेस्ट से पहले 15-18 नवंबर तक वाका में इंट्रा-स्क्वाड वार्म-अप करना है। वे न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के बाद ऑस्ट्रेलिया पहुंचेंगे। भारत ए की एक टीम अक्टूबर के अंत में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी और मैके और मेलबर्न में दो चार दिवसीय मैच खेलेगी।

रोहिदास को 4 करोड़ देगी ओड़ीशा सरकार : मुख्यमंत्री

पेरिस, 09 अगस्त (एजेंसियां) । पेरिस ओलंपिक में लगातार दूसरा कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम को पूरे देश से प्यार मिल रहा है। तो वहीं उन पर इनामों की बारिश भी हो रही है। इसी बीच ओडिशा के सीएम मोहन चरण माझी ने भी भारतीय हॉकी टीम और उनके साथ गए स्टाफ मेंबर्स के लिए एक बड़ी घोषणा की है।

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने पर भारतीय पुरुष हॉकी टीम को बधाई दी और टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को 15 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की। कप्तान हरमनप्रीत सिंह के दो गोल और पीआर श्रीजेश के आसान बचाव की बदौलत भारत ने पेरिस ओलंपिक में स्पेन को यवेस डू मनोइर स्टेडियम में 2-1 से हराकर कांस्य पदक जीता। गौरतलब है कि भारत ने 1972 के म्यूनिख खेलों के बाद 52 वर्षों में पहली बार लगातार कांस्य पदक जीता है।

सीएम माझी ने की घोषणा- एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीएम माझी ने घोषणा की कि भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कर्मचारियों के लिए 10 लाख रुपये का इनाम आवंटित किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि ओडिशा के अमित रोहिदास को 4 करोड़ रुपये का इनाम दिया जाएगा। सीएम माझी ने कहा, भारतीय हॉकी टीम ने स्पेन को हराकर कांस्य पदक जीता है, आने वाली पीढ़ी इस जीत को याद रखेगी। मैं अमित रोहिदास और अन्य सभी खिलाड़ियों को उनके प्रदर्शन के लिए बधाई देता हूं, और मैं यह भी घोषणा करता हूं कि सभी खिलाड़ियों को 15 लाख रुपये और स्टाफ को 10 लाख रुपये दिए जाएंगे। अमित रोहिदास को 4 करोड़ रुपये दिए जाएंगे।

इस बीच, ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने गुरुवार को पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम से बात की। ओडिशा के पूर्व सीएम ने पेरिस में कांस्य पदक मैच में स्पेन को हराने के लिए हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम को बधाई दी। नवीन पटनायक ने फोन पर कहा, ओडिशा और पूरे भारत की ओर से भारतीय टीम को बहुत-बहुत बधाई, हमें आप पर बहुत गर्व है। बहुत-बहुत बढ़िया किया।

भारत के लिए अपना आखिरी मैच खेल रहे श्रीजेश भावनाओं से भरे मैदान पर उतरे और टीम के बाकी खिलाड़ी भी भारत के हॉकी इतिहास के इस महत्वपूर्ण अवसर का जश्न मनाने के लिए उनके साथ शामिल हुए। कोच क्रेग फुल्टन के नेतृत्व में भारत ने इतिहास रच दिया और ओलंपिक में लगातार दो कांस्य पदक जीते।

विवेक सागर को 1 करोड़ रुपए देगी मध्याप्रदेश सरकार : डॉ.यादव

भारतीय हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक्स 2024 में शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया. उसने गुरुवार को स्पेन के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 2-1 से जीत दर्ज की. टीम इंडिया की जीत के बाद उसके लिए प्राइज मनी की घोषणा की गई. ओडिशा सरकार ने प्राइज मनी घोषित की है. अब मध्य प्रदेश सरकार ने भी बड़ा कदम उठाया है. एमपी के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने विवेक सागर प्रसाद के लिए 1 करोड़ रुपए का इनाम घोषित किया है. टीम इंडिया ने ओलंपिक्स में लगातार दूसरी बार ब्रॉन्ज मेडल जीता है. भारत ने इतिहास रचा है. उसने 52 सालों के बाद यह कारनामा किया है. टीम इंडिया की जीत के बाद उस पर पैसों की बारिश शुरू हो गई. मध्य प्रदेश के खिलाड़ी विवेक सागर को प्राइज मनी के तौर पर 1 करोड़ रुपए मिलेंगे. मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने यह घोषणा की है. उन्होंने विवेक से वीडियो कॉल के जरिए बात भी की. एमपी सीएम ने विवेक को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

लोकसभा में बैंकिंग कानून में संशोधन से जुड़ा विधेयक पेश

नई दिल्ली,09 अगस्त (एजेंसियां)। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को लोकसभा में बैंकिंग नियमों में बदलाव से जुड़ा बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया। विधेयक का उद्देश्य भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, बैंकिंग विनियमन अधिनियम और भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम में संशोधन करना है।

वित्त मंत्री के पेश इस बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 में प्रति बैंक खाते में नामांकित व्यक्तियों के विकल्प को मौजूदा एक से बढ़ाकर चार करने का प्रावधान है। इस विधेयक में पत्नी/पति या माता-पिता के अलावा भाई-बहन को भी नॉमिनी बनाने का विकल्प मिलेगा।

बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 को पिछले हफ्ते केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी प्रदान की थी। इसके तहत भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम 1934, बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949, भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955, बैंकिंग कंपनियां (उपक्रमों का अधिग्रहण और हस्तांतरण) अधिनियम 1970 और बैंकिंग कंपनियां (उपक्रमों का अधिग्रहण और हस्तांतरण) अधिनियम, 1980 में संशोधन करने का प्रस्ताव है।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2023-24 के बजट भाषण में बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 की घोषणा की थी।

सीबीडीटी आयकर बकाए की वसूली के लिए अभियान शुरू करेगा

मुंबई। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कहा है कि वह लंबित आयकर बकाये की वसूली के लिए अभियान शुरू करने की तैयारी कर रहा है। विभाग ने सितंबर के आखिर तक ऐसे 5,000 बड़े मामलों की पहचान करने के लिए एक विशेष टीम का गठन करेगा। ये मामले कुल बकाया करों के लगभग 60 फीसदी हिस्से के लिए जिम्मेदार होंगे। यह कार्रवाई सीबीडीटी की केंद्रीय कार्ययोजना का हिस्सा है, जिसमें अधिकारियों को पुराने कर मामलों को प्राथमिकता के साथ निपटाने के निर्देश दिए गए हैं। इस संदर्भ में सीबीडीटी ने जोर दिया है कि पिछली कर मांगों को निपटाने के लिए गंभीर प्रयासों की आवश्यकता है और इसके लिए लक्ष्यों को तय किया गया है। इन मामलों में करदाताओं को पहले ही नोटिस भेजे जा चुके हैं लेकिन विभिन्न कारणों से अभी तक भुगतान नहीं किया गया है। कानूनी मुकदमे, कंपनियों का बंद होना, करदाताओं का पता नहीं लग पाना और स्रोत पर कर कटौती में विसंगतियों के कारण ऐसे मामलों की संख्या बढ़ गई है। इसके अलावा कुछ मामलों पर अदालतों या न्यायाधिकरणों द्वारा रोक लगाने का आदेश भी दिया गया है। 1 अप्रैल तक लंबित कर बकाया 43 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है, जबकि 1 अप्रैल, 2023 में यह 24 लाख करोड़ रुपए था। सीबीडीटी ने अपनी कार्ययोजना में इसे अत्यधिक वृद्धि बताते हुए तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बांग्लादेश की ....

पिछले कुछ दिनों में बांग्लादेश के दो जेलों से 739 कैदी भाग निकले हैं। इनमें कई आतंकवादी

और कुख्यात अपराधी शामिल हैं। इसकी जानकारी मिलते ही पूरे बंगाल में राज्य और केंद्रीय एजेंसियों ने निगरानी बढ़ा दी है। सीमा से सटे इलाकों में चौकसी बढ़ा दी गई है। बांग्लादेश में विद्रोह होने के बाद हथियारबंद भीड़ ने शेरपुर जिला जेल पर धावा बोलकर 500 से अधिक कैदियों को छुड़ा लिया। उसी दिन, गाजीपुर स्थित काशिमपुर उच्च सुरक्षा वाली जेल से लगभग 209 कैदी भाग खड़े हुए। इस दौरान जेल प्रहरियों ने कैदियों को रोकने के लिए गोलीबारी की, जिसमें तीन आतंकवादी सहित छह लोग मारे गए। भागने वालों में से एक इकरामुल हक उर्फ अबू तल्हा भी है। हक को 2023 में बांग्लादेश की आतंकवाद निरोधक और अंतरराष्ट्रीय अपराध इकाई ने गिरफ्तार किया था।

इकरामुल हक की गिरफ्तारी भारतीय खुफिया एजेंसियों द्वारा साझा की गई जानकारी के आधार पर हुई थी। इसके बाद ढाका में बंगाल पुलिस ने उससे पूछताछ भी की थी। अधिकारियों का मानना है कि भागने वालों में नियामतुल्लाह नाम का एक और आतंकी शामिल है। इसका नाम कोलकाता के हरिदेवपुर में पकड़े गए एक मॉड्यूल ने अपने नेता के रूप में लिया था। यह जांच हो रही है कि कहीं जमातुल मुस्लिमीन का संचालन कमांडर अब्दुल अलीम और जकारिया मंडल भी तो जेल नहीं भागे। दोनों कुख्यात आतंकी उसी जेल में बंद थे। ये चारों आतंकी जमात-उल-मुजाहिदीन और अंसारुल्लाह बांग्ला से जुड़े हैं।

इसके अलावा, 7 अगस्त को कुश्तिया में जेल अधिकारियों पर हमला कर 30 कैदी फरार हो गए। बीएसएफ का कहना है कि मालदा के पास भारत-बांग्लादेश की सीमा के पार करीब आठ जेएमबी के आतंकी छिपे हुए हैं। गांव वालों ने आशंका जताई है कि ये नदी पार करके भारत में घुसपैठ कर सकते हैं। इसलिए वे रात भर जाग कर पहरेदारी कर रहे हैं। कोलकाता पुलिस ने शहर के सभी होटलों से आने वाले मेहमानों का विस्तृत बैकग्राउंड रखने को कहा है। स्थानीय पुलिस को ये विवरण रोजाना इकट्ठा करने को कहा गया है। यहां तक कि मध्य कोलकाता और अन्य इलाकों में दिन में दो बार जानकारी जुटाने के कहा गया है। इसके साथ ही इस जानकारी को लाल बाजार थाना और स्पेशल ब्रांच को रिपोर्ट करने को कहा गया है।

कोलकाता के कई इलाके ऐसे हैं, जहां पहले भी जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) के आतंकी छिपे थे। ऐसे इलाके अब जांच के दायरे में हैं। बिधाननगर पुलिस की टीमें एयरपोर्ट, नारायणपुर, बागुईआटी, राजारहाट, न्यू टाउन और भांगर के आसपास के इलाकों का चक्कर लगा रही है। पुलिस उन दलालों पर भी नजर रख रही है, जो बांग्लादेशियों को बंगाल में बसाने में मदद करते हैं। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के नवनियुक्त महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी ने जिला अधिकारियों और व्यापार निकायों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। उन्होंने बांग्लादेश से आने वाले अपराधियों को लेकर उन्हें आगाह किया। बोंगांव में एक व्यापारी संगठन के प्रतिनिधि ने कहा, हमें किसी की आईडी जांचे बिना उसे अंदर न आने देने को कहा गया है।

हिंदुओं पर हमला ...

लगातार हिंदुओं के खिलाफ इस्लामी कट्टरपंथी हिंसा कर रहे हैं। बांग्लादेश के अलग-अलग इलाकों में मंदिरों को तोड़ा और जलाया गया है। हिंदुओं की हत्याएं भी हुई हैं। उनके घर तोड़े और लूटे गए हैं। इसके अलावा महिलाओं से बलात्कार भी हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के नए मुखिया मोहम्मद युनुस को बधाई दी है। उन्होंने इसी के साथ बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा की आशा जताई है। पीएम मोदी ने बांग्लादेश के लोगों की भलाई की लिए मिलकर काम करने का भरोसा दिया है।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार में प्रोफ़ेसर युनुस के अलावा डॉ सलेहुद्दीन अहमद, हसन आरिफ, ब्रिगेडियर सखावत हुसैन, तौहीद हुसैन, फरीदा अख्तर, शर्मीन मुर्शीद, सैयदा रिजवाना हसन, नूरजहां बेगम, डॉ आसिफ नजरुल, आदिलुर रहमान खान, बिधान रंजन रॉय, फारुक आजम, सुप्रदीप चकमा, खालिद हुसैन, नाहिद इस्लाम और आसिफ महमूद को शामिल किया गया है। इस सरकार के सदस्यों में सबसे अधिक चिंताएं खालिद हुसैन के शामिल किए जाने पर बढ़ी हैं।बांग्लादेश की अंतरिम सरकार में अबुल फैयाज मोहम्मद खालिद हुसैन को भी सलाहकार बनाया गया है। खालिद हुसैन एक इस्लामी कट्टरपंथी देवबंदी मौलाना है। खालिद हुसैन हिफाजत-ए-इस्लाम बांग्लादेश नाम के एक संगठन से जुड़ा हुआ है। यह संगठन हिंदू और भारत विरोधी रवैया अपनाता आया है। हिफाजत-ए-इस्लाम संगठन बांग्लादेश को तालिबान शासित अफगानिस्तान की तरह बनाना चाहता है। यह संगठन हिंदू विरोधी हिंसा में लिप्त रहा है।खालिद हुसैन हिफाजत-ए-इस्लाम का उपाध्यक्ष रहा है। वह 2020-2021 के बीच इस संगठन का उप-मुखिया था। खालिद हुसैन का यह संगठन अपने हिंदू विरोधी रवैये के लिए जाना जाता रहा है। इस संगठन ने लगातार हिंदू विरोधी हिंसा को अंजाम दिया है। इसके सदस्य हिंदू मंदिरों पर हमला करते रहे हैं। यह संगठन भारत विरोधी भी है। यह संगठन लगातार बांग्लादेश में कट्टरपंथी इस्लाम लाने की वकालत करता रहा है।जिस संगठन के पूर्व उपाध्यक्ष खालिद हुसैन को युनुस सरकार में जगह दी गई है, वह 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बांग्लादेश दौरे पर हिंदू विरोधी हिंसा कर रहा था। इस दौरान इसके सदस्यों ने बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों पर हमले किए थे। इसके अलावा इन्होंने सड़कों पर काफी उत्पात मचाया था। हिफाजत-ए-इस्लाम के सदस्यों ने बांग्लादेश की सड़कों पर डायरेक्ट एक्शन डे के लिए नारे लगाए थे। उनका कहना था कि बांग्लादेश में 1946 जैसा डायरेक्ट एक्शन डे होना चाहिए जिसमें हिंदुओं का नरसंहार हुआ था। इस हिंसा के बाद हिफाजत-ए-इस्लाम के नेता ममनूल हक को शेख हसीना सरकार ने गिरफ्तार किया था। हक के ऊपर आरोप था कि उसने पीएम मोदी के दौरे के दौरान हिंसा भड़काई और तोड़फोड़ करवा कर बांग्लादेश को अस्थिर करने का प्रयास किया। हक ने पूछताछ में खुलासा किया था कि उसके संगठन के लोग शेख हसीना सरकार को सत्ता से हटाकर एक तालिबानी सरकार बांग्लादेश में लाना चाहते थे। हक और उसके संगठन के लोग ऐसे कार्यक्रम आयोजित करते थे, जहां मुस्लिमों को हथियार उठाने के लिए भड़काया जाता था।हिफाजत-ए-इस्लाम से जुड़ा एक और मौलाना रफीकुल इस्लाम मदनी भी हिंदू और भारत विरोधी जहर उगलता रहा है। उसने भी 2021 में पीएम मोदी की यात्रा के दौरान लोगों को भड़काया था। उसका आरोप था कि शेख हसीना की सरकार को हिंदुत्व वाली विचारधारा भारत से चला रही है। उसने एक वीडियो मैसेज जारी करके बांग्लादेशी मुस्लिमों को दिल्ली पर कब्जा करने का सन्देश दिया था। उसने कहा था कि बांग्लादेशी पीएम मोदी को रोकने के लिए शहीद भी हो जाएंगे।

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के विरुद्ध चालू हुई हिंसा उनके इस्तीफे के बाद हिंदू विरोधी हिंसा में बदल गई है। लगातार हिन्दुओ पर अत्याचार हो रहा है। इस्लामी कट्टरपंथी उनको प्रताड़ित कर रहे हैं। स्थितियां इतनी बिगड़ी हैं कि पीएम मोदी को अलग से हिंदुओं की सुरक्षा की अपील नई बांग्लादेशी सरकार से करनी पड़ी है। इस बीच अंतरिम सरकार में इस्लामी कट्टरपंथी मौलाना को शामिल किया जाना इस सरकार की मंशा पर सवाल खड़े करता है। यह मौलाना उसी सोच का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसमें मुस्लिमों के अलावा बाकी धर्मों के लोगों को काफिर की संज्ञा दी गई है।

सुरक्षा सुनिश्चित ...

समिति गठित की है। यह समिति बांग्लादेश में अपने समकक्ष अधिकारियों के साथ संवाद बनाए रखेगी, जिससे वहां रहने वाले भारतीय नागरिकों, हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इस समिति की अध्यक्षता सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की पूर्वी कमान के एडीजी करेंगे।बांग्लादेश में इस्लामी कट्टरपंथी लगातार हिंदू समुदाय को निशाना बना रहे हैं। सोमवार से शुरू हुए हमलों में अब तक सैकड़ों हत्याएं हो चुकी हैं। हमलों के डर से तमाम हिंदू परिवार सामूहिक पलायन करने को मजबूर हो गए हैं। बांग्लादेशी समाचार पोर्टल डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम बंगाल की सीमा से लगते बांग्लादेश के ठाकुरगांव और पंचगढ़ इलाकों में हजारों हिंदू भारत में प्रवेश करने के लिए जमा हो गए हैं। पंचगढ़ के अटवारी उपजिला के अंतर्गत अलोखावा संघ के अध्यक्ष मोजाकरुल आलम कोच्चि ने बताया कि ठाकुरगांव और पंचगढ़ के विभिन्न इलाकों में हजारों हिंदू बरशालुपारा सीमा के पास पहुंचे हैं। उनका कहना है कि हमलावरों ने उनके घर, दुकान और मंदिरों से कीमती सामान लूट लिया है। इसके साथ ही चेतावनी दी है कि अगर वापस लौटे, तो जान से मार दिया जाएगा। मोजाकरुल ने बताया कि बांग्लादेश बॉर्डर गार्ड के कर्मियों के अनुरोध के बावजूद हिंदू परिवार घर लौटने को तैयार नहीं हैं, जबकि भारतीय सीमा में प्रवेश के लिए उनके पास वीजा नहीं है। उन्होंने बताया कि फिलहाल सीमा पर करीब 5 हजार से ज्यादा लोग होंगे।

वक्फ विधेयक...

थी कि इस बिल को लेकर सदन में काफी हंगामा होने वाला है। विपक्ष ने जमकर हंगामा किया तो वहीं सत्तापक्ष की तरफ से अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने बिल के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने तमाम तर्कों और उदाहरणों को देकर बताया कि क्यों इस विधेयक को लाना जरूरी है। भारतीय जनता पार्टी को इस मुद्दे पर अपने दोनों बड़े सहयोगियों जनता दल यू और तेलुगु देशम पार्टी का भी साथ मिला।सरकार चाहती तो ये बिल दोनों सदनों से पास करा सकती थी, पर इसके बावजूद अचानक रिजिजू ने बिल को जेपीसी को भेजने की घोषणा कर दी। इसके पहले असदुद्दीन ओवैसी ने बिल पर डिवीजन की मांग रखी थी। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सवाल उठाया था कि इस पर डिवीजन नहीं बनता। ओवैसी ने कहा, हम तो शुरू से डिवीजन की मांग कर रहे हैं। किरेन रिजिजू ने कहा कि हम भागने वाले नहीं हैं। उन्होंने विधेयक पेश करते हुए कहा कि इस बिल को यहां से पास कर दीजिए। इसके बाद इसमें जो भी स्क्रूटनी करनी हो, हम तैयार हैं। ये बिल बनाकर आप जेपीसी को भेज दीजिए। हर दल के सदस्य उस कमेटी में हों।सवाल यह उठता है कि क्या विपक्ष के विरोध के आगे सरकार ने हार मान ली या जेपीसी को भेजने के पीछे भी भारतीय जनता पार्टी की कोई रणनीति है। क्योंकि भारतीय जनता पार्टी की पिछले 10 सालों में यह रणनीति रही है कि जो बिल सदन में लाए उसको पास जरूर कराया है। अचानक इस तरह का हृदय परिवर्तन राजनीतिक विश्लेषकों को पच नहीं रहा है। दरअसल भारतीय जनता पार्टी ने इस बिल का मीडिया ट्रायल कराकर ये समझ लिया है कि देश की आम जनता इस बिल को पसंद कर रही है। पार्टी को यह भी पता चल चुका है कि मुस्लिम समुदाय में भी इस बिल में सुधार की जरूरत महसूस की जा रही है। शायद यही सोचकर केंद्र ने इस बिल को लटका दिया है। पार्टी चाहती है कि इस बिल पर और बहस हो, क्योंकि जितनी बहस होगी लोग पार्टी के पक्ष में और पोलराइज्ड होंगे। पार्टी चाहती है कि इस बिल की अच्छाइयां आम जनता तक पहुंचे। जेपीसी की जब-जब बैठकें होंगी इस बिल का मीडिया ट्रायल होगा। बिल की छोटी-छोटी बातों पर बहस होगी। इस तरह जितनी चर्चा होगी, उतना ही पार्टी के पास मौका होगा कि वह आम जनता से भाजपा को सपोर्ट करने को कहे। दूसरी बात इस बिल को लेकर खूब हिंदू मुसलमान भी होगा। विशेषकर कांग्रेस जो पहले इस बिल का विरोध नहीं करना चाहती थी उसे भी हिंदुओं के बीच पार्टी खलनायक घोषित कर सकेगी। सीएए का विरोध न करके कांग्रेस ने भाजपा को हिंदू-मुस्लिम करने का मौका ही नहीं दिया था, पर इस बार कांग्रेस फंस गई है। उसे अपने सांसदों के दबाव में आना पड़ गया है। भाजपा इसी का लाभ उठाना चाहती है।भारतीय जनता पार्टी राम मंदिर बनवाकर समझ चुकी है किसी भी समस्या के समाधान हो जाने के बाद जनता के लिए वह मुद्दा खत्म हो जाता है। अगर राम मंदिर बनने में कोई समस्या रह गई होती तो हो सकता है कि कम से कम उत्तर प्रदेश में तो भाजपा को लोकसभा चुनावों में करारी शिकस्त का सामना नहीं करना पड़ता। भाजपा यह जानती है कि वक्फ बोर्ड पर अगर अभी कानून बन गया तो इसका फायदा चुनावों में नहीं उठाया जा सकता। इसलिए पुराने जमाने की कांग्रेस की तरह भाजपा ने भी सीख लिया है मुद्दे को जीवित रखना है तो मुद्दे का कभी समाधान नहीं करना है। इसी रणनीति के तहत शायद उत्तर प्रदेश में नजूल भूमि विधेयक भी रोक दिया गया। क्योंकि उत्तर प्रदेश के दोनों सदनों में पार्टी का बहुमत है। पार्टी जो चाहे कानून पास करा सकती है।वक्फ बोर्ड संशोधन से जुड़े बिल पर गुरुवार को विपक्ष ने भी जमकर हंगामा काटा था और इस बिल को जेपीसी के पास भेजने की मांग की थी। एनसीपी (शरद पवार) की सांसद सुप्रिया सुले ने कहा, मैं सरकार से अनुरोध करती हूं कि या तो इस विधेयक को पूरी तरह से वापस ले या इसे संसद की किसी समिति को भेज दें। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लोकसभा में कई मुद्दों पर जेपीसी की मांग करते रहे हैं और सरकार उनकी मांग से इन्कार करती रही है। पर इस बार विपक्ष की यह भी मांग सरकार ने पूरी कर दी है। वह भी राहुल गांधी के डिमांड करने के पहले ही। केंद्र सरकार ने वक्फ बोर्ड संशोधन बिल को जेपीसी को भेज कर राहुल गांधी को बोलने का मौका ही नहीं दिया।

17 महीने बाद....

रुपए के निजी मुचलके और इतनी ही राशि के दो जमानतदारों पर जमानत पर रिहा किया जाए।बता दें कि सिसोदिया को रद्द हो चुकी दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 बनाने, इसके कार्यान्वयन में बरती गई अनियमितताओं के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पहले 26 फरवरी 2023 को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने गिरफ्तार किया था। बाद में कई अलग-अलग आरोपों के तहत प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने भी सिसोदिया पर शिकंजा कसा। उन्होंने 28 फरवरी 2023 को दिल्ली कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया। सिसोदिया ने यह कहते हुए जमानत मांगी थी कि वह 17 महीने से हिरासत में हैं और उनके खिलाफ मुकदमा अभी तक शुरू नहीं हुआ है। ईडी और सीबीआई ने उनकी जमानत याचिकाओं का विरोध किया था।

दिल्ली से पकड़ा...

जिसमें पिस्टल शामिल है।बताया जा रहा है कि रिजवान ने दिल्ली के कुछ वीआईपी इलाकों की रेकी की हुई थी। उसका मकसद किसी बड़ी आतंकी घटना को अंजाम देने का था। अब गिरफ्तारी के बाद उसके ऊपर यूएपीए के तहत केस दर्ज करके रिजवान के नेटवर्क का पता लगाने का प्रयास हो रहा है। गौरतलब है कि रिजवान अली, पुणे आईएसआईएस मॉड्यूल में कुख्यात आतंकियों में शामिल था। दिल्ली पुलिस को उसके दरियागंज में होने की जानकारी मिली थी। अब पुलिस उसे पकड़कर उससे से पूछताछ में लगी है। गिरफ्तारी के दौरान उसके पास से हथियार बरामद हुए हैं। रिजवान के पकड़ में आने से पहले साल 2023 के सितंबर-अक्टूबर में पुलिस ने उसी के साथी आतंकी शाहनवाज को गिरफ्तार किया था। वांटेड लिस्ट में शामिल अब्दुल डायपरवाला अब भी फरार है।

प्रदेश में जल्द ...

कांग्रेस, पीडीपी, सीपीआई (एम) के प्रतिनिधियों के साथ मुलाकात की। सभी ने एक स्वर में कहा कि जल्द चुनाव कराए जाने चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने 30 सितंबर तक चुनाव कराने का निर्देश दिया है। वहीं, कांग्रेस ने दिल्ली में उच्च स्तरीय बैठक में विधानसभा चुनाव की रणनीति पर विचार-विमर्श किया। इसके अलावा भाजपा ने चुनावी तैयारियों को गति देते हुए 132 सदस्यीय चुनाव प्रबंधन समिति का गठन किया।

नेकां के प्रांतीय अध्यक्ष नासिर असलम वानी ने पार्टी के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा कि नेकां जम्मू-कश्मीर में तत्काल विधानसभा चुनाव की मांग करती है। जम्मू-कश्मीर के लोग अब अपनी सरकार चाहते हैं। हमने चुनाव आयोग से निश्चित निर्णय लेने के लिए कहा। 2018 से जम्मू-कश्मीर में कोई सरकार नहीं है और पिछले 10 वर्षों से विधानसभा चुनाव नहीं हुए हैं। एक एलजी, उनके एकमात्र सलाहकार और कुछ नौकरशाह जम्मू-कश्मीर को नहीं चला सकते। वानी ने कहा, हमें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, राजनीतिक, विकासात्मक और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को तब ही संबोधित किया जा सकता है जब जनता के पास चुने हुए प्रतिनिधि हों। चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों को आश्वासन दिया है कि चुनाव होंगे। वानी ने कहा कि पार्टी को उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट की 30 सितंबर की समय सीमा पूरी हो जाएगी। कठिन समय में भी मतदान हुए हैं, यहां तक कि 1996 में भी जब हालात खराब थे।

भाजपा की जम्मू-कश्मीर इकाई ने भी तत्काल विधानसभा चुनाव की वकालत की। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता आरएस पठानिया ने कहा, हम चाहते हैं कि जल्द से जल्द चुनाव कराए जाएं। पार्टी चाहती है कि चुनाव सुप्रीम कोर्ट की समय सीमा के भीतर हों। कांग्रेस नेता जीएन मोंगा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र फलना-फूलना चाहिए। लेकिन जम्मू-कश्मीर के लोग पिछले कई सालों से चुनाव के बिना हैं। पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग के साथ जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा परिदृश्य पर भी चर्चा की। इसलिए, हमने अपील की कि हर पार्टी को एक ही तराजू में तोला जाना चाहिए।

पीडीपी नेता खुर्शीद आलम ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों को अपनी सरकार चुनने का अधिकार होना चाहिए। आलम ने पूछा, जब सरकार कहती है कि स्थिति में सुधार हुआ है और बेहतर है, जब एक करोड़ पर्यटक यहां आए, जब संसदीय चुनाव और अमरनाथ यात्रा बिना किसी घटना के हुई, तो चुनाव न कराने का क्या औचित्य है। उन्होंने कहा कि समय की मांग है कि जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र बहाल किया जाए। देश लोकतंत्र में विश्वास करता है, इसलिए तुरंत चुनाव कराने चाहिए। उन्होंने कहा कि ईसीआई से बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है।

नस्लीय हिंसा....

बांग्लादेश में हिंसा नहीं रुक रही है। पहले आंदोलनकारी सरकार और आवामी लीग को निशाना बना रहे थे, अब बांग्लादेश में रहने वाले हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक दंगाइयों के निशाने पर हैं। बांग्लादेश में कई हिंदू मंदिरों, घरों और व्यवसायों में तोड़फोड़ की गई है। सोमवार को शेख हसीना की पार्टी से जुड़े आवामी लीग के दो हिंदू नेताओं की हत्या कर दी गई। सोमवार को ही लोकप्रिय संगीत बैंड जोलर गान के मुख्य सदस्य राहुल आनंद के घर पर तोड़फोड़ और आगजनी की गई। हिंसा के चलते राहुल आनंद और उनके परिजनों को अपना घर छोड़कर भागना पड़ा, जिससे उनकी जान बच पाई।शेख हसीना के बीती 5 अगस्त को इस्तीफे और देश छोड़कर जाने के बाद भड़की हिंसा में कम से कम 232 लोगों की मौत हुई है। इसके बाद जुलाई में शुरू हुई आरक्षण विरोधी हिंसा में अब तक मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 560 हो गया है। गुरुवार को बांग्लादेश में अंतरिम सरकार का गठन हो गया और नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार का प्रमुख सलाहकार नियुक्त किया गया है। बांग्लादेश में संयुक्त राष्ट्र के रेजीडेंट समन्वयक ग्विन लुईस शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। तख्तापलट के बाद बांग्लादेश में इस्लामी कट्टरपंथी लगातार हिंदू समुदाय को निशाना बना रहे हैं। सोमवार से शुरू हुए हमलों में अब तक सैकड़ों हत्याएं हो चुकी हैं। हमलों के डर से तमाम हिंदू परिवार सामूहिक पलायन करने को मजबूर हो गए हैं। स्थानीय पत्रकार जीबन अल मामून के मुताबिक बुधवार दोपहर ठाकुरगांव के रानीसंकैल उपजिला के जगदल सीमा के पास नो-मैन्स लैंड में भी हजारों हिंदू परिवार जमा हैं, जिनमें से ज्यादातर का कहना है कि उनके पास किसी भी तरह भारत जाने के अलावा दूसरा कोई विकल्प नहीं है। क्योंकि, उनके घरों और दुकानों पर कट्टरपंथियों का कब्जा हो चुका है और अगर वे वापस लौटे, तो उन्हें मार डाला जाएगा।

बांग्लादेश के धार्मिक अल्पसंख्यकों के एक संगठन का नेतृत्व करने वाले राणा दास गुप्ता का कहना है कि हिंदुओं पर हुए हमलों में सैकड़ों लोग मारे गए हैं। फिलहाल, सटीक संख्या का पता नहीं लगाया जा सकता है। लेकिन, हजारों लोग घायल और बेघर हो चुके हैं। हिंदुओं के जिन लोगों के घरों पर हमला हुआ है, उनमें से कुछ लोग सीधे तौर पर अवामी लीग की राजनीति से जुड़े थे, लेकिन ज्यादातर आम हिंदू हैं। हमलावर सिर्फ सांप्रदायिक नफरत के चलते हिंदुओं को निशाना बना रहे हैं। इसे सांप्रदायिक हिंसा नहीं कहा जा सकता, क्योंकि हिंदू आत्मरक्षा और पलटवार की स्थिति में भी नहीं, वे तो बस एक नरसंहार का शिकार हो रहे हैं।

बांग्लादेश में जारी उथल-पुथल और भारी हिंसा के बीच अपनी जान बचाने के लिए बड़ी संख्या में बांग्लादेशी नागरिक अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर भारत में घुसने की कोशिश कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल से लगी बांग्लादेश सीमा पर उत्तर दिनाजपुर जिले की सीमा पर भारत में प्रवेश करने के लिए एकत्र हुई भीड़ को रोकने के लिए बीएसएफ को चेतावनी स्वरूप एक राउंड हवाई फायरिंग करनी पड़ी। बीएसएफ के उत्तर बंगाल फ्रंटियर के डीआईजी अमित कुमार त्यागी ने बताया कि बुधवार को पड़ोसी देश के ठाकुरगांव जिले के 200 से अधिक ग्रामीण, जिनमें से अधिकांश शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के सदस्य और हिंदू थे, सीमा पार करने के लिए जमा हुए। इसके बाद भीड़ को नियंत्रित करने के लिए हवाई फायरिंग की गई। इसी तरह लगभग 600 से अधिक बांग्लादेशी उत्तर बंगाल में जलपाईगुड़ी सीमा के पास एकत्रित हुए थे और भारतीय सीमा में आने देने की गुहार लगा रहे थे। बीएसएफ ने उन्हें रोक दिया। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले मंगलवार रात को अवामी लीग के पूर्व सांसद कमरुल अरेफिन, उनकी पत्नी और दो बेटियों ने कोलकाता से सटे उत्तर 24 परगना जिले में पेट्रापोल-बेनापोल सीमा के जरिए बिना वैध वीजा के भारत में घुसने की कोशिश की।

संवेदनशील हालात के बीच यह भी चौंकाने वाला है कि अमेरिकी सरकार जहां कट्टरपंथियों के साथ काम करने को आतुर नजर आ रही है। वहीं, भारतीय मूल के सांसद हिंदुओं पर हो रहे हमलों को लेकर चिंता जता रहे हैं। सांसद रो खन्ना ने कहा, बांग्लादेशी छात्रों को प्रधानमंत्री हसीना के खिलाफ मानवाधिकारों की चिंता थी। हिंदुओं को निशाना बनाकर की जा रही हिंसा गलत है। कांग्रेस सदस्य राजा कृष्णमूर्ति ने कहा, बांग्लादेश में फैली हिंसा में जिस तरह हिंदू अल्पसंख्यकों, उनके घरों, व्यवसायों और मंदिरों को क्रूर तरीके से निशाना बनाया जा रहा है, वह निंदनीय है। इसे तुरंत रोका जाना चाहिए। वहीं, हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन की पॉलिसी रिसर्च निदेशक अनीता जोशी और हिंदू एक्शन के उत्सव चक्रवर्ती बांग्लादेश अल्पसंख्यक मानवाधिकार समूह की कार्यकारी निदेशक प्रिया साहा और भू-राजनीतिक विश्लेषक जय कंसारा ने वाशिंगटन में अमेरिकी विदेश विभाग के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता (आईआरएफ) के लिए अमेरिकी राजदूत रशद हुसैन से मुलाकात कर इस मामले में दखल का आग्रह किया।

बांग्लादेशी घुसपैठिए....

गरीब आबादी बसती है। इस इलाके में घुसने और आम ग्रामीणों से सम्पर्क साधने के लिए यह बांग्लादेशी यहां सामान बेचने वाला बन कर घुसते हैं। इसके बाद यह ग्रामीणों को अफीम की खेती के बारे में बताते हैं।

बताया गया कि यह बांग्लादेशी तस्कर ग्रामीणों को समझाते हैं कि अफीम की खेती कम इलाके में बहुत अच्छा फायदा देती है। ग्रामीण भी जल्दी पैसा कमाने की चाहत में अपनी जमीन अफीम खेती के लिए देने को तैयार हो जाते हैं। इसके बाद बांग्लादेशी घुसपैठिए इन्हें अफीम के बीज, खाद और कीटनाशक तक लाकर देते हैं। फसल होने के बाद इस अफीम को भारत से तस्करी कर बांग्लादेश ले जाया जाता है। अफीम की कीमत विदेशी बाजारों में लाखों रूपए में है। अफीम की खेती से निकलने वाला पोस्ता दाना भी उपयोग में आता है। ग्रामीण भी इससे फायदा उठाते हैं।

यह धंधा लम्बे समय से चल रहा है। पुलिस जब सख्ती करती है तो इस इलाके में बांग्लादेशियों की गतिविधियां कुछ दिनों के लिए रुक जाती हैं। जैसे ही पुलिस अपनी कार्रवाई कम करती है, यह बांग्लादेशी दोबारा से अपना धंधा चालू कर देते हैं। इन जिलों में अफीम की खेती का दायरा इतना बढ़ चुका है कि 2009 में सैटेलाईट से इनकी ट्रैकिंग करवाई गई थी। यह तस्कर पश्चिम बंगाल और झारखंड में सीमा पार करते रहते हैं और इस खेती को बढ़ाते हैं। हाल ही में झारखंड के चाईबासा लगभग 6 करोड़ की अफीम जब्त की गई थी। झारखंड के ही चतरा में 2023 में केवल जून माह तक ही 125 गांवों में अफीम की खेती की बात सामने आई थी। बताया जा रहा है कि अवैध अफीम का यह कारोबार 100 करोड़ का है। झारखंड में सैटेलाईट से नजर रखे जाने के बाद इस इलाके में कुछ सफलता मिली है। हालाँकि, सीमाई इलाकों में अब भी कहीं कहीं अफीम उगा कर बेचीं जा रही है।

गौरतलब है कि संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठ एक बड़ा मुद्दा है। इस मुद्दे को लगातार विपक्ष उठा भी रहा है। हाल ही में झारखंड हाई कोर्ट ने इस पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा था कि सरकार जल्द से जल्द सभी बांग्लादेशियों की पहचान करके उनको बाहर निकाले। कोर्ट के इस फैसले के बाद साहिबगंज जिला में एक कमिटी भी प्रशासन ने बनाई थी। बांग्लादेशी घुसपैठ का असर चुनावों पर भी होने का असर है। भाजपा झारखंड ने हाल ही में एक रिपोर्ट राज्य चुनाव आयोग को सौंपी थी। इसमें कहा गया था कि राज्य के 1467 बूथ पर अप्रत्याशित ढंग से वोटों में बढ़ोतरी हुई है। यह बढ़ोतरी कुछ बूथ पर 100% से अधिक है। झारखंड में अफीम की खेती को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने भी चिंता जताई है। उन्होंने कहा है कि इससे संथाल परगना के युवाओं को नशे में फंसा बर्बाद करने की साजिश हो रही है। उन्होंने झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार पर इस मामले में ढिलाई बरतने का आरोप लगाया है।

झारखंड हाईकोर्ट न.....

खंडपीठ ने डैनियल दानिश द्वारा दायर जनहित याचिका पर गुरुवार को सुनवाई की। अदालत ने कहा कि बांग्लादेश में मौजूदा अस्थिर स्थिति को देखते हुए अवैध आप्रवासन बढ़ेगा। पीठ ने खुफिया ब्यूरो के निदेशक, बीएसएफ के महानिदेशक, भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त और भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के महानिदेशक को मामले में पक्षकार बनाने का आदेश दिया है। कोर्ट ने सभी को नोटिस जारी करते हुए मामले में जवाब दाखिल करने का आदेश दिया।झारखंड उच्च न्यायालय ने कुछ दिन पहले अवैध आप्रवासन के मामले में उचित हलफनामा दाखिल नहीं करने पर राज्य सरकार को फटकार लगाई थी। एक जनहित याचिका में दावा किया गया था कि बांग्लादेश से अवैध आप्रवासन संथाल परगना जिलों में रहने वाली यहां की जनसंख्या को प्रभावित कर रहे हैं। जिसको लेकर हाईकोर्ट सुनवाई कर रहा है। जनहित याचिका में आरोप लगाया गया था कि बांग्लादेश से अवैध अप्रवास के कारण संथाल परगना जिलों की सामाजिक जनसांख्यिकी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। अवैध अप्रवासी जमीन हासिल करने के लिए आदिवासियों से शादी कर रहे हैं।विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में पूछा गया कि अब तक बांग्लादेश से भारत वापस लाए गए नागरिकों की संख्या कितनी है? क्या पड़ोसी देश से भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए कोई विशेष अभियान शुरू किया गया है? जिसका जवाब देते हुए उन्होंने बताया कि 18 जुलाई से एक अगस्त 2024 तक 7200 से अधिक भारतीय छात्र बांग्लादेश से भारत लौट आए हैं। उन्होंने बताया कि उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार, बांग्लादेश में 9000 से अधिक छात्रों सहित लगभग 19000 भारतीय नागरिक रहते हैं।

इतनी डरावनी थी शिव जी की बारात कि देवी मैना भी हो गईं भयभीत

माता पार्वती की कड़ी तपस्या के बाद भगवान शिव ने उन्हें पत्नी के रूप में स्वीकार किया। जब शिव जी, पार्वती माता से विवाह करने के लिए अपनी बारात के साथ उनके द्वार पर पहुचे, तब उस बारात और शिव जी के स्वरूप को देखकर कई लोग भयभीत हो गए थे। ऐसे में चलिए जानते हैं श्री रामचरितमानस के बालकांड में वर्णित शिव जी की बारात का वर्णन।

इस तरह दूल्हा बने शिव जी

श्री रामचरितमानस के बालकांड में शिव जी के विवाह का वर्णन मिलता है, जिसमें बताया गया कि शिव जी का विवाह वैदिक रीति से हुआ था। शिव जी का विवाह तय होने पर सभी देवी-देवता बड़े प्रसन्न हुए। जब महादेव दूल्हा बनकर तैयार हुए तो उनका स्वरूप सबसे निराला था। दूल्हे के रूप में शिव जी के गले में सांप और तन पर राख लिपटी हुई थी। शिव जी ने गले में नरमुंड माला धारण की हुई थी। एक रात में डमरू तो दूसरे हाथ में त्रिशूल शोभित था और शिवजी बल पर सवार थे।

कैसी थी बारात?

बारात में भूत-पिशाच, नंदी से लेकर यक्ष, गंधर्व, अप्सराएं, किन्नर आदि के साथ-साथ जानवर, सांप-बिच्छू भी शामिल थे। शिव जी के गणों में किसी का मुख नहीं था, तो किसी के कई मुख थे। इसी तरह बिना हाथ-पैर या कई हाथ पैर वाले गण शिव जी के बारात बने। बारात में शामिल सबी भूत-पिशाच, गण आद अपनी मौज-मस्ती में आगे बढ़ रहे थे।

जब बारात मुख्य द्वार तर पहुची तो इसे देखकर सभी हैरान थे। ऐसा कहा जाता है कि शिव जी बारात को देखकर वहां मौजूद महिलाएं भयभीत होकर वहां से भाग गईं। यहां तक की पार्वती जी की मां मैना भी इस रूप को देखकर हैरान रह गईं। लेकिन माता पार्वती, शिव जी के इस स्वरूप और बारात को देखकर बिल्कुल भी विचलित नहीं हुईं।

नारद मुनि ने समझाई सारी बात

शिव जी के इस स्वरूप को देखकर देवी मैना व्याकुल हो गई थीं और उन्होंने इस विवाह से इनकार कर दिया था। इसका एक कारण यह भी था कि माता पार्वती और भगवान शिव में कोई समानता नहीं थी। जहां शिव जी का निवास स्थान खुला कैलाश पर्वत था। वहीं, पर्वत राज हिमालय और रानी मैना की बेटी पार्वती जी का पालन-पोषण महलों में हुआ था। भगवान शिव सांसारिक मोह-माया से काफी दूर थे। इन सभी चीजों को देखते हुए हिमालय राज और देवी मैना वती इस विवाह के लिए राजी नहीं हुए। तब नारद जी ने शिवजी और पार्वती की पुनर्जन्म की कथा उन दोनों को बताई और उन्हें भगवान शिव की शक्तियों से अवगत कराया। जिसके बाद वह विवाह के लिए मान गए।

कब पड़ रहा है सावन का आखिरी सोमवार जरूर करें इस दिन व्रत का उद्यापन

शिवलिंग पर जल चढ़ाने मात्र से भोलेनाथ प्रसन्न हो जाते हैं, लेकिन सोमवार के दिन भगवान शिव की पूजा अर्चना और व्रत करने से भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। सावन महीने का समापन 19 अगस्त को होने जा रहा है। इस दिन सोमवार भी है। यदि आप पूरे महीने व्रत रख रहे हैं, तो इस दिन व्रत का उद्यापन जरूर करें।

हिंदू धर्म में श्रावण मास का विशेष महत्व है। यह महीना पूरी तरह से भगवान शिव का समर्पित माना जाता है। श्रावण मास में भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करना बहुत फलदायी मानी जाती है। इस बार श्रावण मास की शुरुआत सोमवार के पवित्र दिन से हुई है और इस बार पूरे सावन में कुल 5 सोमवार हैं।

इस साल सावन का महीना 22 जुलाई से शुरू हुआ है। सावन माह का समापन श्रावण पूर्णिमा के दिन होता है। सावन पूर्णिमा के दिन रक्षाबंधन, संस्कृत दिवस, नारली पूर्णिमा और गायत्री जयंती का त्योहार मनाया जाएगा। इसके अलावा इसी दिन सावन सोमवार का पांचवां व्रत भी रखा जाएगा।

सावन का आखिरी सोमवार

सावन मास का समापन 19 अगस्त को रात्रि 11 बजकर 55 मिनट पर होगा। उसके बाद भाद्रपद या भादो का महीना शुरू हो जाएगा। सावन माह के आखिरी दिन सावन सोमवार का व्रत भी रखा जाएगा। इस साल सावन की शुरुआत 22 जुलाई से हुई थी।

सावन मास का आखिरी व्रत सोमवार 19 अगस्त 2024 को रखा जाएगा। 18 जुलाई को सावन शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी की क्षय तिथि है, इसलिए पूर्णिमा 19 अगस्त को ही प्रवेश करेगी। पूर्णिमा शुरू होते ही भद्रा भी शुरू हो जाती है। जो 19 अगस्त की दोपहर 1:31 बजे तक रहेगी।

सावन सोमवार व्रत उद्यापन

सावन के आखिरी दिन रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जाएगा। इस दिन बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं। इसके अलावा सावन के आखिरी दिन गायत्री जयंती, संस्कृत दिवस, नारली पूर्णिमा और हयग्रीव जयंती का त्योहार भी मनाया जाएगा।

अगर आपने हर सोमवार का व्रत किया है, तो आपको सावन के आखिरी दिन व्रत का उद्यापन करना चाहिए। तभी आपको व्रत और सावन पूजा का पूरा लाभ मिलेगा।

सावन माह का महत्व

श्रावण माह में देवी पार्वती ने भगवान शिव को पाने के लिए कठोर व्रत किया था।

ऐसा कहा जाता है कि यही कारण है कि सावन का महीना भगवान शिव को बहुत प्रिय माना जाता है।

इस महीने में सभी शिव भक्त भगवान शिव को जल चढ़ाते हैं। इस दौरान भगवान शिव अपने भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं।

भगवान कार्तिकेय को समर्पित है स्कंद षष्ठी,जानें पूजा विधि

प्रत्येक माह की शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को स्कंद षष्ठी का व्रत किया जाता है। इस तिथि पर मुख्य रूप से भगवान स्कंद अर्थात भगवान कार्तिकेय की पूजा-अर्चना का विधान है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस तिथि पर भगवान कार्तिकेय का जन्म हुआ था। ऐसा माना जाता है कि स्कंद षष्ठी की पूजा से ग्रह दोष शांत हो सकते हैं। ऐसे में आइए पढ़ते हैं स्कंद षष्ठी की पूजा विधि।

स्कंद षष्ठी का शुभ मुहूर्त

सावन माह की शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि 10 अगस्त को प्रातः 03 बजकर 14 मिनट पर होगी। जिसका समापन 11 अगस्त को प्रात 05 बजकर 44 मिनट पर ही होगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, 10 अगस्त 2024, शनिवार को स्कंद षष्ठी मनाई जाएगी।

स्कंद षष्ठी का पर्व दक्षिण भारत में अधिक प्रचलित है। इस दिन श्रद्धालु उपवास करते हैं और स्कंद देवता की पूजा-अर्चना करते हैं। स्कंद भगवान को मुरुगन और सुब्रह्मण्य के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान कार्तिकेय की आराधना करने से शत्रुओं का नाश होता है और घर-परिवार में सुख-समृद्धि का माहौल बना रहता है।

स्कंद षष्ठी पर भगवान कार्तिकेय की पूजा विधि।

हर माह शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाई जाती है स्कंद षष्ठी।

भगवान कार्तिकेय को समर्पित है यह तिथि।

स्कंद देवता की पूजा से दूर होते हैं सभी कष्ट।

स्कंद षष्ठी का महत्व

स्कंद षष्ठी मुख्य रूप से भगवान शिव और माता पार्वती के पुत्र यानी भगवान कार्तिकेय को समर्पित एक पर्व है। भगवान कार्तिकेय को देवताओं के सेनापति भी कहा जाता है। स्कंद षष्ठी का पर्व मुख्य रूप से तमिल हिंदुओं द्वारा मनाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि स्कंद षष्ठी पर भगवान कार्तिकेय या स्कंद की पूजा-अर्चना से जीवन की बड़ी-से-बड़ी बाधा दूर हो सकती है। साथ ही साधक को सुख-समृद्धि की भी प्राप्ति होती है।

स्कंद षष्ठी पूजा विधि

स्कंद षष्ठी तिथि पर सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि से निवृत होने के बाद स्कंद भगवान का ध्यान करें और व्रत का संकल्प लें। इसके बाद पूजा घर में भगवान कार्तिकेय की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें। भगवान कार्तिकेय के साथ-साथ भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा भी जरूर करनी चाहिए।

पूजा के दौरान भगवान कार्तिकेय को पुष्प, चंदन, धूप, दीप नैवेद्य आदि अर्पित करें। साथ ही भगवान को फल, मिठाई का भोग लगाएं। आप भगवान कार्तिकेय को मोर पंख भी अर्पित कर सकते हैं, क्योंकि मोर पंख उन्हें प्रिय माना गया है। इससे आपको स्कंद देवता की विशेष कृपा की प्राप्ति हो सकती है।

पंचामृत और चरणामृत से जुड़ी न करें ये गलतियां

समस्याओं का घर बन सकता है आपका जीवन

सावन मास की पुत्रदा एकादशी का हिंदुओं में बड़ा महत्व है। यह दिन भगवान श्री हरि विष्णु की पूजा के लिए समर्पित है। इस दिन भक्त उपवास करते हैं और भक्तिपूर्वक भगवान विष्णु की पूजा करते हैं। यह व्रत हर साल में दो बार रखा जाता है, जिसमें से एक पौष माह के दौरान और दूसरा सावन मास के दौरान आता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, श्रावण पुत्रदा एकादशी शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाई जाती है। इस साल यह व्रत 16 अगस्त को रखा जाएगा।

वहीं, कुछ लोग इस दिन लड्डू गोपाल की पूजा करते हैं, जिसमें वे अनजाने में ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिससे उन्हें भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, तो आइए आज लड्डू गोपाल की पूजा में ऐसी क्या गलती है? जिसे नहीं करना चाहिए उसके बारे में जानते हैं।

पंचामृत और चरणामृत से जुड़ी इन बातों का रखें ध्यान

दरअसल, लड्डू गोपाल की पूजा के दौरान पंचामृत और चरणामृत

चढ़ाने का विधान है, जिसको लेकर कुछ सावधानी बरतना जरूरी है। ऐसा कहते हैं कि पंचामृत और चरणामृत को तैयार करते समय पवित्रता का खास ख्याल रखना चाहिए। इसे किसी भी जानवर को नहीं देना चाहिए। साथ ही भूलकर भी इसे कहीं भी नहीं फेंकना चाहिए।

ऐसा करने से प्रसाद का अपमान होता है और लड्डू गोपाल रुष्ट होते हैं। यदि किसी कारणवश आप उसे ग्रहण नहीं कर पा रहे हैं, तो उसे पवित्र स्थान या फिर पेड़ पर डाल दें।

पुत्रदा एकादशी तिथि और समय

हिंदू पंचांग के अनुसार, सावन मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 15 अगस्त को सुबह 10 बजकर 26 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, एकादशी तिथि का समापन 16 अगस्त को सुबह 09 बजकर 39 मिनट पर होगा। पंचांग को देखते हुए 16 अगस्त को श्रावण पुत्रदा एकादशी का व्रत रखा जाएगा।

इसके साथ ही इसका पारण 17 अगस्त को सुबह 05 बजकर 51 मिनट से लेकर सुबह 08 बजकर 05 मिनट के बीच किया जाएगा।

पुत्रदा एकादशी के दिन इन बातों का रखें ध्यान, मिलेगा व्रत का पूरा फल

सावन माह के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाली एकादशी तिथि को पुत्रदा एकादशी के नाम से जाना जाता है। यह दिन हिंदुओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि यह भगवान विष्णु को समर्पित है। ऐसा कहा जाता है कि इस व्रत का पालन करने से स्वस्थ और समृद्ध जीवन का आशीर्वाद प्राप्त होता है। साथ ही भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है। इस व्रत को लेकर यह भी मान्यता है कि जो दंपत्ति यह व्रत रखते हैं, उन्हें संतान रत्न की प्राप्ति होती है।

वहीं, ज्योतिष शास्त्र में इस दिन को लेकर कई सारे नियम बनाए गए हैं, जिसका पालन करना बेहद जरूरी होता है, तो चलिए जानते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

इस दिन भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त करने के लिए अपशब्दों का प्रयोग न करें।

पुत्रदा एकादशी के दिन व्रती को झूठ बोलने और क्रोध करने से बचना चाहिए।

इस दिन भगवान विष्णु की ज्यादा से ज्यादा पूजा करनी चाहिए।इस दिन सात्विक भोजन ग्रहण करना चाहिए और अनाज के सेवन से बचना चाहिए।

इस तिथि पर मांस, मछली, प्याज, लहसुन, अंडे व शराब आदि चीजों से परहेज करना चाहिए।

इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में स्नान करना चाहिए और सिर धोने से बचना चाहिए।

इस व्रत के दिन फल और दूध से बने उत्पाद का सेवन किया जा सकता है।

एकादशी के दिन तुलसी के पत्ते तोड़ना वर्जित माना गया है।

इस दिन तेल में प्रसाद नहीं पकाना चाहिए।

एकादशी व्रत के दिन भक्तों को भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप करना चाहिए और श्रीमद्भागवतम् का पाठ करना चाहिए।

भगवान विष्णु मंत्र

ॐ नारायणाय विद्महे। वासुदेवाय धीमहि। तन्नो विष्णु प्रचोदयात्।।

ॐ ह्रीं कार्तवीर्यार्जुनो नाम राजा बाहु सहस्त्रवान। यस्य स्मरेण मात्रेण ह्रतं नष्टं च लभ्यते।।

अपनी राशि के अनुसार रखें रुमाल, जीवन में मिलेगी खूब सफलता

वास्तु और ज्योतिष की दृष्टि से देखें तो कई रंग हमारे लिए बहुत भाग्यशाली होते हैं वहीं कई रंग हमारे लिए अशुभ भी रहते हैं। अजमेर की प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा ने बताया कि यदि आप अपनी राशि के अनुरूप उस रंग का रुमाल अपने साथ रखेंगे तो यह आपके लिए शुभ रहेगा और जीवन में सुख-समृद्धि व सफलता के द्वार भी खुलेंगे। किस राशि के लिए कौन से रंग का रुमाल शुभ रहेगा, इस पर चर्चा करते हैं।

मेष राशि – मेष राशि के जातकों के राशि स्वामी मंगल हैं। अतः इस राशि के लोगों को लाल, पीला, गुलाबी और केसरिया रंग का रुमाल अपने साथ रखना चाहिए। ऐसा करने से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा एवं आपको हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी।

वृषभ राशि– वृष राशि के जातकों के राशि स्वामी शुक्र है। अतः इस राशि के लोगों को सफेद, हरा, फिरोजी या सिलवर रंग का रुमाल अपनी जेब या पर्स में रखना चाहिए। ऐसा करने से आपको सुखद समाचार मिलेंगे साथ ही अपने कार्यक्षेत्र में सफलता भी मिलेगी।

मिथुन राशि–मिथुन राशि के जातकों के राशि स्वामी बुध है। अतः इस राशि के लोगों को हरा,नीला,जमुनी व सी ग्रीन कलर का रुमाल अपने साथ रखना बहुत शुभ रहेगा। ऐसा करने से आपकी बुद्धि प्रखर बनेगी और आपके जीवन में नई ऊर्जा शक्ति का विकास भी होगा।

कर्क राशि – कर्क राशि के जातकों के राशि स्वामी चंद्रमा है। अतः इस राशि के लोगों को सफ़ेद, गुलाबी, क्रीम, लाल या सैफ्रॉन कलर का रुमाल रखने से बहुत लाभ होगा। ऐसा करने से आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

सिंह राशि – सिंह राशि के जातकों के राशि स्वामी सूर्य है। अतः इस राशि के लोगों को लाल,केसरिया,गुलाबी,पीला एवं सफ़ेद रंग का रुमाल अपने पास रखने से सकारात्मक विचारों में वृद्धि होगी एवं आपके ऊपर सदैव सूर्यदेव की कृपा बनी रहेगी।

कन्या राशि–कन्या राशि के जातकों के राशि स्वामी बुध है।अतः इस राशि के लोगों को हरा,तोतई,नीला,जामुनी एवं पीले रंग का रुमाल अपने पास रखना चाहिए। ऐसा करने से आपकी बौद्धिक क्षमता में वृद्धि होगी एवं धर्म-कर्म के मामलों में आस्था बढ़ेगी,माहौल खुशनुमा रहेगा।

तुला राशि– तुला राशि के जातकों के राशि स्वामी शुक्र ग्रह है। अतः इस राशि के लोगों को सफ़ेद,फिरोजी,गुलाबी या हल्के रंग का रुमाल अपने साथ रखना चाहिए।ऐसा करने से नौकरी में पदोन्नति के साथ-साथ आपको धन भी लाभ होगा।

वृश्चिक राशि –वृश्चिक राशि के जातकों के राशि स्वामी मंगल है। अतः इस राशि के लोगों को लाल,गुलाबी,सफ़ेद या केसरिया रंग का रुमाल हमेशा अपने पास रखना चाहिए। इसके शुभ प्रभाव से आप में नई स्फूर्ति और ऊर्जा शक्ति का संचार होगा।भूमि एवं वाहन ख़रीदने का सपना पूरा हो सकता है।

धनु राशि –धनु राशि के जातकों के राशि स्वामी बृहस्पति है। अतः इस राशि के लोगों को पीला, लाल, गुलाबी या केसरिया रंग का रुमाल अपने पास रखना बहुत फलदाई होगा। ऐसा करने से आपके जीवन में मंगल ही मंगल होगा, सफलताएं आपके कदम चूमेंगी।

मकर राशि– मकर राशि के जातकों के राशि स्वामी शनि है। अतः इस राशि के लोगों को नीला, काला, जामुनी, आसमानी तथा सफ़ेद रंग का रुमाल अपने पास रखना चाहिए। इससे आपके जीवन में आने वाली सारी बाधाएं दूर हो जाएंगी, करियर में नए अवसर प्राप्त होंगे।

कुंभ राशि –कुंभ राशि के जातकों के राशि स्वामी शनि है। अतः इस राशि के लोगों को काला,नीला,हरा एवं सफ़ेद रंग का रुमाल रखना शुभ परिणामों में वृद्धि करेगा एवं अप्रत्याशित धन लाभ हो सकता है।

मीन राशि – मीन राशि के जातकों के राशि स्वामी गुरु है। अतः इस राशि के लोगों को पीला, केसरिया, लाल, सफ़ेद एवं गुलाबी रंग का रुमाल अपने पास रखने से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी,समाज में मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

पुष्पा 2 से फहाद फासिल का धांसू पोस्टर आउट

फिल्म पुष्पा- द राइज में विलेन भंवर सिंह शेखावत का खौफनाक रोल कर फिल्म इंडस्ट्री में छाए मलयालम एक्टर फहाद फासिल आज 8 अगस्त को अपना 42वां जन्मदिन बना रहे हैं। इस मौके पर एक्टर ने अपने फैंस को बिग सरप्राइज दिया है। फहाद फासिल के 42वें बर्थडे पर उनके फैंस को पता चला है कि वह रजनीकांत और अमिताभ बच्चन स्टार एक्शन ड्रामा फिल्म वैट्टैयन में नजर आएंगे। इस फिल्म से एक्टर का फर्स्ट लुक पोस्टर भी सामने आया है। अब पुष्पा 2 के मेकर्स ने फिल्म के विलेन फहाद फासिल का पोस्टर शेयर कर उन्हें जन्मदिन विश किया है।पुष्पा मेकर्स मैत्री मूवी मेकर्स ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फहाद फासिल का धांसू पोस्टर शेयर किया है। पुष्पा टीम ने फहाद को बर्थडे विश कर लिखा है, स्टेलर एक्टर फहाद फासिल को जन्मदिन की हार्दिक बधाई, आईपीएस भंवर सिंह शेखावत बिग स्क्रीन पर धांसू एक्शन से लौटेंगे।

फहाद के इस पोस्टर की बात करें तो इसमें वह लुंगी पर जैकेट पहने हुए हैं। आंखों पर काला चश्मा लगाया हुआ है। एक हाथ में कुल्हाड़ी और दूसरे हाथ में गन ताने खड़े हैं। वहीं, एक्टर के पीछे पेड़ों पर गुंडों को लटकाया हुआ है।अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की हिट जोड़ी की फिल्म पुष्पा 2 द रूल का इंतजार उनके देसी और विदेशी फैंस दोनों को है। फिल्म पुष्पा 2 द रूल पहले 15 अगस्त को रिलीज होनी थी, लेकिन अब फिल्म की रिलीज डेट तीन महीने आगे खिसका दी गई है। अब पुष्पा 2 द रूल आगामी 6 दिसंबर को वर्ल्डवाइड रिलीज होने जा रही है। पुष्पा 2 द रूल का निर्देशन सुकुमार ने किया है।

अजय देवगन अपनी गर्दन क्यों रखते हैं टेढ़ी?

बेस्ट फ्रेंड तब्बू ने उठाया सच से पर्दा

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन 100 से अधिक फिल्मों में नजर आ चुके हैं। कॉमेडी हो या फिर एक्शन थ्रिलर अजय देवगन की एक्टिंग का कोई सानी नहीं है। हालांकि दर्शक होने के नाते आपने एक चीज जरूर नोटिस की होगी, वो है हर फिल्म में अजय देवगन की टेढ़ी गर्दन। अजय हर फिल्म में अपनी गर्दन को टेढ़ी करके क्यों रखते हैं, यह सवाल अक्सर दर्शकों के जेहन में उठता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस तब्बू ने इस बात का खुलासा किया है कि आखिर अजय देवगन अपनी गर्दन को टेढ़ी क्यों रखते हैं। बता दें कि इन दिनों अपनी रोमांटिक थ्रिलर फिल्म 'औरों में कहां दम था' को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। इस फिल्म में अजय देवगन के साथ एक्ट्रेस तब्बू लीड रोल में नजर आ रही हैं। इस फिल्म के प्रमोशन के दौरान तबबू ने अजय देवगन से जुड़ा यह बड़ा राज खोला है।

तब्बू ने 'द लल्लनटॉप' को दिए इंटरव्यू में इस बात का खुलासा किया कि आखिर अजय देवगन अपनी गर्दन को टेढ़ा क्यों रखते हैं। तब्बू ने बताया, 'हम एक-साथ अब्बास मस्तान की फिल्म में काम कर रहे थे, हालांकि यह फिल्म बाद में नहीं बनी। इस फिल्म के दौरान अब्बास मस्तान ने अजय देवगन से पूछा था कि वह अपनी गर्दन को टेढ़ा क्यों रखते हैं?' इस सवाल का जवाब देते हुए अजय देवगन ने बताया था कि उनका कंधा नीचे है और गर्दन थोड़ी टेढ़ी है। तब्बू ने बताया, 'अजय देवगन ने कहा था कि यह पैदायशी है। हालांकि उनकी गर्दन की वजह से कभी किसी डायरेक्टर ने कोई शिकायत नहीं की।'

एक्टर अजय देवगन और तब्बू की हालिया फिल्म 'औरों में कहां दम था' दर्शकों को कुछ खास लुभा नहीं पा रही है। इस फिल्म से पहले तब्बू और अजय देवगन कई फिल्मों में साथ नजर आ चुके हैं। 'दृश्यम' से लेकर 'भोला' जैसी फिल्मों में अजय देवनग और तब्बू की जबरदस्त कैमेस्ट्री देखने को मिली। इसके अलावा यह दोनों एक-साथ कई रोमांटिक फिल्में भी कर चुके हैं। दोनों की जोड़ी को बड़े पर्दे पर काफी पसंद किया जाता है।

लाइफ हिल गई में दिव्येंदु और मुक्ति मोहन के साथ बॉन्डिंग पर कुशा कपिला ने की खुलकर बात

कंटेंट क्रिएटर और एक्ट्रेस कुशा कपिला अपने अपकमिंग वेब सीरीज लाइफ हिल गई को लेकर चर्चाओं में है। एक्ट्रेस ने सेट पर को-एक्टर दिव्येंदु और मुक्ति मोहन के साथ अपने बॉन्डिंग के बारे में खुलकर बात की।बता दें कि सीरीज में मिर्जापुर फेम दिव्येंदु शर्मा और मुक्ति मोहन लीड रोल में हैं। मुक्ति मोहन ने दिव्येंदु की गर्लफ्रेंड का रोल निभाया है।कुशा ने इस रिश्ते के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा, सच कहूं तो यह बहुत आसान था। दूसरे या तीसरे दिन, नैनीताल में ओले पड़े और मौसम भी ठीक नहीं था। मुझे एक आउटडोर शूट करना था जो नहीं हो सका। हमारे निर्देशक प्रेम ने सुझाव दिया कि हम सब बैठकर बात करें। हमारी बातचीत शुरू हुई और हम एक दूसरे के साथ सहज हो गए।उन्होंने कहा, एक दूसरे के प्रति स्वाभाविक सौहार्द और स्नेह था, जो समय के साथ बढ़ता ही गया। मुक्ति के साथ काम करना वाकई बहुत बढ़िया अनुभव रहा। वह लंबे समय से अलग-अलग आर्ट फॉर्म्स करती रही हैं, जैसे एक्टिंग, डांसिंग और उनका अपना स्टूडियो भी है। यह देखकर बहुत अच्छा लगा कि उन्होंने लोकल भाषा को जल्दी से सीख लिया और स्कूटी चलाना भी सीख लिया। वह सीखने के लिए आगे रहती हैं और सेट पर उनकी एनर्जी अद्भुत है।दिव्येंदु के बारे में बात करते हुए, कुशा ने कहा, दिव्येंदु एक लीजेंड हैं और एक्टिंग के मामले में बेहद शानदार हैं। वह सुनिश्चित करते हैं कि सीन में हर कोई अच्छा परफॉर्म करे, वह सीन शूट करने से पहले विस्तार से चर्चा करते हैं और सुझाव देते हैं। उनके जैसे सौहार्दपूर्ण व्यवहार के लिए मुझे उन्हें बहुत बड़ा श्रेय देना होगा।एक्ट्रेस ने कहा, उन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि हम सभी एक साथ हों और उस किरदार को निभाएं जिसे हमें निभाना था।यह सीरीज आरुषि निशंक और हिमश्री फिल्म्स द्वारा निर्मित, प्रेम मिस्त्री द्वारा निर्देशित और जसमीत सिंह भाटिया द्वारा लिखित है।इसमें दिव्येंदु और कुशा के साथ विनय पाठक, मुक्ति मोहन, कबीर बेदी, भाग्यश्री और अदिति गोवित्रिकर जैसे कलाकार भी हैं।लाइफ हिल गई 9 अगस्त से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला की सगाई की फोटोज देखकर भड़के ट्रोलर्स, फटकार लगाते हुए बोले- सामंथा बेस्ट थीं

साउथ सिनेमा के शानदार अभिनेता नागा चैतन्य को फाइनली अपना लाइफ पार्टनर मिल गया है। नागा चैतन्य ने एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला से सगाई करके अपनी लाइफ की नई शुरुआत की है। सोशल मीडिया पर कपल की फोटोज इंगेजमेंट फोटोज सामने आ गई हैं, जिसमें नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला काफी खुश नजर आ रहे हैं। इन फोटोज को देखकर फैंस उन्हें भर-भरकर बधाई दे रहे हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर एक बड़ा ग्रुप कपल को बुरी तरह ट्रोल कर रहा है। लोग नागा चैतन्य को खरी खोटी सुनाते हुए सामंथा रुथ प्रभु को याद कर रहे हैं, जो एक्टर की एक्स वाइफ हैं।

नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला हुए ट्रोल

नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला ने परिवार के आशीर्वाद के साथ अपने रिश्ते की शुरुआत की। नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला प्रभु की फोटोज में नागार्जुन भी नजर आ रहे हैं, जो अपने बेटे की सगाई पर काफी खुश दिख रहे हैं। इन फोटोज में नागा चैतन्य ऑफ व्हाइट रंग के कुर्ता पायजामा में हैं और शोभिता पीच कलर की साड़ी

में काफी सुंदर लग रही हैं। इन फोटोज के सामने आने के बाद कपल ट्रोल हो रहा है। लोग नागा चैतन्य के साथ सामंथा को ही पसंद कर रहे हैं। कई लोगों ने शोभिता धुलिपाला को आगे सामंथा को बेस्ट बताया है। नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला की फोटोज को एक यूजर ने लिखा, 'सामंथा के लिए रिस्पेक्ट बटन।' दूसरे यूजर ने लिखा, 'ये सिर्फ इसी को हैंडल कर सकता है। सामंथा जैसी स्मार्ट लेडी को नहीं।' इसी तरह तीसरे यूजर ने लिखा, 'सामंथा तो इससे भी अच्छा डिजर्व करती है।' एक और यूजर ने लिखा, 'सामंथा इससे ज्यादा अच्छी है।' वहीं, एक यूजर ने सामंथा और नागा की जोड़ी को ज्यादा अच्छा बताया है।

कुछ ही साल में बिगड़ गया था सामंथा रुथ प्रभु और नागा चैतन्य का रिश्ता

बता दें कि नागा चैतन्य और सामंथा रुथ प्रभु साउथ इंडस्ट्री के पावर कपल थे।

दोनों ने अपनी शादी से पहले डेटिंग लाइफ को एन्जॉय किया था। नागा चैतन्य और सामंथा रुथ प्रभु ने साल 2017 में शादी अंदाज में शादी रचाई थी। दोनों ने क्रिश्चियन और साउथ इंडियन दोनों ही स्टाइल में शादी रचाई थी, लेकिन दोनों का रिश्ता चाल साल ही चल पाया। कपल ने साल 2021 में आपसी सहमति से तलाक ले लिया। दोनों के तलाक की खबर ने फैंस का दिल तोड़ दिया था।

मौनी रॉय ने पति सूरज का बर्थडे किया सेलिब्रेट

एक्ट्रेस मौनी रॉय सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपने फोटोज और वीडियोज फैंस के साथ साझा करती नजर आ जाती हैं। मौनी रॉय ने पति सूरज अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। इस मौके पर एक्ट्रेस ने पति के लिए एक खास पोस्ट लिखा है। मौनी ने सूरज संग कुछ रोमांटिक फोटोज शेयर किए हैं, जिनमें एक्ट्रेस पति पर प्यार लुटाती नजर आ रही हैं।मौनी रॉय और सूरज नाम्बियार एक-दूसरे में खोए नजर आ रहे हैं। फोटो में मौनी और सूरज ब्लैक आउटफिट में ट्विनिंग कर रहे हैं। सूरज नॉम्बियार बीवी मौनी रॉय को चूमते दिख रहे हैं। मौनी और सूरज का यह रोमांटिक अवतार फैंस को खूब पसंद आ रहा है।मौनी रॉय पति को किस करती नजर आ रही हैं। इस फोटो में मौनी और सूरज का ये रोमांस देख फैंस कपल की बलैया ले रहे हैं।फोटोज को शेयर करते हुए मौनी रॉय ने पति सूरज के लिए खास मैसेज लिखा है। एक्ट्रेस ने लिखा, 'मुझे आपको हैप्पी बर्थडे किस करने दो।'फोटोज को शेयर करते हुए मौनी रॉय ने कैप्शन में लिखा, 'डियर हसबैंड, आपने मेरे लिए फैंटेसी का निर्माण किया है, उन पन्नों पर नहीं, जिन्हें मैं पढ़ना बहुत पसंद करती हूं बल्कि असल जिंदगी में। आपने मुझे परियों की कहानी दी है। मैं आपको बहुत प्यार करती हूं।मौनी रॉय और सूरज नाम्बियार सड़कों पर घूमते नजर आ रही हैं। फोटो में मौनी और सूरज दोनों ही बेहद खुश लग रहे हैं।मौनी रॉय और सूरज नाम्बियार एक-दूसरे का हाथ थामे नजर आ रहे हैं। फोटो में यह कपल लंच एंजॉय करता दिख रहा है।मौनी रॉय ने 27 जनवरी 2022 में लॉन्ग टर्म बॉयफ्रेंड सूरज नाम्बियार के साथ लव मैरिज की थी। दोनों की शादी की तस्वीरें खूब वायरल हुई थीं।

सनी लियोन ने हॉट ब्रालेट पहन दिए सेक्सी पोज

बॉलीवुड की हॉट और बोल्ड अभिनेत्री सनी लियोन ने एक बार फिर से अपने बोल्ड लुक से सभी को दीवाना बना दिया है। सनी ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह मल्टीकलर ब्रालेट और पर्पल जैकेट में बेहद हॉट लग रही हैं। इन तस्वीरों में सनी ने अपने बालों को बांधा हुआ है और ग्लोइंग मेकअप किया हुआ है। उन्होंने कैमरे के सामने बेहद सेक्सी पोज दिए हैं। सनी की इन तस्वीरों को देखकर फैंस उनके दीवाने हो गए हैं। सनी लियोन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी बोल्ड तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। सनी को मैक्सिको घूमना बेहद पसंद है और यही वजह है कि हर साल हॉलिडे पर उन्हें पति डेनियल विबर के साथ मेक्सिको में स्पॉट किया जाता है। सनी जहां भी जाती हैं उन्हे देखने लिए दिवानों की तरह उनके फैन उमड़ पड़ते हैं। फैन की इसी दिवानगी का सनी बहुत सम्मान करती हैं, इसलिए वह फैन के लिए सोशल मीडिया पर एक से एक अपनी खूबसूरत तस्वीर साझा करती रहती हैं। एक्ट्रेस सनी लियोन के हॉट और सेक्सी अदाओं का तो बॉलीवुड में हर कोई दिवाना है। वैसे सनी फुर्सत के पलों को पूल या फिर बीच पर इंजॉय करना पसंद करती हैं। उनके फैंस को उनकी ये तस्वीरें बेहद पसंद आती हैं।

उपचुनावों में भाजपा की रणनीति रही फेल

10 साल में 16 चुनाव में सिर्फ इतने जीते, क्या कहते हैं आंकड़े

राजस्थान,09 अगस्त (एजेंसियां)।

प्रदेश की भजनलाल सरकार के गठन को अभी 8 महीने ही हुए हैं, लेकिन इन 8 महीनों में अब तक उन्हें 7 उपचुनावों का सामना करना पड़ रहा है। दौसा, टोंक जिले की देवली-उनियारा, खींवसर, झुंझुनू और बांसवाड़ा की चौरासी विधानसभा सीट शामिल हैं। इन सीटों पर इसी साल के अंत में उपचुनाव होने हैं, लेकिन इनमें अब उदयपुर की सलूम्बर सीट भी जुड़ गई है। यहां गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी के विधायक अमृतलाल मीणा का हार्ट अटैक से निधन हो गया था। इनके अलावा लोकसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुए बागीदौरा विधानसभा सीट पर लोकसभा के साथ ही उपचुनाव हो चुके हैं। ये सीट कांग्रेस गठबंधन की भारत आदिवासी पार्टी के खाते में जा चुकी है। बीएपी के जयकिशन पटेल यहां से विधायक चुने जा चुके हैं।

पिछली 2 सरकारों में 8-8 उपचुनाव हुए, जिनमें से 12 कांग्रेस ने जीते

पिछली गहलोत सरकार के पांच वर्षों में कुल 8 उपचुनाव हुए थे। बीजेपी की सरकार और संगठन के लिए यह चिंता और चुनौती दोनों हैं, क्योंकि उपचुनावों में बीजेपी का ट्रैक रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा। पिछली गहलोत सरकार और उससे पहले की वसुंधरा सरकार में 8-8 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हुए थे।

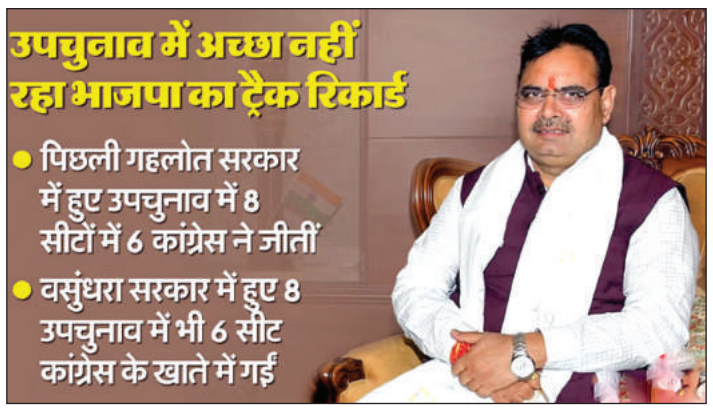

इनमें दोनों बार कांग्रेस 6-6 सीटें जीतकर टॉप पर रही थी। इसमें वसुंधरा सरकार के समय तो बीजेपी 163 सीटों के बंपर बहुमत से बनी थी।

लोकसभा चुनाव में हार की गाज संगठन पर

नई भजनलाल सरकार के सत्ता में आने के बाद हुए लोकसभा चुनावों में बीजेपी राजस्थान में 11 सीटें हार चुकी है। हालांकि इसकी गाज संगठन पर डाल दी गई और हाल में तत्कालीन प्रदे- शाध्यक्ष सीपी जोशी का इस्तीफा ले लिया गया। नए अध्यक्ष के रूप राज्य सभा सांसद मदन राठौड़ को नियुक्ति दे दी गई।

2018 में इन सीटों पर हुए थे उपचुनाव

मंडावा- झुंझुनू जिले की मंडावा विधानसभा सीट आम चुनाव में बीजेपी के नरेंद्र कुमार ने जीती थी। इसके बाद नरेंद्र कुमार 2019 में सांसद चुने गए और यह सीट उपचुनाव में भाजपा से कांग्रेस ने छीन ली। उपचुनाव में कांग्रेस की रीटा चौधरी ने भाजपा की सुशीला सींगड़ा को हराया दिया।

खींवसर- नागौर की खींवसर विधानसभा सीट आरएलपी के हनुमान बेनीवाल के सांसद बनने के बाद उपचुनाव के लिए खाली हो गई थी। लेकिन उपचुनावों में भी यह सीट हनुमान के भाई नारायण बेनीवाल ने जीतकर इसे फिर से आरएलपी के खाते में डाल दिया।

राजसमंद- भाजपा की वरिष्ठ नेता किरण माहेश्वरी के निधन के बाद उपचुनावों के लिए खाली हुई राजसमंद सीट पर मार्च 2021 में उपचुनाव हुए। इस उपचुनाव में किरण माहेश्वरी की बेटी दीप्ति माहेश्वरी जीतीं और यह सीट फिर से भाजपा के खाते में गई।

सहाड़ा- कांग्रेस के कैलाश चंद्र त्रिवेदी सहाड़ा के निधन के बाद सहाड़ा सीट पर मार्च 2021 में विधानसभा उपचुनाव हुए। इस उप चुनाव में कांग्रेस ने दिवंगत कैलाश त्रिवेदी की पत्नी गायत्री देवी को चुनाव मैदान में उतारा। गायत्री देवी ने जीत दर्ज की और कांग्रेस की यह सीट बरकरार रही।

सुजानगढ़- कांग्रेस के मंत्री रहे मास्टर भंवरलाल मेघवाल के निधन के बाद सुजानगढ़ सीट पर मार्च 2021 में उपचुनाव हुए। कांग्रेस ने मास्टर भंवरलाल मेघवाल के बेटे मनोज मेघवाल को चुनाव मैदान में उतारा था। मनोज मेघवाल ने जीत हासिल की और कांग्रेस की यह सीट बरकरार रही।

वल्लभनगर- उदयपुर जिले की वल्लभनगर विधानसभा सीट पर कांग्रेस विधायक गजेंद्र सिंह शक्तावत के निधन के बाद अक्टूबर 2021 में उपचुनाव हुए। कांग्रेस ने दिवंगत गजेंद्र सिंह शक्तावत की पत्नी प्रीति शक्तावत को चुनाव मैदान में उतारा। प्रीति ने जीत दर्ज की और वल्लभ नगर की यह सीट कांग्रेस के पास ही रही।

धरियावद- प्रतापगढ़ जिले की धरियावद सीट से भाजपा विधायक गौतम लाल मीणा के निधन के बाद अक्टूबर 2021 में धरियावद में उपचुनाव हुए। उपचुनाव में भाजपा ने दिवंगत विधायक गौतम लाल मीणा के बेटे कन्हैयालाल मीणा को टिकट देने के बजाय खेत सिंह राठौड़ को प्रत्याशी बनाकर चुनाव मैदान में उतारा। उधर कांग्रेस ने पूर्व विधायक नगराज मीणा को चुनाव मैदान में उतारा। नगराज मीणा चुनाव जीत गए और कांग्रेस इस सीट को भाजपा से छीनने में कामयाब हो गई।

पिछली सरकार में इन 8 सीटों पर हुए थे चुनाव

पिछली गहलोत सरकार में 8 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हुए थे। इनमें राजसमंद, सहाड़ा, सूरजगढ़, सरदार शहर, वल्लभनगर, धरियावद, मंडावा और खींवसर शामिल हैं। इनमें से 8 में से 6 विधानसभा सीटों पर कांग्रेस को जीत मिली थी। एक आरएलपी तथा एक सीट बीजेपी के खाते में गई थी।

वसुंधरा सरकार में 8 उपचुनाव, 6 कांग्रेस के खाते में गईं

गहलोत से पहले 2013 से 2018 तक तत्कालीन वसुंधरा राजे की सरकार में भी कुल 8 उपचुनाव हुए थे। इनमें से 6 उपचुनाव कांग्रेस जीती थी, जबकि वसुंधरा राजे की सरकार 200 में से 163 सीटें जीतकर सत्ता में आई थी। इनमें नसीराबाद से सांवर लाल जाट, सूरजगढ़ से संतोष अहलावत, वैर से बहादुर कोहली और कोटा दक्षिण से ओम बिड़ला के लोकसभा चुनाव जीतने के बाद खाली हुई विधानसभा सीटों में से नसीराबाद, सूरजगढ़ और वैर सीट पर कांग्रेस प्रत्याशियों ने जीत ली। सिर्फ कोटा दक्षिण पर बीजेपी को जीत मिली। इसके बाद धौलपुर में उपचुनाव हुए, जिसमें बीजेपी ने बसपा से सीट जीत ली।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने जीवन-साथी की उपलब्धियों की सराहना करें और उसकी सफलता और ख़ुशक़िस्मती का जश्न मनाएँ। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं , काम के बाद आपके सहकर्मी आपको किसी छोटे घरेलू उत्सव पर आमंत्रित कर सकते हैं। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। जीवनसाथी के किसी अचानक काम की वजह से आपकी योजनाएँ बिगड़ सकती हैं। लेकिन फिर आपको महसूस होगा कि जो होता है अच्छे के लिए ही होता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। जीवनसाथी के साथ अपने रिश्तों में तनाव दूर करने के लिए अच्छा दिन है। हालात ठीक करने की ज़िम्मेदारी अपने कंधों पर लें और सकारात्मक तौर पर पहल करें। आपका आत्मविश्वास आपकी पेशेवर ज़िंदगी में ख़ास असर छोड़ेगा। यह दूसरों को आपका नज़रिया समझाने और उनकी मदद हासिल करने में कारगर रहेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं- लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं- या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। बच्चे आपको घरेलू काम-काज निबटाने में मदद करेंगे। आपका प्रेमी आज आपकी बातों को सुनने से ज्यादा अपनी बातें कहना पसंद करेगा जिसकी वजह से आप थोड़े खिन्न हो सकते हैं। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। ऑफिस से जल्दी घर जाने का प्लान आज आप ऑफिस पहुंचकर ही कर सकते हैं। घर पहुंचकर आप किसी पार्क में परिवार के लोगों के साथ जाने का प्लान बना सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की ज़रूरत है। अपने प्रिय की छोटी-मोटी भूल को अनदेखा करें। किसी के साथ नयी परियोजना या भागीदारी वाले व्यवसाय को शुरू करने से बचें। किसी भी स्थिति में आपको अपने समय का ख्याल रखना चाहिए , वैवाहिक जीवन के लिए विशेष दिन है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस-पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी-कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। आपके प्रिय की ख़राब तबियत के चलते रोमांस को दरकिनार होना पड़ सकता है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन किए गए दान-पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा ख़ासा धन खर्च करना पड़ सकता है। अपने प्रिय के लिए बदले की भावना से कुछ हासिल नहीं होगा- बजाय इसके आपको दिमाग़ शांत रखना चाहिए और अपने प्रिय को अपनी सच्चे जज़्बात से परिचित कराना चाहिए। प्रतिस्पर्धा के चलते काम-काज की अधिकता थकावट भरी हो सकती है। इस राशि के छात्र-छात्राएं आज अपने कीमती समय का दुरुपयोग कर सकते हैं। लोगों की दख़लअन्दाज़ी वैवाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। परिवार के लोगों से अपनी परेशानियां साझा करके आप हल्का महसूस करते हैं, लेकिन कई बार आप अपने अहम को आगे रखकर घर वालों को जरुरी बातें नहीं बताते। आपको ऐसा नहीं करना चाहिए ऐसा करके परेशानी और भी बढ़ेगी कम नहीं होगी। मुश्किल मामलों से बचने के लिए आपको अपने संपर्क उपयोग करने की ज़रूरत है। देर शाम तक आपको कहीं दूर से कोई अच्छी ख़बर सुनने को मिल सकती

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

शारीरिक तौर पर तंदुरुस्त रहने के लिए धूम्रपान की आदत छोड़ दें। पैसे कमाने के नए मौके मुनाफ़ा देंगे। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। दफ़्तर में जिसके साथ आपकी सबसे कम बनती है, उससे अच्छी बातचीत हो सकती है। दिल के करीबी लोगों के साथ आपका वक्त बिताने का मन करेगा लेकिन आप ऐसा कर पाने में सक्षम नहीं हो पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली-भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। अपने जीवनसाथी के साथ आप आज एक शानदार शाम गुज़ार सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

गर्भवती महिलाओं के लिए अतिरिक्त सावधान रहने का दिन है। अगर आप लोन लेने वाले थे और काफी दिनों से इस काम में लगे थे तो आज के दिन आपको लोन मिल सकता है। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। आपके प्रिय के साथ कुछ मतभेद उभर सकते हैं- साथ ही अपने साथी को अपना नज़रिया समझाने में भी तकलीफ़ महसूस होगी। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी - जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज किसी विपरीत लिंगी की मदद से आपको करोबार या नौकरी में आर्थिक लाभ होने की संभावना है। पारिवारिक सदस्य या जीवन-साथी तनाव की वजह बन सकते हैं। अगर आप अपनी योजनाओं को सबके सामने खोलने में बिल्कुल नहीं हिचकते, तो आप अपनी परियोजना को ख़राब कर सकते हैं। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। जीवनसाथी की ओर से जानबूझ कर भावनात्मक चोट मिल सकती है, जिसके चलते आप उदास हो सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। एक बेहतरीन शाम के लिए रिश्तेदार घर आ सकते हैं। आज किए गए निवेश काफ़ी फ़ायदेमन्द साबित होंगे, लेकिन आपको भागीदारों से विरोध का सामना करना पड़ सकता है। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आकर्षण का राज़ जान पाएंगे। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में रोमांस नहीं होता। लेकिन यह दिन आपके लिए बेहद उत्साहवर्धक रहने वाला है।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 10 अगस्त 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : षष्ठी उत्तर रात्रि 05:47 तक
नक्षत्र : चित्रा रात्रि 05:49 तक
योग : साध्य दोपहर 02:51 तक
करण : कौलव सायं 04:33 तक
चन्द्रराशि : कन्या सायं 04:19 तक
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:44 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:06 , सूर्यास्त 06:43 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:58, सूर्यास्त 06:36 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:50, सूर्यास्त 06:35 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : कल्कि जयंती , वर्ण षष्ठी

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

बांग्लादेश हिंसा के खिलाफ विभिन्न संगठनों का विरोध प्रदर्शन

दोपहर तक बंद रहे व्यापारिक प्रतिष्ठान

भीलवाड़ा,09 अगस्त (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों के विरोध में भीलवाड़ा में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुआ। संत व सनातन धर्म समाज द्वारा आयोजित इस आंदोलन में संतों और महात्माओं के नेतृत्व में महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की मांग की गई है।

प्रदर्शन की शुरुआत प्रातः 9 बजे अयोध्या नगरी, शहीद चौक से हुई। यहां संत समुदाय, सर्वसमाज संगठन के सदस्य और नागरिक एकत्रित हुए और रैली के रूप में धान मंडी, बड़ा मंदिर, सर्राफा बाजार, मुख्य बाजार, गोल प्याऊ और स्टेशन चौराहा होते हुए मुखर्जी उद्यान पहुंचे। रैली के दौरान जनसमूह भगवा पताकाएं लहरा रहा था और हिंदू एकता जिंदाबाद जैसे नारे लगाए जा रहे थे।

रैली में शामिल प्रमुख संतों में महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन, महंत बाबूगिरी, महंत बनवारीशरण काठिया बाबा, संत पंच मुरारी,

महंत रामदास रामायणी और संत परमेश्वरदास शामिल हुए। इनके साथ ही भीलवाड़ा विधायक अशोक कोठारी, विहिप के ओमप्रकाश बूलिया, बजरंग दल के अखि- लेश व्यास, सनातन सेवा समिति के अशोक मूंदड़ा और कई अन्य संगठनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। ज्ञापन में बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों की भर्त्सना की गई है और बांग्लादेश में हिंदू धार्मिक स्थलों, घरों, व्यावसायिक संस्थानों और महिलाओं पर हो रहे हमलों का विरोध किया गया है। ज्ञापन में भारत सरकार से बांग्लादेश में पीड़ित हिंदू अल्पसंख्यकों को भारत लाने और उन्हें भारतीय नागरिकता देने की मांग की गई है। भीलवाड़ा विधायक अशोक कोठारी ने प्रदर्शनकारियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह रैली सर्वसमाज और संगठनों को जागरूक करने का एक प्रयास है। उन्होंने भीलवाड़ा की जनता का व्यापारिक प्रतिष्ठानों को दोपहर 12 बजे तक बंद रखने के लिए आभार व्यक्त किया। महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन ने अपने उद्बोधन में बांग्लादेश की स्थिति को चिंताजनक बताते हुए कहा कि हिंदू समाज को सजग और जागरूक रहना चाहिए। उन्होंने इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंच पर उठाने की भी बात की।

स्वीमिंग सीखने गए आईआईटीयन की पूल में डूबने से हुई मौत

बीकानेर,09 अगस्त (एजेंसियां)।

सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज में बने स्वीमिंग पूल में ढाई महीने से स्वीमिंग सीख रहे एक युवक की पूल में डूबने से मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार युवक स्वीमिंग सीखने के लिए वहां जाता था, आज सुबह भी वह स्विमिंग करने गया था, इसी दौरान वह गहरे पानी में चला गया। आसपास स्वीमिंग कर रहे अन्य लोगों ने उसे बाहर निकाला और ट्रोमा सेंटर लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक के परिजनों ने मामले में स्विमिंग कोच पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

युवक के पिता गोपाललाल मोदी ने बताया कि उनका बेटा कार्तिक मोदी आईआईटी रुड़की से पास आउट था और अमेरिकी टेक कंपनी में वर्क फ्रॉम होम काम करता था। पिछले दो महीने से वह मेडिकल कॉलेज स्थित स्विमिंग पूल में स्विमिंग सीखने के लिए आ रहा था। आज सुबह जब वह घर नहीं लौटा तो उसके मोबाइल पर फोन किया, उसका फोन नो रिप्लाई आ रहा था। इस पर स्विमिंग कोच विजय शर्मा को फोन किया तो उसने बोला कि वह घर के लिए निकल गया है। फिर कुछ देर बाद कोच का फोन आया कि कार्तिक के पेट में पानी भर गया है, आप तुरंत ट्रोमा सेंटर पहुंचो। वहां जाकर देखा तो कार्तिक की मौत हो चुकी थी।

एसीबी टीम की कार्रवाई, जिला उद्योग केंद्र के मुख्य प्रबंधक एवं वरिष्ठ सहायक रिश्वत लेते गिरफ्तार

टोंक,09 अगस्त (एजेंसियां)।

एसीबी टीम ने जिला उद्योग केंद्र के मुख्य प्रबंधक सुल्तान सिंह मीणा और वरिष्ठ सहायक अजय खंडेलवाल को 1 लाख रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। इस मामले में संलिप्त चार्टर्ड अकाउंटेंट जयंत जैन को भी गिरफ्तार किया गया है। एसीबी टीम को वरिष्ठ सहायक अजय खंडेलवाल के टोंक स्थित निवास की तलाशी के दौरान 6 लाख रुपये से अधिक की संदिग्ध धन राशि मिली।

जानकारी के अनुसार एसीबी मुख्यालय को गुप्त सूत्रों से शिकायत मिली थी। गोपनीय सूत्र ने शिकायत में बताया कि टोंक जिला उद्योग केंद्र के मुख्य प्रबंधक सुल्तान सिंह मीणा द्वारा बूंदी जिला उद्योग केंद्र के वरिष्ठ सहायक अजय खंडेलवाल के माध्यम से विभिन्न औद्योगिक विकास योजनाओं में गलत रिपोर्ट बनाने, गलत लोन पास करने और फर्जी बिलों के आधार पर अयोग्य व्यक्तियों को अनुचित लाभ पहुंचाने की एवज में रिश्वत राशि का लेनदेन किया जा रहा है।

शिकायत के आधार पर एसीबी मुख्यालय स्थित तकनीकी शाखा के डीसीपी राजेश दुरेजा की टीम द्वारा तकनीकी/ गोपनीय रूप से शिकायत का सत्यापन किया गया, जिसके बाद जयपुर एसीबी के डीआईजी रणधीर सिंह के सुपरविजन में जाल बिछाकर मुख्य प्रबंधक सुल्तान सिंह मीणा और वरिष्ठ सहायक अजय खंडेलवाल को 1 लाख रुपये की रिश्वत राशि लेते-देते गिरफ्तार किया है। एसीबी ने इस मामले में संलिप्त आरोपी जयंत जैन, चार्टर्ड अकाउंटेंट को भी गिरफ्तार किया है। एसीबी टीम को अजय खंडेलवाल के टोंक स्थित आवास पर तलाशी में 6 लाख रुपये से अधिक की राशि बरामद हुई है। टीम तीनों आरोपियों से रिश्वत राशि को लेकर पूछताछ कर रही है।

राम रहीम के पैरोल पर पंजाब हरियाणा हाई कोर्ट में सुनवाई

अब हरियाणा सरकार लेगी फैसला

चंडीगढ़,09 अगस्त (एजेंसियां)।

डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह की पैरोल याचिका पर शुक्रवार को पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। डेरा मुखी की तरफ से 21 दिनों की फरलो मांगे जाने पर हाई कोर्ट ने हरियाणा सरकार को तय नियमों के तहत इसका निपटारा करने के आदेश दिए हैं।

वहीं, गुरमीत सिंह राम रहीम की पैरोल के खिलाफ शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) की तरफ से हाई कोर्ट में याचिका लगाकर राम रहीम को बार-बार जेल से बाहर लाने का विरोध जताया था। इस याचिका का उच्च न्यायालय ने निपटारा करते हुए कहा कि पिछले साल जब जनवरी में 50 दिनों की पैरोल दी गई थी तो उसके खिलाफ यह याचिका दाखिल की गई थी, लेकिन वह पैरोल अब खत्म हो चुकी। राम रहीम ने दावा किया है कि वह इस साल 20 दिन की पैरोल और 21 दिन की फरलो सहित कुल 41 दिनों की अवधि के लिए रिहाई के लिए पात्र है। इसलिए उसे इसका लाभ मिलना चाहिए। वहीं अब राम रहीम की तरफ से 21 दिनों की फरलो पर हाई कोर्ट ने हरियाणा सरकार को नियमों के तहत इसका निपटारा करने के लिए कहा है।

राम रहीम को कब-कब मिली पैरोल

24 अक्टूबर साल 2020- एक दिन
21 मई साल 2021- एक दिन
अक्तूबर साल 2022- 40 दिन
जून साल 2022- एक महीने
7 फरवरी साल 2022- 21 दिन
21 जनवरी 2023- 40 दिन
20 जुलाई 2023- 30 दिन
नवंबर साल 2023- 21 दिन
19 जनवरी साल 2024- 50 दिन, बाद में इसमें 10 दिन बढ़ा दिया गया।

सैलून पर युवकों के बीच चली कैंची

एक की मौत व दो घायल

रोहतक,09 अगस्त (एजेंसियां)।

रोहतक के थाना शिवाजी कॉलोनी क्षेत्र के सुनारिया कला गांव में हेयर कटिंग की दुकान पर हुए विवाद में एक युवक की हत्या हो गई है। जबकि दो युवक गंभीर रूप से घायल है। युवकों के बीच में विवाद होने के बाद आपस में कैंची चलाई है। जिससे एक की मौत हुई है और दो घायल हुए है।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए पीजीआईएमएस में भेज दिया है। जबकि घायलों को भी पीजीआईएमएस पर भर्ती कराया गया है। मरने वाले युवक की पहचान परमजीत (30) के रूप में हुई है। जबकि घायल सुनील (40) और अजीत (37) हुए हैं। परमजीत के पेट में कई कैंची लगने से उसकी मौत हो गई है। जबकि सुनील की सीने में और अजीत के पैर और शोल्डर में कैंची लगने से घायल हुआ है। दोनों घायलों का इलाज पीजीआईएमएस में चल रहा है।

उदयपुर-दिल्ली सराय रोहिला एक्सप्रेस के चंडीगढ़ तक विस्तार की योजना

अंबाला,09 अगस्त (एजेंसियां)।

उदयपुर-दिल्ली सराय रोहिला एक्- सप्रेस को चंडीगढ़ तक विस्तार करने की योजना है। इसके लिए रेलवे ने अंबाला मंडल से रिपोर्ट मांगी है। इस कार्य के लिए अंबाला मंडल के रेल प्रबंधक ने विभागीय अधिकारियों को आंकलन करने के निर्देश दिए हैं ताकि फाइनल रिपोर्ट तैयार करके जल्द से जल्द रेलवे को सौंपी जा सके। हालांकि प्राथमिक स्तर पर जानकारी सामने आई है कि पहले से ही चल रही ट्रेनों के कारण समय सारिणी के निर्धारण पर पेंच फंस सकता है और दूसरी परेशानी चंडीगढ़ स्टेशन पर रख-रखाव की सुविधा भी नहीं है। वहीं एक अतिरिक्त ट्रेन के संचालन से पहले से चल रही शताब्दी एक्सप्रेस सहित वंदे भारत पर भी असर पड़ सकता है। इसलिए अंबाला मंडल राजस्व के घाटे को लेकर किसी प्रकार का जोखिम लेने के मूड में नहीं है।

रेलवे ने उदयपुर से दिल्ली सराय रोहिल्ला के बीच चलने वाली चेतक एक्सप्रेस ट्रेन नंबर 20473 व 74 ट्रेन को चंडीगढ़ तक विस्तार करने की योजना बनाई है ताकि सोनीपत, पानीपत, कुरुक्षेत्र और अंबाला के लोगों को न केवल झीलों की नगरी उदयपुर के लिए सीधी ट्रेन की सौगात मिले बल्कि गुरुग्राम और रेवाड़ी के लिए भी यात्री आसानी से इस ट्रेन सुविधा का फायदा उठा सकें। वहीं खाटूश्याम धाम जाने वाले भक्त भी रींगस जंक्शन तक आसानी से पहुंच सकेंगे।

नेपाल में लगातार बारिश से बागमती उफान पर

मुजफ्फरपुर के इलाके में बाढ़ से लोग परेशान

स्कूल भी बंद

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

नेपाल और तराई क्षेत्र में लगातार हुई बारिश का असर अब बिहार की नदियों में दिखने लगा है। उत्तर बिहार के कई जिले से होकर बहने वाली बागमती नदी भी उफान पर आ गई है, जिसका असर मुजफ्फरपुर के कटरा प्रखंड औराई प्रखंड और गायघाट प्रखंड में देखने को मिला है। नदी के उफान पर आने से कई गांव में बाढ़ का पानी घुस गया। यही नहीं बल्कि बागमती नदी के जलस्तर बढ़ने के बाद आधा दर्जन स्कूल में घुसा बाढ़ का पानी आने से बच्चों का पठन-पाठन बाधित हो गया है। इसके बाद से ग्रामीणों में दहशत बन गया है। बागमती भी खतरे

के निशान के पास है लेकिन लगातार पानी बढ़ी तो लोगों की समस्या बढ़ जाएगी।

बागमती नदी के जलस्तर में काफी तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। अब इसकी वजह से कटरा प्रखंड में प्रखंड कार्यालय को जोड़ने वाले पीपापुल के दोनों तरफ बाढ़ का पानी चढ़ गया है। बकुची सहित कई इलाके में पानी बढ़ने से लोगों की आवागमन बाधित हो गया है। इसके कारण से लोगो की दूसरे रास्ते से प्रखंड कार्यालय और मुख्यालय आना पड़ रहा है। इसके ही साथ इलाके में कई घर में भी बाढ़ का पानी घुस चुका है। लोग दहशत में है। स्कूलों के क्लास में भी पानी घुस गया जिसके कारण से बच्चों की छुट्टी कर दी गई थी।

बताया जा रहा है इस इलाके यह चौथी बार ऐसा हुआ है। हर तरफ बाढ़ का पानी ही पानी देखने को मिल रहा है। दर्जनों लोगों के घर में पानी घुस गया। पहले की तुलना में इस बार अधिक क्षेत्र बाढ़ की चपेट में हैं। कटरा प्रखंड के नवादा गांव के स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय के शिक्षक शोभित आर्य ने बताया कि बागमती नदी के जलस्तर में लगातार इजाफा से बाढ़ का पानी स्कूलों के आधा दर्जन कक्षा में घुस गया।। बच्चों की सेहत, स्वास्थ्य और सुरक्षा को देखते हुए छुट्टी कर दी गई है।

अब बाढ़ का पानी घटने के बाद स्कूल में पठन-पाठन का कार्य शुरू होगा। औराई प्रखंड की सीओ मधुमिता कुमारी ने बताया कि बागमती नदी का जल स्तर तेजी से बढ़ा है। इस वजह से कई इलाके में बाढ़ का पानी ने प्रवेश कर दिया है। कई घरों में बाढ़ का पानी आ गया है। जल स्तर में भी वृद्धि हुई है। हम अलर्ट पर हैं और हालात पर नजर बनाए हुए है। कुछ स्कूल में पानी आने से छुट्टी कर दी गई थी। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर टिपर से हुई टक्कर में कार क्षतिग्रस्त

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कुंडापुर के कोटेश्वर के बीजाडी में राष्ट्रीय राजमार्ग 66 पर एक टिपर ने एक कार को टक्कर मार दी, जिससे कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

दुर्घटना उस समय हुई जब कार, जो बीजाडी सर्विस रोड से राजमार्ग पर प्रवेश कर रही थी, कुंभाशी से कुंडापुर की ओर तेज गति से आ रहे एक टिपर से टकरा गई।

परिणामस्वरूप, कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। टिपर ने नियंत्रण खो दिया और राजमार्ग के डिवाइडर के बीच में रुक गया। सौभाग्य से, कार में सवार लोग गंभीर रूप से घायल हुए बिना बच गए। पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात बहाल किया।

पटना यूनिवर्सिटी के दो हॉस्टल के छात्रों के बीच भिड़ंत, कॉलेज के पास गोलीबारी

पटना (एजेंसियां)।

पटना यूनिवर्सिटी के दो हॉस्टल के छात्रों के बीच भिड़ंत हुई है। आरोप कि सैदपुर हॉस्टल के छात्र बीएन कॉलेज हॉस्टल के पास आ गए और मारपीट करने लगे। विरोध करने पर उन लोगों ने गोलीबारी भी की। घटना के बाद इलाके में हर काम मच गया आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। इधर सूचना मिलते ही पीरबहोर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई है। पुलिस को बीएन कॉलेज के पास से चार खोखा भी मिले हैं। मामला पीरबहोर थाना क्षेत्र के अशोक राज पथ स्थित बीएन कॉलेज होस्टल के गेट के पास की है।

घटना के संबंध में स्थानीय लोगों का कहना है कि बीएन कॉलेज के होस्टल के गेट पर कुछ

लड़के खड़े थे। उनका कहना आरोप है कि वे सभी लड़के सैदपुर हॉस्टल के छात्र थे। जब इन लड़कों ने पूछा कि क्या बात है ? बस इतना ही पूछते ही सैदपुर के लड़के बीएन कॉलेज के छात्रावास के छात्रों पर टूट पड़े। इस दौरान सैदपुर हॉस्टल के छात्रों ने इन छात्रों की जमकर पिटाई कर दी। इस आरोप यह भी है कि सैदपुर के छात्रों ने फायरिंग भी की है।

घटना के संबंध में पीरबहोर थानाध्यक्ष मो हलीम का कहना है कि गुरुवार को 3 बजे दोपहर में बीएन कॉलेज होस्टल के छात्रों ने फोन पर गोलीबारी की सूचना दी। घटना की सूचना मिलते ही पीरबहोर थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच में जुट गई। जांच के दौरान बीएन कॉलेज होस्टल के छात्रों ने पुलिस को बताया कि बीएन कॉलेज होस्टल के कुछ छात्रों का विवाद सैंदपुर छात्रावास के छात्रों के साथ हुआ था, जिसमे सैदपुर छात्रावास के छात्र बीएन कॉलेज होस्टल के गेट पर आकर ताबड़तोड़ फायरिंग करने लगे। हालांकि गनीमत रही कि इस गोलीबारी में कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस ने बीएन कॉलेज होस्टल के पास से 4 खोखा बरामद किया है। पुलिस घटनास्थल और उसके आसपास लगे सीसीटीवी को खंगाल रही है।

गया में अज्ञात बीमारी ने मचाया मौत का तांडव, पांच दिन में गई सात लोगों की जान

गया (एजेंसियां)।

गया जिले में अज्ञात बीमारी ने मौत का तांडव मचा दिया है। महज पांच दिनों में सात लोगों की मौत से पूरे इलाके में दहशत का माहौल कायम है। वहीं, अज्ञात बीमारी से कई लोग बीमार हैं, जिनका प्राइवेट अस्पताल में इलाज चल रहा है। हालांकि अज्ञात बीमारी से मौत की सूचना के बाद शुक्रवार को डॉक्टरों की टीम जांच के लिए गांव पहुंचने वाली है।

जानकारी के मुताबिक, जिले के आमस थाना क्षेत्र के बलियारी गांव में अज्ञात कारणों से लोगों की मौत होने से गांव वाले परेशान हैं। महज पांच दिनों में अब तक सात लोगों की मौत हो चुकी है। मौत की वजह को लेकर निजी

क्लीनिक के डॉक्टर कुछ बता नहीं पा रहे हैं। जानकारी मिलने के बाद जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने भी इसको लेकर चिंता जताई है। मरने वालों में बच्चे और बड़े दोनों शामिल हैं। कई लोग अब भी बीमार हैं और उनका निजी क्लीनिक में इलाज चल रहा है। फिलहाल किस बीमारी से लोगों की मौत हो रही है, अब तक किसी को पता नहीं चल रहा है। इसके कारण गांव के लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है। यह पूरा मामला बीती रात सामने आया है।

अज्ञात बीमारी से मौत की सूचना के बाद स्थानीय जन प्रतिनिधि उक्त गांव पहुंचे और पीड़ित परिवार से मुलाकात की। उसके बाद स्थानीय जन प्रतिनिधियों ने संबंधित बीडीओ और चिकित्सा पदाधिकारी को सूचना दी। सूचना के बाद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आज मेडिकल टीम गांव भेजी जाएगी। साथ ही मेडिकल टीम अज्ञात बीमारी की पता लगाएगी।

ग्रामीण दिलीप भुईया ने बताया कि चार वर्षीय बेटे देवा कुमार की अचानक तेज बुखार के बाद मौत हो गई। अज्ञात बीमारी से मरने वाले सभी लोगों को पहले तेज बुखार आया और मौत हो गई। उक्त घटना से पूरे गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि अज्ञात बीमारी से लोगों में भय का माहौल है। इस संबंध में आमस प्रखंड के बीडीओ नीरज कुमार राय ने बताया कि आप लोगों से जानकारी मिली है। आज मेडिकल टीम भेजी जाएगी, ताकि अज्ञात बीमारी से पीड़ित लोगों को राहत मिल सके।

अज्ञात बीमारी से 15 दिनों की तेतरी कुमारी, 35 वर्षीय चंद्रावती देवी, चार वर्षीय देवा कुमार, 45 वर्षीय मालती देवी, 26 वर्षीय जितेंद्र कुमार, 20 वर्षीय विक्की कुमार और पांच वर्षीय नगीना कुमारी की मौत हो गई। वहीं, 11 वर्षीय विश्वजीत कुमार और 30 वर्षीय रीता देवी अज्ञात बीमारी से पीड़ित हैं। इनका इलाज निजी क्लीनिक में किया जा रहा है।

पति ने की थी पहली पत्नी की गला दबाकर हत्या पांच साल बाद कोर्ट ने सुनाई उम्रकैद की सजा

औरंगाबाद (एजेंसियां)।

दो शादी रचाने वाले शख्स ने पहली पत्नी से जी भर जाने पर पांच साल पहले उसकी गला दबाकर हत्या कर दी थी। फिर शव को नहर किनारे फेंक कर ठिकाने लगा दिया था। इसी मामले में औरंगाबाद व्यवहार न्यायालय के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे)-3 सुनील कुमार सिंह की अदालत ने गुरुवार को पत्नी की हत्या करने वाले पति को आजीवन कैद की सजा सुनाई। साथ ही 35 हजार का जुर्माना भी लगाया। हत्यारा पति अरविंद प्रजापति औरंगाबाद के सिमरा थानाक्षेत्र के चोरहा गांव का निवासी है। वह घटना के

समय से ही जेल में बंद है।

अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि सिमरा थाना पुलिस को 23 नवंबर 2019 को सुबह सूचना मिली थी कि शिवपुर के पश्चिमी नहर पर एक अज्ञात महिला का शव धान के खेत में पड़ा है। इस सूचना पर सिमरा थाना पुलिस अवर निरीक्षक उमेश कुमार सिंह वरीय अधिकारियों को सूचना देकर मामले के सत्यापन के लिए मौके पर पहुंचे।

उन्होंने बताया कि वहां स्थानीय सरपंच और अन्य लोगों ने शव की पहचान चोरहा निवासी अरविंद प्रजापति की पत्नी पूजा देवी के रूप में की। मौके पर उन्हें यह भी जानकारी मिली कि अरविंद ने दो शादियां की हैं और मृतका पूजा उसकी पहली पत्नी थी।

मामले की तात्कालिक जांच में यह पता चला कि अरविंद ने ही किसी अन्यत्र स्थान पर पत्नी की गमछे से गला दबाकर हत्या की और शव को शिवपुर पश्चिमी नहर के पास फेंक दिया। इसके बाद मामले के सूचक के बतौर उन्हीं के बयान पर सिमरा थाना में प्राथमिकी संख्या-47/19 दर्ज की गई। साथ ही उन्होंने मृतका के पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

इसी मामले के ट्रायल एसटीआर-62/24 में कोर्ट ने सजा के बिंदु पर सुनवाई करते हुए एकमात्र काराधीन आरोपी अरविंद प्रजापति को सजा सुनाई। कोर्ट ने अभियुक्त को भादंवि की धारा 302 के तहत आजीवन कारावास, 25 हजार का जुर्माना, जुर्माना न देने पर एक साल के अतिरिक्त साधारण कारावास, भादंवि की धारा 201 के तहत पांच साल कैद व दस हजार का जुर्माना, जुर्माना न देने पर छह महीने के अतिरिक्त साधारण कारावास की सजा सुनाई। दोनों सजाएं साथ-साथ चलेंगी। इसके पूर्व न्यायालय ने आरोपी को छह अगस्त को दोषी ठहराया था और कोर्ट ने आज उसे सजा सुनाई।

गोपालगंज में बुजुर्ग ने दस साल की बच्ची से किया गंदा काम, पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी को किया गिरफ्तार

गोपालगंज (एजेंसियां)।

गोपालगंज जिले के बरौली थाना क्षेत्र के एक गांव में 65 वर्षीय बुजुर्ग ने एक दस साल की बच्ची से दुष्कर्म किया। इस घटना की सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई कर थानाध्यक्ष संदीप कुमार ने आरोपी को घटना के कुछ ही घंटे बाद गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में पीड़िता की मां ने बरौली थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

प्राथमिकी में पीड़िता की मां ने आरोप लगाया कि उसकी बच्ची गांव में दर्जी के यहां सिले हुए कपड़े लेने के लिए गई हुई थी। तभी दर्जी मुख्तार मियां ने उक्त बच्ची से दुष्कर्म की घटना को अंजाम दे दिया। इसकी जानकारी रोती हुई बच्ची ने अपने परिजनों को दी। इस बात को पूछने के

लिए परिजन दर्जी के यहां पहुंचे तो आरोपी भागने लगा। उसके बाद परिजनों ने घटना की सूचना बरौली थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही बरौली थानाध्यक्ष संदीप कुमार ने त्वरित कार्रवाई कर आरोपी बुजुर्ग को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस गिरफ्त में आया आरोपी मुख्तार मियां बताया गया है। वहीं, पुलिस ने मामले की जांच-पड़ताल करने के बाद पीड़ित परिजनों द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

इधर, गांव में दुष्कर्म की घटना की जानकारी मिलते ही चर्चाएं शुरू हो गईं। वहीं, चारों तरफ लोग इस घटना की निंदा करते नजर आए। सभी ग्रामीणों ने कहा कि ऐसी निंदनीय घटना गांव में पहली बार हुई है। दर्जी ने इस गांव को कलंकित कर दिया है। प्रशासन और न्यायालय इसे कड़ी से कड़ी सजा दे।

बिहार में मंदिर, मठ-ट्रस्ट का पंजीकरण अनिवार्य संपत्ति का विवरण ऑनलाइन करने के निर्देश

पटना (एजेंसियां)।

बिहार सरकार ने प्रदेश के सभी मंदिरों, मठों और ट्रस्टों का पंजीकरण अनिवार्य कर दिया है और उनकी अचल संपत्तियों का ब्यौरा बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड (बीएसबीआरटी) की वेबसाइट पर अपलोड करने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारियों को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है। बीएसबीआरटी, राज्य के कानून विभाग के अधीन काम करता है।

कानून मंत्री नितिन नवीन ने बृहस्पतिवार को कहा, मैंने हाल ही इस संबंध में सभी

जिलाधिकारियों को पत्र लिखा था। अब तक 18 जिलों का डाटा बीएसबीआरटी के पास जमा हो चुका है। उन्होंने बताया कि बिहार हिंदू धार्मिक ट्रस्ट अधिनियम 1950 के अनुसार, सभी सार्वजनिक मंदिरों, मठों, ट्रस्टों और धर्मशालाओं को बीएसबीआरटी के साथ पंजीकृत होना चाहिए। सरकार पंजीकृत मंदिरों, मठों या ट्रस्टों की अवैध संपत्ति के लेन-देन में शामिल लोगों के साथ-साथ अपंजीकृत संस्थाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी। मंत्री ने कहा कि पंजीकृत और अपंजीकृत दोनों मंदिरों की जमीन सहित संपत्ति को अनधिकृत दावों से बचाने के लिए पंजीकरण अनिवार्य है।

नवादा से लापता हुईं दो बहनें पिछले नौ दिन से गायब, अभी तक नहीं मिला सुराग

नवादा (एजेंसियां)।

नवादा जिले के पकरीबरावां से पिछले नौ दिनों से रहस्यमयी ढंग से गायब दो बहनों का अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। पीड़ित परिजन दोनों बेटियों की सकुशल बरामदगी के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं। बताया जा रहा है कि पकरीबरावां थानाक्षेत्र स्थित हनुमाननगर मोहल्ले से बाजार गई दो बहनें रहस्यमयी ढंग से लापता हो गईं थी। गायब दोनों लड़कियां आपस में ममेरी-फुफेरी बहन बताई जा रही हैं, जो 30 जुलाई से गायब हैं।

इसे लेकर परिजनों ने स्थानीय थाने में

प्राथमिकी भी दर्ज कराई है। साथ ही परिजनों ने एसपी से मिलकर दोनों बहनों की सकुशल बरामदगी की गुहार लगाई है। वहीं, पिछले नौ दिनों से लापता दोनों बहनों को लेकर परिवार में दहशत का माहौल है कि कहीं किसी प्रकार की अनहोनी न हो जाए।

पीड़ित परिजन पप्पू कुमार ने बताया कि उनकी पत्नी गणिता देवी के भाई नालंदा जिले के रहुई थानाक्षेत्र के पेशोर गांव के रहने वाले हैं। वर्तमान में वह पटना में रह रहे हैं। उनकी बेटी पिछले तीन महीने से पकरीबरावां में मेरे साथ रह रही थी। दोनों बहनें किसी काम से घर से पकरीबरावां बाजार गईं थी। उसके बाद से दोनों का कहीं कोई अता-पता नहीं चल सका है। दोनों को गायब हुए अब नौ दिन हो गए हैं। वहीं, दोनों परिवार के अभिभावकों का रो-रो कर बुरा हाल है।

थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि गायब दोनों बहनों की तलाश की जा रही है। जल्द ही दोनों बहनों को सकुशल बरामद कर लिया जाएगा। पुलिस दोनों बहनों की तलाश में जुट गई है। इधर, दो बहनों के अचानक से गायब होने पर इलाके में हड़कंप मच गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com